भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

हैप्पी दशहरा

विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 20 अक्तूबर 2026 | 4 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 176, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

सूर्योदय 6:27 सूर्यास्त 5:45

आज का तापमान

शिमला	13.0 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	16.0 न्यू	25.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,852.90
निफ्टी	22,888.95
सोना 1,46,514	चांदी 2,10,000

न्यूज शॉर्ट्स

मस्क अमेरिका के हर बच्चे को स्पेसएक्स का शेयर देंगे



एजेंसी, वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को उनकी रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर गिफ्ट करेंगे। मस्क ने 19 अक्तूबर को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान किया। अभी स्पेसएक्स के एक शेयर की कीमत 146 डॉलर यानी करीब 14 हजार रुपए के बराबर है। अमेरिका में करीब 7.2 करोड़ बच्चे हैं। ऐसे में बांटे जाने वाले शेयर्स का मूल्य 1 लाख करोड़ रुपए होगा। हालांकि करोड़ों बच्चों तक इसे पहुंचाने की प्रोसेस क्या रहेगी? फिलहाल मस्क या उनकी कंपनी की तरफ से इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई हैं।

बलात्कार पीड़िता को 31 सप्ताह का भ्रूण गिराने की दी अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 साल की रेप विक्टिम को 31 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने की अनुमति दी। कोर्ट ने कहा कि नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश का बोझ उठाने की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि नाबालिग रेप पीड़ित की प्रेग्नेंसी खत्म करने का अधिकार सिर्फ यौन हिंसा की शिकार महिला के अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवाधिकार से भी जुड़ा है। प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर करने से पीड़िता के सम्मानजनक जीवन पर असर पड़ सकता है। कानून के तहत सामान्य मामलों में 20 हफ्ते तक और कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे रेप पीड़िताओं के मामले में 24 हफ्ते तक प्रेग्नेंसी खत्म करने की अनुमति है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस, एक दोषी की फांसी पर रोक

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने तनवीर की याचिका पर सुनवाई की। तनवीर ने गुजरात हाईकोर्ट के 7 जुलाई के फैसले को चुनौती दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को सुनाए अपने फैसले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में 21 बम धमाके हुए थे।

पैरा एशियन गेम्स : भारत को चार गोल्ड सहित 11 मेडल

जैवलिन में रिंकू-अजीत, दौड़ में सौम्या-राधा और शूटिंग में मोना-अवनी ने गोल्ड-सिल्वर दोनों दिलाया







एजेंसी, नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों के खेल स्पर्धाओं के पहले दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक अपने नाम किए। पदक तालिका में भारत पहले दिन के खेल के बाद चौथे स्थान पर रहा।

भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक निशानेबाज मोना अग्रवाल ने महिलाओं की स्पर्धा में जीता। उन्होंने 250 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि उनकी साथी और पैरालंपिक चैंपियन अवनि लेखरा ने 249.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इसके बाद जूडो में भारत को दो पदक मिले। कोकिला ने रजत पदक जीता, जबकि कपिल परमार ने कांस्य पदक के मुकाबले में जीत दर्ज कर देश की पदक संख्या में इजाफा किया।

एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। निशाद कुमार ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। रिंकू हुड्डा, सौम्या, अजीत सिंह, वी. रावन्नी और राधा वेंकटेश ने भी पदक जीते। एथलेटिक्स में भारत को कुल छह पदक मिले, जिनमें तीन स्वर्ण पदक शामिल रहे। तैराकी में रवि बुदिगिना ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इस तरह निशानेबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और तैराकी में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश को मजबूत शुरुआत दिलाई।

सीएम धामी ने सुनी जनता की समस्याएं अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश



एजेंसी, खटीमा। खटीमा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अपने निजी आवास कालापुल, नगला तराई और लोहियाहेड हेलीपैड पर जनता व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शिता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है,ताकि लोगों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि सरकार सरलीकरण, समाधान और संतुष्टि के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है,जहां प्रशासन की जवाबदेही और संतोषजनक समाधान सबसे महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की विकास आवश्यकताओं पर चर्चा करते हुए जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई। वहां पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, दायित्वधारी मोहिनी पोखरिया, रंजीत सिंह नामधारी,संतोष गौरव, फरजाना बेगम,सुरेश कोली,नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, सतीश भट्ट, सतीश गोयल, रंदीप पोखरिया,अमित पांडे,भवानी भंडारी आदि थे।

बीसीसीआई चीफ सिलेक्टर बने प्रज्ञान ओझा, अगरकर की जगह लेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। अगरकर का कार्यकाल 4 अक्तूबर 2026 को खत्म हुआ था। वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अगरकर की जगह पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं। प्रज्ञान ओझा ने भारत के लिए 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 47 रन देकर 6 विकेट है।



आशुतोष रांका और सौरव की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। सोमवार को दोनो के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया था।

पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूर कर लिया। अब उन्हें बुधवार को फिर से पेश किया जाएगा। दोनों 14 अक्तूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आरोप है कि उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। वहीं, सीजेपी ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है।

रिहाई पर सुनवाई की बजाय धमकी भरे मैसेज पर चर्चा की : सीजेपी

सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई। रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि इस मैसेज का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है। उन्होंने कहा कि सीजेपी ने मैसेज भेजने वाले की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

नारी गरिमा से बर्दाश्त नहीं खिलवाड़: सीएम योगी

महानवमी पर मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में किया कन्या पूजन

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस समाज में मां भगवती की उपासना होती है, वहां नारी की गरिमा से खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सनातन परंपरा में मातृशक्ति की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। सरकार ने इसी भावना को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़ी नीतियों में शामिल किया है। मिशन शक्ति अभियान भी इसी संकल्प का हिस्सा है। मुख्यमंत्री सोमवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने मंदिर की परंपरा के अनुसार कन्याओं के पैर पखारे, तिलक लगाया, माला पहनाई और चुनरी ओढ़ाकर पूजन किया। बटुकों का भी पूजन किया।



यूपी पुलिस में महिला कर्मियों की संख्या 10 हजार से बढ़कर 45 हजार

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में करीब 10 हजार महिला कर्मी थीं, अब यह संख्या बढ़कर लगभग 45 हजार हो गई है। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क की व्यवस्था है। महिला बीट पुलिस अधिकारी और उपनिरीक्षक स्तर की महिला अधिकारी महिलाओं की शिकायतें सुनती हैं। महिलाओं की सहायता के लिए 1090 वीमेन हेल्पलाइन भी संचालित है।

पुलिस बोली – टाइगर को जान से मारने आए थे शूटर

एजेंसी, मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हमले को लेकर मुंबई पुलिस ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुंबई पुलिस के डीसीपी ने बताया कि, जिस तरह से गोलियां चलाई गईं। आरोपी मर्डर के प्लान से ही आए थे।

उधर, टाइगर की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार देर रात 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10:30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। जनरल कोच में हिरासत में लिया गया। इनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने हमला करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। अनिल ने वीडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है।



◆एक बिहार, 2 हरियाणा के आरोपी, लॉरेंस गैंग के अनिल ने कॉन्ट्रैक्ट दिया

शाहपुर में एंटी चिट्टा वाकाथॉन, सीएम ने नशामुक्त हिमाचल का किया आह्वान

चिट्टे के खिलाफ जंग में जनभागीदारी जरूरी : सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को शिमला से वर्चुअल माध्यम से शाहपुर में आयोजित एंटी चिट्टा वाकाथॉन को संबोधित किया।

उन्होंने नशे के दुरुपयोग के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने और नशामुक्त हिमाचल प्रदेश के निर्माण के लिए प्रदेशवासियों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इस वाकाथॉन का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और अत्यंत नशीले पदार्थ चिट्टा के खिलाफ अभियान में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि चिट्टा न केवल व्यक्ति का जीवन बर्बाद करता है, बल्कि परिवार और पूरे समाज को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। यह युवाओं के भविष्य को खतरे में डालने के साथ-साथ उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें नशे के चंगुल से बचाना सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को खेलकूद, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और अन्य सकारात्मक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे स्वस्थ व सार्थक जीवन जी सकें। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से भी बच्चों तथा युवाओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। नशे के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री ने शाहपुर दशहरा उत्सव को राज्य स्तरीय दर्जा प्रदान करने की घोषणा की।



◆कहा- नशे के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें प्रदेशवासी

◆शाहपुर दशहरा उत्सव को राज्य स्तरीय दर्जा

मणिपुर में चौबीस घंटे में 4 लोगों की हत्या, मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर किया प्रदर्शन

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में चौबीस घंटे में हिंसा की दो घटनाओं में 4 लोगों की हत्या कर दी गई। रविवार रात दो थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। दूसरी घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51), क्षेत्रिमायुम सुशील(32) के रूप में हुई है। घटना में घायल लोगों में देवन की हालत गंभीर है।

महानवमी पर सीएम रेखा गुप्ता ने किया कन्या पूजन, बेटियों के सशक्तिकरण पर दिया जोर

एजेंसी, नई दिल्ली। शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि के पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर सपरिवार पारंपरिक विधि-विधान से कन्या पूजन किया।

इस दौरान उन्होंने छोटी-छोटी कन्याओं के पांव पखारकर, तिलक लगाकर और चुनरी ओढ़ाकर उनका पूजन किया व महाप्रसाद भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दिल्लीवासियों को महानवमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए माता रानी से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। दिल्ली सरकार प्रदेश की हर बेटी के सुरक्षित और स्वर्णिम भविष्य के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है। राज्य सरकार बालिकाओं के लिए बेहतर शिक्षा, आधुनिक कौशल विकास, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन और तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जब देश की बेटियां सशक्त, शिक्षित और सुरक्षित होंगी, तभी एक समृद्ध और शक्तिशाली समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।



बेटियां साक्षात शक्ति का स्वरूप

कन्या पूजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवियों की आराधना के साथ-साथ कन्याओं को साक्षात शक्ति और नवदुर्गा का स्वरूप माना गया है। उन्होंने कहा कि बेटियां साक्षात शक्ति का स्वरूप हैं। उनके सम्मान, उत्तम शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण में ही समाज की वास्तविक प्रगति और कल्याण निहित है। कन्या पूजन की सच्ची भावना को अपने जीवन में उतारने का अर्थ यही है कि हम हर बेटी को बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ने, शिक्षित होने और अपने सपनों को साकार करने के समान और बेहतर अवसर प्रदान करें।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राखीगढ़ी महोत्सव में देखी हड़प्पाकालीन विरासत, पहलवानों का बढ़ाया हौसला

एजेंसी, हांसी। अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव 2026 में सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार पहुंचे। उनके आगमन के साथ महोत्सव की गतिविधियों को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री के साथ पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा, हांसी के विधायक विनोद भ्याणा, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने राखीगढ़ी संग्रहालय का अवलोकन कर यहां की ऐतिहासिक विरासत और प्राचीन सभ्यता से जुड़ी जानकारियां हासिल कीं। इसके बाद उन्होंने महोत्सव स्थल पर लगाई गई विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया। महोत्सव में आयोजित कुश्ती दंगल ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री सैनी ने दंगल में पहुंचकर पहलवानों से मुलाकात की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने विक्की हुड्डा, मिर्चपुर और राहुल दादरी के बीच होने वाले कुश्ती मुकाबले की शुरुआत करवाई। मुख्यमंत्री की मौजूदगी से दंगल में पहुंचे खेल प्रेमियों और ग्रामीणों में उत्साह नजर आया। कुश्ती जैसे पारंपरिक खेल हरियाणा की खेल संस्कृति और ग्रामीण परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।



संग्रहालय में देखी प्राचीन सभ्यता की विरासत

मुख्यमंत्री ने राखीगढ़ी संग्रहालय का अवलोकन कर इस ऐतिहासिक स्थल की पुरातात्विक महत्ता को करीब से देखा। राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थलों में शामिल है और इसकी ऐतिहासिक पहचान देश-विदेश के शोधकर्ताओं तथा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। महोत्सव के माध्यम से इस प्राचीन विरासत को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शनी स्टॉलों के अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री ने महोत्सव में प्रस्तुत विभिन्न गतिविधियों को भी देखा।

इमरजेंसी मीटिंग | पीएम बोले- जरूरत पड़ी तो इमरजेंसी भी लगाएंगे, कुछ शहरों में कर्फ्यू लगाने की तैयारी

तोड़फोड़ करने वालों को चुकानी होगी कीमत: फ्रांसीसी राष्ट्रपति

एजेंसी, पेरिस। फ्रांस में 17 अक्तूबर को हुई हिंसा और लूटपाट को लेकर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने रविवार रात अपने संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को सरकार की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इसके बाद उन्होंने सोमवार शाम से कुछ इलाकों में आंशिक कर्फ्यू लगाने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश में आपातकाल भी लगाया जा सकता है। फ्रांस सरकार ने सोमवार को माना कि वह वीकेंड पर हुई हिंसा को रोकने में नाकाम रही। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने सरकारी रेडियो पर अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि शनिवार रात हुए दंगों के बड़े पैमाने से निपटने के लिए पुलिस की तैयारी पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को इस्तीफे की पेशकश भी की थी, लेकिन राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार नहीं किया। न्याय मंत्री जेराल्ड दारमानिन ने भी माना कि हिंसा के सामने प्रशासन साफ तौर पर नाकाम रहा। उन्होंने फ्रांसीसी टीवी पर कहा कि खुफिया तंत्र भी हिंसा का पहले से सही अंदाजा लगाने में विफल रहा।



फ्रांस पर कर्ज का दबाव भी बढ़ रहा

फ्रांस की सरकार के सामने आर्थिक मुश्किलें भी हैं। देश पर बढ़ते सरकारी कर्ज को काबू में करने के लिए निवेशक सरकार पर दबाव डाल रहे हैं, लेकिन सरकार को डर है कि अगर उसने सरकारी सुविधाओं या कल्याणकारी योजनाओं में कटौती की, तो और ज्यादा लोग नाराज होकर सड़कों पर उतर सकते हैं। देश में लोग पूछ रहे हैं कि अब आगे क्या होगा और क्या फ्रांस की व्यवस्था टूटने की कगार पर पहुंच गई है। शनिवार को हुई हिंसा ने लोगों को डरा दिया है।

महंगाई और सरकारी सुविधाओं में कमी के खिलाफ शनिवार को 8 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। शुरुआत में हालात शांतिपूर्ण थे लेकिन बाद में काले कपड़े पहने और चेहरे ढके कुछ लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू कर दी। अनुमान है कि करीब 1,500 दुकानों और कारोबारों में लूटपाट की गई या उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और भीड़ पर पानी की बौछारें कीं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को करीब 1000 पुलिसकर्मी घायल हुए। इनमें सात की हालत गंभीर थी। गृह मंत्री नुनेज पर आरोप लग रहे हैं कि वे पहले से तय प्रदर्शनों के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाए। फ्रांस की संसद तीन बड़े राजनीतिक गुटों में बंटी हुई है। इनके बीच इतने मतभेद हैं कि संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। ऐसे माहौल में सरकार के लिए कोई बड़ा फैसला लेना आसान नहीं है।

वीरभद्र की प्रतिमा अनावरण से कांग्रेस की गुटबाजी बेनकाब : बिंदल

वीरभद्र प्रतिमा कार्यक्रम में शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी से कांग्रेस के मतभेद उजागर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस पर गुटबाजी और आंतरिक मतभेदों को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और अंतर्विरोध अब पूरी तरह जगजाहिर हो चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की अनुपस्थिति ने पार्टी के भीतर चल रहे मतभेदों को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नेता भाजपा में गुटबाजी होने का आरोप लगाकर अपनी सरकार की विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास करते रहे हैं, लेकिन अब कांग्रेस की स्थिति सबके सामने है। मुख्यमंत्री को भाजपा पर टिप्पणी करने के बजाय पहले अपना घर संभालना चाहिए।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीपकमल, चक्कर में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. बिंदल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने हिमाचल प्रदेश के विकास और राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका राजनीतिक कद किसी एक परिवार या गुट तक सीमित नहीं था। ऐसे वरिष्ठ नेता की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की गैरमौजूदगी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में चुनिंदा नेताओं की उपस्थिति और वरिष्ठ



प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर बरसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल

नेतृत्व की अनुपस्थिति कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक खींचतान का संकेत है।

डॉ. बिंदल ने कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह की उस टिप्पणी का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने रोहड़ू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीरभद्र सिंह की तस्वीर नहीं लगाए जाने पर नाराजगी जताई थी। प्रतिभा सिंह ने कहा था कि वीरभद्र सिंह की तस्वीर हटाकर उन्हें जनता के हृदय से दूर नहीं किया जा सकता। बिंदल ने कहा कि यह टिप्पणी कांग्रेस के भीतर व्याप्त असंतोष और अंतर्विरोधों को दर्शाती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में मतभेद लंबे समय से चले आ रहे हैं। इसी राजनीतिक अंतर्विरोध के चलते पार्टी के छह वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और संगठन में लगातार मतभेद सामने आते रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री अपनी पार्टी की स्थिति पर जवाब देने के बजाय भाजपा पर टिप्पणियां करते रहते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी की मुट्ठी बंद थी, बंद है और बंद रहेगी। कांग्रेस की बिल्ली थैले से बाहर आ चुकी है। कांग्रेस अपने घर की चिंता करे।'

उन्होंने दावा किया कि पिछले चार वर्षों में प्रदेश की जनता ने अनेक परेशानियां झेली हैं और अब वह सरकार के कामकाज को लेकर आर-पार के मूड में है। उनके अनुसार, प्रदेशभर में कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली के प्रति लोगों में नाराजगी है।

प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. बिंदल ने भाजपा की संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा के नेतृत्व में पार्टी की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार, बूथ सशक्तीकरण और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। भाजपा प्रदेश के लगभग आठ हजार मतदान केंद्रों पर संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटी है। इसके तहत प्रदेश के 171 मंडलों में 171 अनुभवी विस्तारक तैनात किए गए हैं। इनका उद्देश्य मतदान केंद्रों पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय और संगठित करना है। पार्टी प्रत्येक मतदान केंद्र पर 50 से 75 कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम तैयार करना चाहती है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा दस दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर निकलेंगे। इसकी शुरुआत रामपुर से होगी और यह प्रवास जनजातीय क्षेत्रों से होते हुए भरमौर तक पहुंचेगा। वहीं, नवनियुक्त प्रदेश सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सुदर्शना सिंह का दूसरा संगठनात्मक प्रवास 25 से 29 अक्टूबर तक कांगड़ा जिले में प्रस्तावित है।

शिक्षा विभाग में पांच हजार और शिक्षकों की नियुक्तियां करेगी प्रदेश सरकार, रोहित ठाकुर ने बताया लक्ष्य

चार दिवसीय राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता में 650 छात्राओं ने लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में शिक्षा विभाग में लगभग 10 हजार नियुक्तियां की जा चुकी हैं, जबकि इस वर्ष पांच हजार अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्तियां करने का लक्ष्य रखा गया है। इन नियुक्तियों के पूरा होने पर सरकार के कार्यकाल में कुल नियुक्तियों का आंकड़ा लगभग 15 हजार तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ विद्यालयों में शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

शिक्षा मंत्री सोमवार को मंडी जिले के सिद्धपुर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 67वीं राज्यस्तरीय अंडर-19 छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 12 जिलों और तीन खेल छात्रावासों की लगभग 650 छात्रा खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, ठोडो और कुराश सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, खेल कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

रोहित ठाकुर ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल गतिविधियों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की बेटियां खेलों के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं और अपनी प्रतिभा के दम पर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। छात्राओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है, ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और विभिन्न स्तरों पर प्रतिनिधित्व करने के अधिक अवसर मिल सकें।

शिक्षा मंत्री ने धर्मपुर क्षेत्र में शैक्षणिक और खेल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शुभारंभ किया। उन्होंने राजकीय उच्च पाठशाला बहरी में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित बैडमिंटन स्पोर्ट्स क्लब का उद्घाटन किया। इस क्लब में जिम की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। इससे विद्यार्थियों को बैडमिंटन के अभ्यास के साथ शारीरिक फिटनेस बेहतर बनाने के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित बहुद्देशीय हॉल का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के पुस्तक वितरण, सूचना एवं मार्गदर्शन केंद्र तथा नवनिर्मित परीक्षा भवन का शुभारंभ किया। इन सुविधाओं से विद्यार्थियों और शिक्षा से जुड़े लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर में बहुद्देशीय हॉल के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुर के खेल मैदान के विकास के लिए 25 लाख रुपये उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने टिहरा और बनेरड़ी के खेल मैदानों के विकास के लिए भी चालू वित्त वर्ष में धनराशि उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए 15 हजार रुपये देने की घोषणा भी की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

ठियोग में घर खाली पाकर चोरों ने उड़ाए 80 लाख के गहने, 15 हजार नकदी चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां चोर एक घर से सोने-चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। चोरी हुए आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 80 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के संबंध में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चोरी की वारदात से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है और आरोपितों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दूसरे घर में सोने गया परिवार पीछे से लाखों के गहने चोरी

पुलिस के अनुसार, चोरी की यह घटना ठियोग क्षेत्र के गांव तीर, डाकघर मतियाना निवासी मनिंदर सिंह पुत्र स्वर्गीय लायक राम के घर में हुई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह 17 अक्टूबर की रात अपने दूसरे घर में सोने के लिए गए थे। यह घर कलग में स्थित है। उनके दूसरे घर में रहने के दौरान तीर स्थित मकान खाली था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर को निशाना बनाया और वहां से नकदी तथा परिवार के सोने-चांदी के विभिन्न आभूषण चोरी कर लिए।



18 अक्टूबर की सुबह मनिंदर सिंह के भाई मदन चौहान ने उन्हें फोन कर घर में चोरी होने की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद चोरी का पता चला। इसके बाद घर से गायब नकदी और आभूषणों का आकलन किया गया। शिकायत के अनुसार, चोरी हुई संपत्ति का कुल अनुमानित मूल्य करीब 80 लाख रुपये है, जबकि चोर 15 हजार रुपये नकद भी ले गए हैं। घटना से क्षेत्र में चोरी की वारदातों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मामले में पुलिस थाना ठियोग में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और 305 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार को सौंपी गई है।

पुलिस अब घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घर में चोरी किस तरह हुई और इसमें कौन शामिल हो सकता है, इन बिंदुओं पर भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल पुलिस जांच जारी है।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानियां ने दशहरा पर्व पर दी शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने दशहरा पर्व के अवसर पर प्रदेश और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि दशहरा अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह पर्व पूरे देश में श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है।



विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां

पठानियां ने कहा कि दशहरा हिंदू धर्म का ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व रखने वाला प्रमुख त्योहार है। मान्यता के अनुसार, इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर बुराई का अंत किया था। वहीं, भगवान श्रीराम ने रावण को पराजित कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। ये प्रसंग मानव जीवन में सत्य, साहस और सदाचार के महत्व को दर्शाते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें इन पौराणिक घटनाओं से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। अच्छाई और सत्य के मार्ग पर चलना कई बार कठिन हो सकता है, लेकिन इसका महत्व स्थायी होता है। इसके विपरीत, असत्य और बुराई पर आधारित मार्ग का प्रभाव क्षणिक होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण और व्यवहार में सत्य, नैतिकता तथा सद्भाव को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व समाज में सकारात्मक सोच, आपसी भाईचारे और सद्भावना को मजबूत करने का संदेश भी देता है। ऐसे त्योहार हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और नई पीढ़ी को नैतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में पठानियां ने प्रदेश और देश के सभी नागरिकों के सुखी, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की कामना की।

सेवा, स्वच्छता और जागरूकता का संदेश देकर कोटी स्कूल का एनएसएस शिविर हुआ संपन्न

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हो गया। शिविर में विद्यालय के कुल 25 स्वयंसेवियों ने भाग लिया, जिनमें 12 छात्र और 13 छात्राएं शामिल रहीं। समापन समारोह की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य शीतल चौहान ने की। इस दौरान स्वयंसेवियों को समाज सेवा, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।



एनएसएस शिविर में सेवा कार्यों के साथ विद्यार्थियों ने सीखे जीवन कौशल।

प्रधानाचार्य शीतल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में समाज सेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस शिविर युवाओं को समाज की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में अपनी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और उनमें आत्मनिर्भरता, श्रम के प्रति सम्मान तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने स्वयंसेवियों से आह्वान किया कि वे शिविर के दौरान प्राप्त अनुभवों और सीख को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। साथ ही, समाजहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की छोटी-छोटी पहल भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

शिविर के दौरान स्वयंसेवियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहयोग और सामाजिक जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया और सामूहिक कार्यों के माध्यम से सेवा भावना का परिचय दिया।

बायोलिया बाईपास पर कार से छह ग्राम चिट्टा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बायोलिया बाईपास के पास एक कार से करीब छह ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में 33 वर्षीय सुरेन्द्र ठाकुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी चामियाणा, शिमला का निवासी है।



पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस थाना ईस्ट शिमला की टीम ने बायोलिया बाईपास रोड के पास एक कार को जांच के लिए रोका। इसके बाद स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की आगे वाली यात्री सीट के नीचे रखे फुटमैट से करीब छह ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।

इस मामले में पुलिस थाना ईस्ट शिमला में 18 अक्टूबर 2026 को प्राथमिकी संख्या 99/2026 दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस मामले की आगामी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसके पीछे किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है।

झाकड़ी के ब्रौनी नाले पर 127 करोड़ से बनेगा पुल

305 मीटर लंबे पुल से आवाजाही होगी सुगम, दो साल में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर बुशहर। शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में झाकड़ी के पास ब्रौनी नाले पर पुल निर्माण की परियोजना को मंजूरी मिल गई है। इसके लिए 127 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पुल बनने से क्षेत्र के लोगों को बार-बार सड़क क्षतिग्रस्त होने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही आवागमन अधिक सुगम होगा और लोगों को आवाजाही के दौरान होने वाली परेशानियों से निजात मिल सकेगी। क्षेत्रवासी लंबे समय से यहां पुल निर्माण की मांग कर रहे थे। अब परियोजना को मंजूरी मिलने से लोगों में राहत की उम्मीद जगी है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के निर्देशों के बाद विभाग ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के प्रयास तेज किए। क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण परियोजना की निर्माण योजना को लेकर मंत्रालय स्तर पर कई बार आपत्तियां दर्ज की गई



थीं। हालांकि, विभाग ने इन आपत्तियों का संतोषजनक निवारण किया। इसके बाद मंत्रालय ने निर्माण योजना को स्वीकार करते हुए पुल के लिए 127 करोड़ रुपये स्वीकृत किए। इस मंजूरी से लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

प्रस्तावित पुल की लंबाई 305 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर होगी। पुल के दोनों ओर पांच-पांच फुट चौड़े फुटपाथ बनाए जाएंगे, जिससे पैदल चलने वालों को भी आवाजाही में सुविधा मिलेगी। पहाड़ी क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों और पुल पर पड़ने वाले भारी दबाव को ध्यान में रखते हुए इसकी नींव लगभग 60 फुट गहरी रखने का प्रावधान किया गया है। इसके ऊपर करीब 200 फुट ऊंचे पियर बनाए जाएंगे। निर्माण योजना में क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और पुल की मजबूती को ध्यान में रखा गया है।

ब्रौनी खड्ड क्षेत्र में सड़क बार-बार क्षतिग्रस्त होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़क खराब होने से स्थानीय निवासियों के साथ-साथ इस मार्ग से गुजरने वाले अन्य लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पुल का निर्माण पूरा होने के बाद इस समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनने की संभावना है।

परियोजना की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पुल के निर्माण के लिए दो वर्ष की समयसीमा निर्धारित की गई है। पुल की स्वीकृति के बाद अब इसके निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि निर्माण निर्धारित समय में पूरा होगा और उन्हें लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलेगी।

दिसंबर में कालका-शिमला रेलमार्ग पर कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कालका-शिमला हेरिटेज रेलमार्ग पर दिसंबर में भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रेलवे ने ट्रैक बहाली और मरम्मत कार्य के चलते एक दिसंबर से 31 दिसंबर 2026 तक कई ट्रेनों का संचालन रद्द रखने का निर्णय लिया है। इससे कालका और शिमला के बीच रेल से सफर करने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

बरसात के दौरान टकसाल के समीप रेलवे पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद से कालका-शिमला रेलमार्ग पर नियमित रेल सेवा प्रभावित है। इसके चलते फिलहाल धर्मपुर से शिमला के बीच ही सीमित रेल सेवा संचालित की जा रही है। एक ही ट्रेन उपलब्ध होने से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

कालका और अन्य स्थानों से शिमला आने वाले यात्रियों को पहले सड़क मार्ग से धर्मपुर पहुंचना पड़ता है। इसके बाद वे धर्मपुर से शिमला के लिए ट्रेन पकड़ते हैं। रेल सेवा सीमित रहने से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में भी दिक्कत हो रही है।

रेलवे के आदेश के अनुसार, अप दिशा में ट्रेन संख्या 52457, 52451, 52459 और 52455 के साथ अप मिक्स ट्रेन का संचालन रद्द रहेगा। इसी तरह डाउन दिशा में ट्रेन संख्या 52458, 52452, 52460 और 52456 के अलावा डाउन मिक्स ट्रेन भी एक दिसंबर से 31 दिसंबर तक नहीं चलेगी। इससे रेलमार्ग पर दोनों दिशाओं में चलने वाली कई सेवाएं प्रभावित रहेंगी। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 52454 का संचालन एक दिसंबर से 31 दिसंबर तक धर्मपुर और शिमला के बीच सीमित रहेगा। यात्रियों को रेल सेवा से संबंधित जानकारी लेकर ही यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी जाती है, ताकि उन्हें रास्ते में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

हवाईसंपर्क रामपुर से रिकांगपिओ तक भी मिलेगी सुविधा, सप्ताह में तीन दिन उड़ानें होंगी संचालित

कल से संजौली-रामपुर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा होगी शुरू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में हवाई संपर्क को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। संजौली और रामपुर के बीच कल, 20 अक्टूबर 2026 से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। रामपुर से रिकांगपिओ तक भी इस सेवा का लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह सेवा सप्ताह में तीन दिन सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध होगी। इससे रामपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को शिमला पहुंचने के लिए परिवहन का एक वैकल्पिक साधन मिलेगा और यात्रा संबंधी कठिनाइयों में कमी आने की उम्मीद है।

निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार, हेलीकॉप्टर सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर संजौली से उड़ान भरेगा और सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर रामपुर पहुंचेगा। इसके बाद सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर रामपुर से रिकांगपिओ के लिए उड़ान रवाना होगी, जो सुबह 11 बजकर 25 मिनट पर वहां पहुंचेगी। वापसी में हेलीकॉप्टर सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर रिकांगपिओ से उड़ान भरेगा और दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर रामपुर पहुंचेगा। रामपुर से संजौली के लिए वापसी उड़ान दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर रवाना होगी और दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर संजौली पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री के वायदे के बाद शुरू होगी सेवा : प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास



के दौरान स्थानीय लोगों से संवाद किया था। इस दौरान उन्होंने दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आवागमन संबंधी कठिनाइयों और परिवहन की जरूरतों को समझा। लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने संजौली और रामपुर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने का वायदा किया था। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप पवन हंस लिमिटेड ने क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत शिमला-रामपुर मार्ग पर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने का अनुरोध किया है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस सेवा का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच को आसान बनाना और लोगों को सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध करवाना है। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से रामपुर क्षेत्र के लोगों को शिमला आने-जाने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। इससे विशेष रूप से उन लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें सड़क मार्ग से यात्रा करने में अधिक समय और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उड़ान योजना के तहत कई मार्गों पर हवाई संपर्क : प्रवक्ता के अनुसार, क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान 5.0 के तहत शिमला, रामपुर, रिकांगपिओ, कुल्लू, मनाली, मंडी और चंडीगढ़ को जोड़ने वाले हवाई मार्ग हेरिटेज एविएशन और पवन हंस लिमिटेड को आवंटित किए गए हैं। हेरिटेज एविएशन द्वारा शिमला-रिकांगपिओ, शिमला-कुल्लू-शिमला और चंडीगढ़-मंडी वाया कुल्लू मार्गों पर क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत उड़ानों का संचालन किया जा रहा है।

वहीं, पवन हंस लिमिटेड द्वारा शिमला के संजौली और चंडीगढ़ के बीच सप्ताह में तीन दिन हेलीकॉप्टर सेवा संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत सप्ताह में एक दिन अतिरिक्त उड़ान भी संचालित की जाती है। इस उड़ान के लिए प्रदेश सरकार व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के तहत 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस पर प्रतिवर्ष लगभग 35.70 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं।

ट्रहाई गांव में 48 घंटे से बिजली गुल, त्योहारों पर ग्रामीण परेशान, स्टाफ की कमी बनी वजह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुंगा तहसील के ट्रहाई गांव में पिछले 48 घंटों से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गाष्टमी के त्योहार के दौरान बिजली गुल रहने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घरों में रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं, वहीं मोबाइल फोन चार्ज नहीं होने से संचार व्यवस्था भी बाधित हो रही है। त्योहार के अवसर पर घरों में मेहमानों के पहुंचने के बीच बिजली संकट ने ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ा दी है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि त्योहार के दौरान बिजली व्यवस्था सुचारु रहेगी, लेकिन दो दिन से आपूर्ति बहाल नहीं होने से उन्हें दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं।

तहसीलदार जुंगा कार्तिकेय शर्मा ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए विद्युत बोर्ड जुंगा के अधिकारियों को ट्रहाई गांव में



जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों को आपूर्ति शुरू होने का इंतजार है।

गांव के वरिष्ठ नागरिक प्रीतम सिंह ठाकुर, भगत चंद आनंद, रोशन लाल और धर्म सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बिजली गुल होने के बाद उन्होंने कई बार विद्युत बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली की छोटी-मोटी खराबियों को ठीक करने के लिए भी उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। इससे लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने विद्युत बोर्ड से पीरन पंचायत और आसपास के क्षेत्रों में कर्मचारी, टीमेट या लाइनमैन तैनात करने की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में कर्मचारियों की नियमित उपलब्धता होने से बिजली आपूर्ति में आने वाली छोटी खराबियों को समय रहते ठीक किया जा सकेगा और लोगों को बार-बार बिजली संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

विद्युत बोर्ड उपमंडल जुंगा के कनिष्ठ अभियंता विकास राज ने बताया कि कर्मचारियों की कमी के कारण बिजली से संबंधित शिकायतों का समय पर निपटारा करने में परेशानी आ रही है।

कुंभ में चिकित्सा व्यवस्था के लिए 1800 स्वास्थ्यकर्मियों की होगी तैनाती

कुंभ मेले में बनेंगे 45 अस्थायी अस्पताल

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में जनवरी से शुरू होने जा रहे अर्धकुंभ को सरकार कुंभ मेले के रूप में आयोजित कर रही है। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मेला स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत शहर और मेला क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर 45 अस्थायी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। साथ ही छह निजी चिकित्सालयों को भी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संबद्ध किया जाएगा। चिकित्सा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए करीब 1800 स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती की योजना है।

मेला स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य श्रद्धालुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के साथ ही किसी भी आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना है। मेले में उमड़ने वाली भीड़, मौसम में बदलाव और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अस्पतालों, स्वास्थ्य बूथों और चिकित्सा कर्मियों की तैनाती की योजना बनाई जा रही है। इससे श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सकेगी।



कुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगी त्वरित चिकित्सा सुविधा।

स्वास्थ्य बूथों पर मिलेगी प्राथमिक चिकित्सा

बड़े अस्थायी अस्पतालों के अलावा मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य बूथ भी स्थापित किए जाएंगे। यहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे श्रद्धालुओं को मौके पर ही सहायता मिलने से बड़े अस्पतालों पर दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

चार स्थानों पर बनेंगे बड़े अस्थायी अस्पताल

कुंभ मेला अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. मनीष दत्त के अनुसार, श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसके तहत बैरागी कैंप और चंडीपुल के नीचे गौरीशंकर क्षेत्र में 50-50 बिस्तरों की क्षमता वाले दो अस्थायी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। वहीं, रोड़ी बेलवाला और पंतद्वीप क्षेत्र में 40-40 बिस्तरों की क्षमता वाले दो अस्पताल बनाए जाएंगे। इन अस्पतालों में श्रद्धालुओं की जरूरत के अनुसार उपचार की व्यवस्था की जाएगी।

देवभूमि की शांति और समृद्धि हमारा परम ध्येय : बिसेन

डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने उत्तराखंड के राज्यपाल पद की शपथ ली

अनिल थपलियाल

देहरादून। डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने सोमवार को लोक भवन, देहरादून में उत्तराखंड के राज्यपाल पद की शपथ ली। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति वारंट पढ़कर सुनाया। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल ने उत्तराखंड पुलिस की ओर से प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

मीडिया से बातचीत में राज्यपाल डॉ. बिसेन ने उन्हें उत्तराखंड की सेवा का अवसर देने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।



उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का प्रमुख केंद्र है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे चारधाम के साथ आदि कैलाश और जागेश्वर धाम इस प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों के लिए भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वीरभूमि भी है। यहां लगभग हर परिवार का कोई न कोई सदस्य देश की सशस्त्र सेनाओं में सेवा दे रहा है। प्रदेश की महिलाएं, युवा, किसान और अन्य वर्ग मेहनती तथा मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। राज्यपाल ने कहा कि संविधान के मूल्यों और पद की गरिमा को बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वह राज्य सरकार और प्रदेशवासियों के साथ मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में विकास को गति देने का प्रयास करेंगे।

देवभूमि की सेवा को तत्पर राज्यपाल

मीडिया से बातचीत में राज्यपाल डॉ. बिसेन ने उन्हें उत्तराखंड की सेवा का अवसर देने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का प्रमुख केंद्र है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे चारधाम के साथ आदि कैलाश और जागेश्वर धाम इस प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों के लिए भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वीरभूमि भी है। यहां लगभग हर परिवार का कोई न कोई सदस्य देश की सशस्त्र सेनाओं में सेवा दे रहा है। प्रदेश की महिलाएं, युवा, किसान और अन्य वर्ग मेहनती तथा मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। राज्यपाल ने कहा कि संविधान के मूल्यों और पद की गरिमा को बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वह राज्य सरकार और प्रदेशवासियों के साथ मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में विकास को गति देने का प्रयास करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पौड़ी की चार विधानसभा सीटों पर न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। कांग्रेस ने उत्तराखंड न्याय यात्रा की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं गढ़वाल जनपद प्रभारी धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में 24 और 25 अक्टूबर को चौबटाखाल, यमकेश्वर, कोटद्वार और लैंसडौन विधानसभा क्षेत्रों में यात्रा निकाली जाएगी। इसमें विधायक विक्रम सिंह नेगी और लखपत बुटोला भी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में घोटाले, महिला अत्याचार और जंगली जानवरों के हमलों जैसे मुद्दे उठाए जाएंगे। कांग्रेस अंकिता भंडारी प्रकरण में कथित वीआईपी को राज्यपाल बनाए जाने का विरोध कर उन्हें हटाने की मांग भी करेगी। यात्रा 22 अक्टूबर को बदरीनाथ से शुरू होगी।

15 करोड़ की सड़क पर पानी के बीच डामरीकरण शुरु, इंजीनियरों की निगरानी पर उठे सवाल



भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। थराली विधानसभा क्षेत्र के ग्वालदम-नंदकेशरी मोटर मार्ग पर 15 करोड़ छह लाख रुपये से अधिक की लागत से हो रहे सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। करीब 13 साल बाद सड़क पर डामरीकरण शुरू हुआ है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने निर्माण में मानकों की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। जिला पंचायत सदस्य कला देवी उर्फ कलावती ने सोलिंग में मिट्टी के इस्तेमाल, बंद नालियों और खराब कलमट की समस्या उठाई। कनिष्ठ प्रमुख राजेश चौहान ने सड़क पर नमी के बीच डामर बिछाने और उचित दबाव से कॉम्पैक्टिंग नहीं करने पर सवाल किए। उनका कहना है कि सड़क का एलाइनमेंट ठीक नहीं होने से बरसात का पानी आवासीय भवनों में घुस रहा है। जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

पांच साल से अधूरी सड़क, पहाड़ के हजारों लोगों की उम्मीदें अधर में

भारतेन्दु संवाददाता, पिथौरागढ़। बेरीनाग तहसील का शुक्लयाडी-खेती-धारी संपर्क मार्ग पांच साल बाद भी पक्का नहीं हो पाया है। करीब पांच हजार की आबादी को मुख्यधारा से जोड़ने वाली इस सड़क की बदहाली से ग्रामीण परेशान हैं। मार्ग पर गड्ढे, दलदल और भूस्खलन का मलबा लोगों की आवाजाही को जोखिम भरा बना रहा है। बरसात में स्थिति और गंभीर हो जाती है। बीमारों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को डोली या कंधों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग कर चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस है। अधूरी सड़क से पलायन की चिंता भी बढ़ रही है।

मोरी में 535 ग्राम चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। मोरी पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 535 ग्राम अवैध चरस के साथ देहरादून निवासी दो युवकों पंकज कुमार और अभिषेक को गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की कीमत करीब एक लाख सात हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल स्कूटी को सीज कर दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, मई 2026 में अवैध अफीम की खेती के संबंध में दर्ज दो मामलों में वांछित चल रहे पालेश्वर (46) और रत्ना (53) को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2026 में अब तक 37 नशा तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

धामी बोले, प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती

सेलाकुई में पांच योजनाओं पर खर्च होंगे 20.55 करोड़ रुपए

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सेलाकुई स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय परिसर में 20.55 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इनमें 20.21 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का शिलान्यास तथा 34 लाख रुपये की दो योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित प्रशासनिक भवन, एम्फीथिएटर और नक्षत्र वाटिका की आधारशिला रखी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार और दंत चिकित्सालय का लोकार्पण किया। उन्होंने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करने के बाद स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विकास और युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की तैयारी

धामी ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया है। केंद्र से स्वीकृति मिलने के बाद इस दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उत्तराखंड में वर्तमान में पांच राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि दो निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा नौ नर्सिंग कॉलेज और तीन नर्सिंग स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

किच्छा में 325 करोड़ से बन रहा एम्स सैटेलाइट सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में आधुनिक कैंसर संस्थान बनाया जा रहा है, जबकि ऊधमसिंह नगर के किच्छा में 351 करोड़ रुपये की लागत से एम्स सैटेलाइट सेंटर का निर्माण हो रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए टेलीमेडिसिन और हेली एंबुलेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले पांच वर्षों में पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने भी चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और आधुनिक सुविधाओं के विकास पर जोर दिया।

नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. बिसेन से मिले कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज



राज्यपाल डॉ. बिसेन से भेंट करते हुए सतपाल महाराज।

अनिल थपलियाल

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को लोक भवन पहुंचकर उत्तराखंड के नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने डॉ. बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। महाराज ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा डॉ. बिसेन को उत्तराखंड जैसे महत्वपूर्ण राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया जाना हर्ष का विषय है।

सतपाल महाराज ने कहा कि डॉ. बिसेन अनुभवी जननेता, वरिष्ठ चिकित्सक और कुशल प्रशासक हैं। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के किसान परिवार से आने वाले डॉ. बिसेन चार बार विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री, वित्त आयोग के अध्यक्ष और बालाघाट से लोकसभा सांसद के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता तथा जनसेवा का लंबा अनुभव उल्लेखनीय है।

◆ सतपाल महाराज ने राज्यपाल को दीं शुभकामनाएं

महाराज ने विश्वास जताया कि डॉ. बिसेन का अनुभव और मार्गदर्शन उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के संवैधानिक नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी प्रयासों को उनके अनुभव से नई दिशा मिलेगी।

10 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे गंगोत्री धाम के कपाट



भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट आगामी 10 नवंबर को अन्नकूट पर्व के अवसर पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। सोमवार को शारदीय नवरात्र की नवमी के पावन अवसर पर श्री पांच मंदिर समिति, गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों ने विधि-विधान के साथ कपाट बंद होने का शुभ मुहूर्त निकाला। समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल ने बताया कि 10 नवंबर 2026 को दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन प्रवास के लिए मुखबा गांव पहुंचेगी। यहां स्थित मंदिर में अगले छह महीने तक श्रद्धालु मां गंगा के दर्शन और पूजा-अर्चना कर सकेंगे। मुखबा को मां गंगा का मायका भी कहा जाता है। हर वर्ष गंगोत्री धाम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां गंगा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सर्दियों में उच्च हिमालयी क्षेत्र में तापमान गिरने और बर्फबारी की संभावना को देखते हुए चारधाम के कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। कपाट बंद होने के बाद भी श्रद्धालु मुखबा पहुंचकर मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। यह व्यवस्था शीतकाल के दौरान धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर प्रदान करेगी।

◆ नवरात्र की नवमी पर निकला गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने का मुहूर्त

विधायक टम्टा के आश्वासन पर आठवें दिन समाप्त हुआ धरना

मांगें पूरी नहीं होने पर फिर दी आंदोलन की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली

नारायणबगड़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारने की मांग को लेकर आठ दिनों से चल रहा धरना सोमवार को थराली विधायक भूपाल राम टम्टा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। आंदोलनकारियों ने विधायक को मांग पत्र सौंपकर चिकित्सकों की नियुक्ति, आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य केंद्र को उच्चीकृत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग उठाई।



धरना समाप्ति के दौरान भूपाल राम टम्टा व अन्य।

◆ मांगें पूरी नहीं हुईं तो 2027 के विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे ग्रामीण

क्षेत्र पंचायत सदस्य नीरज नेगी और विपिन परिहार के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के दौरान विधायक ने दो दिनों के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक की नियुक्ति कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा छह बिस्तर, प्रसूति टेबल, एक्स-रे मशीन और एक्स-रे तकनीशियन की व्यवस्था करने की बात कही। स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उच्चीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री से पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई का भी भरोसा दिलाया।

आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय में मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासी दोबारा धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन शुरू करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर नारायणबगड़ विकासखंड के लोग वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के बहिष्कार का सामूहिक निर्णय भी ले सकते हैं।

धरना समाप्ति के दौरान ब्लॉक प्रमुख गणेश चंदोला, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप बुटोला, सुरी कनेरी, मोनू सती, जयदीप सिंह और कमलेश सती सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। अब क्षेत्रवासियों की नजरें विधायक के आश्वासन पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

दशहरा शोभायात्रा के लिए देहरादून में यातायात प्लान जारी

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। दशहरा पर्व पर शोभायात्रा और परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस ने यातायात प्लान जारी किया है। मंगलवार को परेड ग्राउंड के चारों ओर जीरो जोन रहेगा, जबकि कई मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया जाएगा। शोभायात्रा कालिका मंदिर से शुरू होकर मोती बाजार, पलटन बाजार, राजपुर रोड, एस्लेहाल और कनक चौक से होते हुए परेड ग्राउंड पहुंचेगी। इसके चलते विक्रम और सिटी बसों के मार्गों में भी बदलाव किया गया है। कुछ विक्रम निर्धारित स्थानों से पहले ही वापस मोड़ दिए जाएंगे, जबकि परेड ग्राउंड से चलने वाली कैंट और राजपुर रोड बसें ओरिएंट चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास से संचालित होंगी। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर बैरियर लगाने के साथ पार्किंग स्थल भी निर्धारित किए हैं। रेंजर्स ग्राउंड, मंगला देवी इंटर कॉलेज, काबुल हाउस, नगर निगम और पुराने तहसील परिसर में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। राजपुर रोड, सहस्त्रधारा, रायपुर, ईसी रोड, सहारनपुर रोड और चकराता रोड से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग तय किए गए हैं।

बलात्कारियों, भ्रष्टाचारियों और गोहत्यारों को फांसी हो : रामदेव

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में नवरात्र की पूर्णाहुति पर कन्या पूजन के दौरान योगगुरु स्वामी रामदेव ने नारी सम्मान, बेटियों की सुरक्षा, भ्रष्टाचार और गो-संरक्षण के मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने दुष्कर्म, भ्रष्टाचार और गोहत्या के मामलों में कठोरतम दंड की वकालत करते हुए कहा कि बलात्कारियों, भ्रष्टाचारियों और गोहत्यारों को फांसी होनी चाहिए।

मीडिया से बातचीत में स्वामी रामदेव ने कहा कि सनातन संस्कृति प्रत्येक स्वरूप में भगवती के दर्शन करने की प्रेरणा देती है। यह भावना केवल कन्या पूजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे समाज में महिलाओं और बेटियों के प्रति सम्मान के रूप में दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने छोटी बच्चियों के साथ होने वाले दुष्कर्म और समाज में बढ़ती अश्लीलता पर चिंता जताई। उन्होंने मांग की कि दुष्कर्म के मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालतों में कर त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए।

रामदेव ने कहा कि नवरात्र की उपासना तभी सार्थक होगी, जब प्रत्येक व्यक्ति महिलाओं की सुरक्षा को अपनी जिम्मेदारी समझे। इसके लिए कानून का प्रभावी क्रियान्वयन और अपराधियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई जरूरी है। गोहत्या के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, इसलिए गोहत्या रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने देशवासियों से सद्चरित्रता, पवित्रता और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।



◆ कन्या पूजन तभी सार्थक, जब बेटियां सुरक्षित रहें

उत्तराखंड में खुली मिठाइयों की बिक्री के नियम बदले

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में मिठाई खरीदने वाले ग्राहकों को अब उनकी ताजगी और उपयोग की अवधि की जानकारी मिल सकेगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 26 अक्टूबर से प्रदेश में खुली मिठाइयों और बेकरी उत्पादों पर निर्माण तिथि के साथ एक्सपायरी डेट या उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, मिठाई की दुकानों के निरीक्षण के दौरान सामने आया कि खुली मिठाइयों के निर्माण और उनके उपयोग की अंतिम तिथि की जानकारी ग्राहकों को नहीं मिल पा रही थी।

परेशानी सिविल रोड पर बेतरतीब खड़े वाहन और डंपिंग जोन से बढ़ी परेशानी

मसूरी सिविल अस्पताल जाने वाले रास्ते पर जाम का 'मर्ज'

विकास बलूनी

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में आपातकालीन मरीजों के लिए अस्पताल तक पहुंचना ही चुनौती बनता जा रहा है। उप जिला चिकित्सालय जाने वाले सिविल रोड पर बेतरतीब खड़े वाहन, बार-बार लगने वाला जाम और सड़क किनारे बने डंपिंग जोन से आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि मरीजों को लेकर आने वाली 108 एंबुलेंस को भी रास्ता मिलने में परेशानी होती है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो जाम किसी मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। सिविल रोड मसूरी के प्रमुख अस्पताल तक पहुंचने का महत्वपूर्ण मार्ग है।

यहां रोजाना मरीजों और तीमारदारों की आवाजाही रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण सड़क संकरी हो जाती है और व्यस्त समय में जाम लग जाता है। ऐसे में आपातकालीन स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचाने में देरी होने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिविल रोड पर कई होटल संचालित हैं, लेकिन कुछ होटलों में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

इसके चलते सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने से यातायात प्रभावित होता है। वहीं, सड़क किनारे ठेकेदार की ओर से बनाए गए डंपिंग जोन को लेकर भी लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इन समस्याओं के कारण सड़क पर आवागमन और अधिक मुश्किल हो रहा है। लोगों ने नगर पालिका, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल मार्ग पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करना प्राथमिकता होनी चाहिए।



फाईल फोटो।

एंबुलेंस भी परेशान

स्थिति यह है कि मरीजों को लेकर आने वाली 108 एंबुलेंस को भी रास्ता मिलने में परेशानी होती है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो जाम किसी मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

सड़क जाम से बढ़ी चिंता

उनका कहना है कि आपातकालीन मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना बेहद जरूरी है, लेकिन सड़क पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहना चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों ने सिविल रोड पर पूर्ण रूप से वन-वे यातायात व्यवस्था लागू करने, सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों को हटाने और डंपिंग जोन को तत्काल हटाने की मांग की है।

अस्पताल मार्ग जाममुक्त रखने की मांग

साथ ही होटल संचालकों की पार्किंग व्यवस्था की जांच करने और अस्पताल मार्ग को जाममुक्त रखने के लिए नियमित निगरानी की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि मरीजों और एंबुलेंस को अस्पताल पहुंचने में किसी तरह की बाधा न हो।

न्यूज शॉर्ट्स

फिरौती धमकी के बाद किराना कारोबारी के घर फायरिंग

भारतेंदु संवाददाता, ममदोट । पंजाब के ममदोट कस्बे में मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने किराना कारोबारी मुनीश चोपड़ा के घर के बाहर पांच गोलियां चलाईं। घटना के समय परिवार घर के अंदर सो रहा था। गोलियां मुख्य दरवाजे को पार कर अंदर खड़ी कार में जा लगीं। कारोबारी को कुछ दिन पहले विदेशी नंबरों से लाखों रुपये की फिरौती के लिए धमकी भरे फोन आए थे। उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी, जिसके बाद सरकारी गनमैन तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले गनमैन वापस बुला लिया गया।

गाड़ी हटाने के विवाद में युवक की हत्या

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर में एमजीएम होटल के बाहर विवाद के दौरान तलवारों से हमला कर विक्की नामक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, उसका झगड़ा बटाला निवासी दो भाइयों से हुआ था। मृतक की पत्नी पूनम ने बताया कि विवाद गाड़ी हटाने को लेकर शुरू हुआ था, जो बाद में हिंसक हो गया। एसीपी रविंदर पाल सिंह के मुताबिक, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। विक्की दो बेटियों का पिता था। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फोर्टिस मोहाली को 22 पेड़ काटने की अनुमति

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने फोर्टिस अस्पताल को स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए 22 पेड़ काटने की अनुमति दी है। इसके बदले अस्पताल को 110 पौधे लगाने, उनकी दस साल तक देखभाल करने और प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जाखड़ ने नशे पर मान सरकार को घेरा

नशा तस्करी रोकने में नाकामी पर जाखड़ ने पुलिस प्रशासन से मांगा जवाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में नशे की समस्या को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार पर निशाना साधा है। डीजीपी गौरव यादव से मुलाकात के बाद जाखड़ ने आरोप लगाया कि राज्य में नशे का कारोबार गंभीर समस्या बना हुआ है, लेकिन सरकार इसे रोकने के बजाय अपने दावों और आंकड़ों के जरिए उपलब्धियां गिनाने में जुटी है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान के पेरिस में जन्मदिन मनाने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब नशे की आग में जल रहा है और मुख्यमंत्री विदेश में जन्मदिन मना रहे हैं।

जाखड़ ने पंजाब सरकार के एंटी-ड्रोन सिस्टम से संबंधित आंकड़ों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने ड्रोन पकड़ने को लेकर सरकार की ओर से पेश किए जा रहे आंकड़ों को बोगस बताते हुए उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया। उन्होंने कहा कि यदि सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थ लगातार पंजाब पहुंच रहे हैं तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी दावों और जमीनी स्थिति के बीच अंतर दिखाई दे रहा है।

लवप्रीत की मौत का मामला डीजीपी के सामने उठाया : डीजीपी से मुलाकात के दौरान जाखड़ लवप्रीत की बहन अमनदीप को भी साथ लेकर पहुंचे। अमनदीप ने आरोप लगाया कि उसके भाई की मौत से पहले इलाके में नशे की बिक्री की शिकायत पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। परिवार के अनुसार, 19 सितंबर को डीजीपी और एसएसपी को ई-मेल तथा स्पीड पोस्ट के माध्यम से शिकायत भेजी गई थी। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर परिवार को डीजीपी से मिलना पड़ा।



सुनील जाखड़।

अमनदीप ने कहा कि वह पहले भी पुलिस को अपने इलाके में नशे की बिक्री के बारे में बता चुकी थी। परिवार ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने की मांग की। अमनदीप ने यह भी कहा कि वह पुलिस को उन स्थानों तक ले जाने के लिए तैयार है, जहां कथित तौर पर नशीले पदार्थ बेचे जा रहे हैं। जाखड़ ने बर्खास्त पुलिसकर्मी राजजीत के घर पर कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार नशा तस्करी के खिलाफ गंभीर है तो संबंधित मामले में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। उन्होंने सरकार से नशे के कारोबार से जुड़े मामलों में कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

प्रीगैबलिन की बिक्री पर जवाबदेही तय करने की मांग

जाखड़ ने प्रीगैबलिन दवा की बिक्री और मेडिकल स्टोरों की निगरानी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुक्तसर में सितंबर 2024 में जारी आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि बिना चिकित्सकीय पर्चे के दवा की बिक्री रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से 2024 से 2026 के बीच मेडिकल स्टोरों के निरीक्षण और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का ब्योरा देने की मांग की। जाखड़ ने ड्रग इंस्पेक्टरों और संबंधित थानों के थाना प्रभारियों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल घोषणाओं और आंकड़ों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए नशा तस्करी पर प्रभावी रोक, मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार को नशे के खिलाफ अभियान की नियमित समीक्षा करनी चाहिए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। जाखड़ ने मांग की कि नशे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि युवाओं को इस समस्या से बचाया जा सके।

नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों को न्याय की आस, आज पंजाब पहुंचेंगे अमित शाह

भारतेंदु संवाददाता, मानसा। पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज, 20 अक्टूबर को पंजाब के तीन जिलों का दौरा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वह दोपहर 12 बजे मानसा पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 1:15 बजे संगरूर और दोपहर 3:15 बजे गुरदासपुर जाएंगे। उनके दौरे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज है।

मानसा में परविंदर सिंह झोटा की हत्या, गुरदासपुर में बिक्रमजीत की हत्या और संगरूर में गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। ये तीनों नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता बताए गए हैं। इन घटनाओं के बाद नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले लोगों की सुरक्षा और संबंधित मामलों में न्याय की मांग उठ रही है।

झोटा के पिता ने किया अमित शाह के दौरे का स्वागत : अमित शाह के मानसा दौरे से पहले विरोध की आशंकाएं भी सामने आई थीं। हालांकि, परविंदर सिंह झोटा के पिता भीम सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे का स्वागत किया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अमित शाह के दौरे का विरोध न करे।



मानसा, संगरूर और गुरदासपुर पहुंचेंगे अमित शाह, पीड़ित परिवारों को न्याय की आस

◆नशा विरोधी कार्यकर्ताओं के मामलों पर नजर, अमित शाह के दौरे से जगी इंसाफ की उम्मीद

भीम सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र सरकार उनके परिवार को न्याय दिलाने में मदद करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें केंद्र सरकार से ही इंसाफ की उम्मीद है। उनका कहना है कि इस समय परिवार की प्राथमिकता बेटे की हत्या के मामले में न्याय हासिल करना है।

राजनीतिक दलों से भी की अपील : भीम सिंह ने यह भी कहा कि यदि किसी राजनीतिक दल का कोई प्रतिनिधि धरने में शामिल होने आता है तो उसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए। उनकी अपील है कि मामले को राजनीतिक विरोध तक सीमित रखने के बजाय न्याय की मांग पर ध्यान दिया जाए।

अमित शाह के दौरे के दौरान मानसा, संगरूर और गुरदासपुर में नशे के खिलाफ संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं से जुड़े मामलों और परिवारों की न्याय संबंधी मांगों पर ध्यान रहने की संभावना है। हालांकि, दौरे के दौरान इन मुद्दों पर किसी आधिकारिक घोषणा की पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है। पंजाब में नशे के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग इस दौरे के संदर्भ में अहम बनी हुई है।

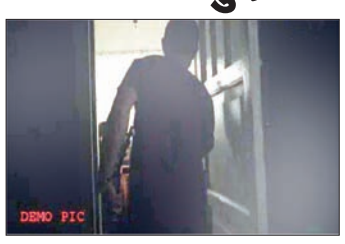
21 अक्तूबर से रोडवेज कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, पंजाब में बस सेवाएं ठप होने का खतरा



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में बस सेवाएं एक बार फिर प्रभावित होने की आशंका है। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी के संविदा कर्मचारियों ने अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर 21 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकार ने जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया तो राज्यभर में बसों का संचालन ठप किया जा सकता है। ऐसा होने पर रोजाना बसों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पंजाब रोडवेज, पनबस/पीआरटीसी काट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन पंजाब के नेताओं का कहना है कि कर्मचारियों की मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। पिछले दो से तीन महीनों में विभागीय अधिकारियों और परिवहन मंत्री के साथ बैठकें तय हुईं, लेकिन कर्मचारियों के मुद्दों का समाधान नहीं हो पाया। इससे कर्मचारियों में रोष बढ़ रहा है। इससे पहले 15 अक्टूबर को कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर डिपो स्तर पर धरना दिया था। यूनियन नेताओं के अनुसार, सरकार के साथ प्रस्तावित बैठक भी नहीं हो पाई। प्रदेश नेता रेशम सिंह गिल ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। यूनियन ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो 21 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इसके अलावा 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले पंजाब विधानसभा के सत्र के दौरान मुख्यमंत्री आवास के बाहर स्थायी धरना देने की भी योजना है।

हैड कांस्टेबल के घर चोरी, लाखों के गहने और नकदी लेकर फरार हुए चोर

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर । जालंधर में चोरों ने पंजाब पुलिस में तैनात एक हैड कांस्टेबल के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने के गहने और हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय हैड कांस्टेबल अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने के लिए फगवाड़ा गया हुआ था। घर लौटने पर उसे चोरी का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



थाना रामा मंडी में मामले की जांच कर रहे एएसआई जसवंत सिंह को दी शिकायत में हैड कांस्टेबल सुखप्रीत सिंह पुत्र अवतार सिंह ने बताया कि वह मकान नंबर 43, सनशाइन एवेन्यू, लद्देवाली में रहता है। वह परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने के लिए फगवाड़ा गया था। जब वे वापस लौटे तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो घर का दरवाजा भी टूटा पड़ा था।

घर की तलाशी लेने पर पता चला कि चोर सोने के गहने और नकदी लेकर फरार हो चुके थे। इसके बाद सुखप्रीत सिंह ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर थाना रामा मंडी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 और 331(4) के तहत मुकदमा नंबर 306 दर्ज किया है।

पुलिस चोरी की वारदात को सुलझाने के लिए अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है। आरोपितों की पहचान और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

झोटा हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग तेज

सांसद ने पंजाब में नशा तस्करी और अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच मांगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल की वरिष्ठ नेता और बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल ने नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पंजाब में नशा तस्करी के कथित राजनीतिक-पुलिस गठजोड़ की व्यापक जांच कराने की अपील की है। हरसिमरत ने आरोप लगाया कि झोटा के पिता भीम सिंह की ओर से पुलिस को दिए गए बयान पर उचित कार्रवाई नहीं हुई है।



हरसिमरत के अनुसार, भीम सिंह ने अपने बयान में आरोप लगाया है कि उनके बेटे की हत्या के पीछे नशा कारोबार से जुड़े लोगों का हाथ था और उन्हें राजनीतिक तथा पुलिस स्तर पर संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी गौरव यादव सहित वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की। ये आरोप पत्र में किए गए दावों पर आधारित हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सांसद ने दावा किया कि परविंदर ने मानसा में मेडिकल स्टोरों के माध्यम से कथित नशा कारोबार का विरोध किया था। इसके बाद उसे झूठे मामलों में फंसाकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में रहने के दौरान भी उसे नशे के खिलाफ आवाज उठाने पर धमकियां दी गईं। हरसिमरत ने तत्कालीन मानसा एसएसपी और डीएसपी संजीव गोयल की भूमिका की जांच की मांग भी उठाई।

उन्होंने मेडिकल स्टोर मालिक अश्विनी कुमार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोली चलने से पहले उसकी किसी व्यक्ति से फोन पर लंबी बातचीत हुई थी। सांसद ने यह भी पूछा कि वर्ष 2024 में जेल से रिहा होने के कुछ महीने बाद उसे हथियार का लाइसेंस कैसे जारी किया गया। उन्होंने इस पहलू की भी जांच कराने की मांग की।

बॉटेनिकल गार्डन में प्रवेश शुल्क लगाने पर विरोध, स्थानीय लोगों ने जताई नाराजगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सारंगपुर स्थित बॉटेनिकल गार्डन में एक नवंबर से प्रवेश शुल्क लागू करने के प्रशासन के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। स्थानीय निवासियों के साथ यूथ कांग्रेस ने भी इस निर्णय पर नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि गार्डन आसपास की कॉलोनियों में रहने वालों के लिए सैर करने और प्रकृति के बीच समय बिताने का प्रमुख स्थान है। ऐसे में प्रवेश शुल्क लगाने से नियमित रूप से यहां आने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा।

◆एक नवंबर से लागू होगी शुल्क व्यवस्था, यूथ कांग्रेस ने प्रशासन के फैसले पर उठाए सवाल



प्रशासन ने बॉटेनिकल गार्डन के बाहर लगाया एंट्री फीस का बोर्ड।

बॉटेनिकल गार्डन की सीमा खुड्डा लाहौरा कॉलोनी, सारंगपुर और धनास की ओर लगती है। इन क्षेत्रों के निवासियों को आशंका है कि शुल्क लागू होने से उनकी नियमित सैर प्रभावित होगी। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष धीरज गुप्ता और दीपक जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के फैसले के खिलाफ आवाज उठाई। इस दौरान ललित चनालिया, देविंदर राजभर और उमाशंकर यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहें। संगठन ने प्रशासन से फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। करीब 176 एकड़ में फैला बॉटेनिकल गार्डन अपने औषधीय पौधों, कैक्टस हाउस, बोन्साई वर्ल्ड और झील के लिए जाना जाता है।

पेरिस में लॉन्च हुए पंजाब के छोले-राजमा, किसानों को मिलेगा लाभ

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के पारंपरिक व्यंजनों और खाद्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रदर्शनी एसआईएएल पेरिस 2026 में मार्कफेड के लोकप्रिय ब्रांड 'सोहणा' के तहत डिब्बाबंद सफेद छोले और राजमा के दो नए उत्पाद लॉन्च किए। इन उत्पादों के माध्यम से पंजाब के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को वैश्विक बाजार में विस्तार देने और किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

◆वैश्विक बाजार में पंजाबी उत्पादों की पहुंच बढ़ाने पर मान सरकार का जोर



पंजाब के रेडी टू ईट सफेद छोले और राजमा की पेरिस में सीएम मान ने की लॉन्चिंग।

सरसों का साग, दाल मखनी, कढ़ी पकौड़ा और अमृतसरी छोले जैसे पंजाबी व्यंजन पहले से ही देश-विदेश में लोकप्रिय है। अब तैयार खाद्य उत्पादों के रूप में सफेद छोले और राजमा को अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की तैयारी है। इन उत्पादों को आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों के साथ अन्य देशों के उपभोक्ताओं के बीच भी इनकी मांग बढ़ने की संभावना है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पंजाब के शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है।

खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान फ्रांस और अन्य देशों की कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी हुईं। इनमें खाद्य प्रसंस्करण तकनीक, शीत भंडारण व्यवस्था और परिवहन एवं आपूर्ति प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। राज्य सरकार का जोर पारंपरिक खेती के साथ खाद्य प्रसंस्करण, उत्पादों का मूल्य संवर्धन और निर्यात बढ़ाने पर है। इससे किसानों को उनकी उपज के बेहतर दाम मिलने के साथ प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यात कारोबार से जुड़े लोगों को भी लाभ मिल सकता है। पंजाब सरकार को उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए उत्पादों की पहुंच बढ़ने से राज्य के कृषि आधारित उद्योगों को मजबूती मिलेगी और पंजाबी खाद्य उत्पादों की वैश्विक पहचान और व्यापक होगी। इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार और कारोबार के नए अवसर पैदा किए जा सकेंगे। पेरिस में आयोजित प्रदर्शनी में पंजाब मार्ट के बैनर तले मार्कफेड, मिल्कफेड और पंजाब एग्रो के उत्पादों एवं क्षमताओं को संयुक्त रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है।

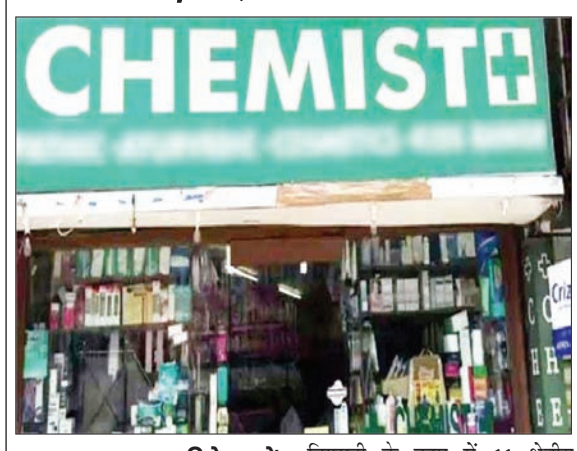
20 लाख किसानों के हितों से जुड़ा मार्कफेड

मुख्यमंत्री ने बताया कि 21,248 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार वाला मार्कफेड पंजाब के करीब 20 लाख किसानों के हितों से जुड़ा है। संस्था कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड समेत 20 से अधिक देशों में अपने उत्पादों की आपूर्ति कर रही है। नए उत्पादों की शुरुआत से इस बाजार का विस्तार करने और पंजाब की कृषि उपज का बेहतर मूल्य हासिल करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

गद्दे खरीदने पहुंचा युवक दुकानदार का मोबाइल चुराकर मोटरसाइकिल से हुआ फरार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। जस्सियां रेलवे क्रॉसिंग पुल के पास स्थित लुधियाना इलेक्ट्रॉनिक शॉप पर गद्दे खरीदने के बहाने आए एक युवक ने दुकानदार का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। आरोपित बिना कोई सामान खरीदे मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गया। दुकानदार सचिन अरोड़ा को मोबाइल चोरी होने का पता चला तो उन्होंने आरोपित की तलाश में आसपास के इलाके में मोटरसाइकिल से चक्कर लगाए, लेकिन तब तक वह मौके से निकल चुका था। सचिन अरोड़ा ने बताया कि सुबह करीब 23-24 वर्ष का एक युवक दुकान पर आया और गद्दे दिखाने के लिए कहा। बातचीत के दौरान युवक ने काउंटर पर रखा मोबाइल फोन उठा लिया और दुकानदार को बातों में उलझाकर बिना खरीदारी किए वहां से चला गया। दुकानदार के अनुसार, युवक की पूरी गतिविधि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित ने इस संबंध में जगतपुरी पुलिस चौकी में शिकायत दी है। सचिन अरोड़ा का आरोप है कि शिकायत देने के बावजूद पुलिस की ओर से मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित की पहचान कर मोबाइल फोन बरामद किया जाए। साथ ही, उन्होंने शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी उचित कदम उठाने की मांग की है।

पंजाब में दवा दुकानों पर निगरानी कमजोर, छह साल से भर्ती बंद



◆36 हजार दवा विक्रेताओं पर नजर रखने की जिम्मेदारी महज 51 अधिकारियों के हवाले

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में फार्मा नशे और गैरकानूनी दवाइयों की बिक्री पर रोक लगाने की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। राज्य में 36,112 खुदरा और थोक दवा विक्रेताओं की निगरानी, दवाइयों की गुणवत्ता की जांच और प्रतिबंधित दवाओं की अनधिकृत बिक्री रोकने की जिम्मेदारी केवल 51 ड्रग कंट्रोल अधिकारियों के पास है। सीमित कर्मचारियों के कारण दवा दुकानों का नियमित निरीक्षण करना विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, पिछले छह वर्षों से ड्रग कंट्रोल विभाग में नई भर्ती नहीं हुई है।

अधिकारियों की तैनाती के आंकड़ों के मुताबिक, लुधियाना में छह, अमृतसर में पांच और जालंधर, मोहाली तथा पटियाला में चार-चार ड्रग कंट्रोल अधिकारी कार्यरत हैं। वहीं, फतेहगढ़ साहिब, कपूरथला और पठानकोट जैसे जिलों में केवल एक-एक अधिकारी तैनात है। हालांकि, निगरानी के काम में 11 क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण भी जुड़े हुए हैं, लेकिन सीमित कर्मचारियों के कारण पूरे राज्य में नियमित जांच सुनिश्चित करना आसान नहीं है।

विभाग में कर्मचारियों की कमी का असर दवा विक्रेताओं के निरीक्षण और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर निगरानी की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। अधिकारियों को दुकानों की जांच के अलावा लाइसेंस संबंधी कार्यों और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना पड़ता है। ऐसे में सीमित संख्या में अधिकारियों के लिए हजारों दवा विक्रेताओं की गतिविधियों पर लगातार नजर रखना मुश्किल हो जाता है।

स्टाफ की कमी के बावजूद विभाग ने एक अप्रैल 2020 से 30 सितंबर 2026 के बीच कुल 16,788 छापे मारे। इस दौरान लाइसेंस प्राप्त और बिना लाइसेंस वाले ठिकानों से 20.64 करोड़ रुपये की दवाइयां जब्त की गईं। हालांकि, जब्त की गई सभी दवाइयों को फार्मा नशे से संबंधित नहीं माना जा सकता। इसलिए जब्ती के कुल आंकड़े को नशीली या प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी के रूप में देखना उचित नहीं होगा।

चार दिन में सुलझी वारदात, रंगदारी के लिए चलाई थीं आठ गोलियां, हथियार और कार किए गए बरामद

बिल्डर के घर फायरिंग, लॉरेंस गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। जीरकपुर के बलटाना में बिल्डर के घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में मोहाली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चार दिन के भीतर वारदात को सुलझाते हुए आरोपितों के कब्जे से एक आधुनिक 9 एमएम पिस्टल, वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार और मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की घटना को रंगदारी मांगने के लिए अंजाम दिया गया था। वारदात के दौरान मोबाइल फोन से फायरिंग का वीडियो भी बनाया गया था।

मोहाली के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि 14 अक्टूबर की रात करीब 2:17 बजे स्विफ्ट कार में सवार बदमाशों ने बलटाना निवासी राम कुमार के घर के बाहर करीब आठ राउंड फायर किए थे। राम कुमार प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़े हुए हैं। घटना के बाद उन्हें अर्श पंडित की ओर से



शूटरों से बरामद हथियारों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी को लेकर धमकी भरी कॉल भी की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीरकपुर थाने में केस दर्ज किया गया और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित की गईं।

वारदात का पता लगाने के लिए सीआईए स्टाफ खरड़ और ऑपरेशन सेल मोहाली की टीमों ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। इंस्पेक्टर प्रदीप बाजवा के नेतृत्व में पुलिस ने विभिन्न पहलुओं की जांच करते हुए तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले को चार दिन के भीतर सुलझा लिया गया। आरोपितों से बरामद मोबाइल फोन जांच का अहम हिस्सा है, क्योंकि इसका इस्तेमाल कथित तौर पर फायरिंग का वीडियो बनाने के लिए किया गया था। पुलिस बरामद हथियार और वाहन के संबंध में भी जांच कर रही है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 32 वर्षीय गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी, 21 वर्षीय मनराज सिंह उर्फ मन्ना और 18 वर्षीय राजवीर सिंह के रूप में हुई है। तीनों जालंधर जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत सिंह पेशे से चालक है, जबकि मनराज सिंह हाल ही में कनाडा से लौटा है। तीसरा आरोपित राजवीर सिंह फिलहाल कोई काम नहीं करता। पुलिस ने बताया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, तीनों के खिलाफ पहले कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था।

दिलजीत दोसांझ ने झोटा को शहीद बता कर उठाई इंसाफ की आवाज़

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने झोटा को शहीद बताते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई और न्याय की मांग की। इस घटना को लेकर पंजाब में रोष का माहौल है। झोटा के स्वजन और समर्थक आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम खाते पर परविंदर सिंह झोटा की तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'शहीद परविंदर सिंह। दुख की इस घड़ी में पूरा पंजाब उनके परिवार के साथ है। परिवार को न्याय मिलना चाहिए।' दिलजीत के इस संदेश के बाद झोटा को न्याय दिलाने की मांग एक बार फिर चर्चा में आ गई है।

परविंदर सिंह झोटा मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने और मेडिकल स्टोरों पर नशीले पदार्थों की कथित अवैध बिक्री का विरोध करने के लिए जाने जाते थे। 13 अक्टूबर को मानसा के एक व्यस्त बाजार में स्थित मेडिकल स्टोर के अंदर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया कि घटना के समय झोटा फेसबुक पर सीधा प्रसारण कर रहे थे। उन्होंने एक बुजुर्ग व्यक्ति को नशीली दवाएं बेचने के मामले में मेडिकल स्टोर संचालक से सवाल किया था। इसी दौरान विवाद हुआ और स्टोर के मालिक अश्वनी कुमार ने कथित तौर पर उन पर गोली चला दी।

जफर अखून करेंगे कारगिल परिषद भंग करने की सिफारिश भाजपा में जाने की चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। लद्दाख की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। कारगिल स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी पार्षद मोहम्मद जफर अखून ने परिषद को भंग करने की सिफारिश करने का फैसला किया है। उनके जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की चर्चा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ पार्षदों के भी उनके साथ जाने की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो कारगिल में राजनीतिक शक्ति संतुलन बदल सकता है और इसका असर लद्दाख की व्यापक राजनीति पर भी पड़ सकता है। सांकू को जिला बनाने और लद्दाख में आठ हिल डेवलपमेंट काउंसिलों के निर्वाचन क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन के बीच यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आने वाले चुनावों में स्थानीय नेतृत्व, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और विकास से जुड़े मुद्दे राजनीतिक दलों की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। जफर अखून ने कहा है कि सांकू को जिला बनाने का उनका सपना पूरा हो गया है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन जल्द ही आठों परिषदों के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करेगा। इसके बाद चुनाव कराए जाएंगे। उनका मानना है कि नए जिलों और परिषदों के गठन से कारगिल की मौजूदा भौगोलिक संरचना प्रभावित हुई है। ऐसे में परिसीमन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वह परिषद को भंग करने की सिफारिश करेंगे नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे अखून को भाजपा के समर्थन से परिषद में बहुमत हासिल करने के बाद पार्टी ने निलंबित कर दिया था। इस वर्ष मई में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के 16 पार्षदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। 30 सदस्यीय परिषद में दोनों दलों के पास बहुमत था। सत्ता-साझाकरण समझौते के तहत ढाई वर्ष बाद परिषद का नेतृत्व कांग्रेस को सौंपा जाना था।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के पार्षद भी जा सकते हैं साथ, बदलेगा कारगिल का सियासी समीकरण

बेरोजगारी पर फारूक ने सरकार को घेरा, शांति और समाधान पर दिया जोर

बीरवाह सम्मेलन में युवाओं के रोजगार, जनहित और प्रदेश में स्थिरता को बताया जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



फारूक अब्दुल्ला।

जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी और आम लोगों की समस्याओं का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को बडगाम जिले के बीरवाह क्षेत्र के अरावाह में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान कहा कि लोगों की समस्याओं को समय रहते दूर करना जरूरी है। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देने और प्रदेश में शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि शासन-व्यवस्था में लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि आम लोगों की परेशानियों को समय पर दूर किया जाए तो उनके बीच असंतोष बढ़ने की आशंका को कम किया जा सकता है। उन्होंने बेरोजगारी को प्रदेश की प्रमुख चिंताओं में शामिल करते हुए इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत बताई। रोजगार की समस्या विशेष रूप से युवाओं और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों पर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक है।

जनसमस्याओं के समाधान पर दिया जोर : बीरवाह में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, शासन-व्यवस्था और लोगों से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता की परेशानियों को नजरअंदाज करने के बजाय उनका समाधान तलाशा जाना चाहिए। सरकार और संबंधित तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों में लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक और प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनके संबोधन में बेरोजगारी और जनसमस्याओं के समाधान को प्रदेश में शांति बनाए रखने की जरूरत से जोड़कर देखा गया। उन्होंने कहा कि लोगों की चिंताओं पर समय रहते ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

शांति भंग करने वालों पर कार्रवाई की अपील : फारूक अब्दुल्ला ने प्रदेश में शांति और स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की, जो कथित तौर पर हालात बिगाड़ने या शांति भंग करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि प्रदेश में अशांति की स्थिति पैदा न हो। उनके अनुसार, लोगों की समस्याओं का समाधान और शांति बनाए रखने के प्रयास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए संबंधित पक्षों को परिस्थितियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए और किसी भी ऐसी गतिविधि को रोकने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए, जिससे माहौल प्रभावित होने की आशंका हो। जम्मू-कश्मीर में मंत्रिपरिषद के संभावित विस्तार को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में फिलहाल कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है।

किश्तवाड़ बाईपास का 436 करोड़ का ठेका रद्द, कंपनियों पर दो साल का प्रतिबंध

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग-244 के तहत किश्तवाड़ बाईपास परियोजना में देरी और निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहने पर राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने 436.37 करोड़ रुपये का ठेका रद्द कर दिया है। निगम ने संबंधित संयुक्त उद्यम की कंपनियों पर दो वर्ष का निविदा प्रतिबंध भी लगाया है। इस अवधि में संबंधित कंपनियां निगम की निविदाओं में व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त उद्यम के माध्यम से भाग नहीं ले सकेंगी। एनएचआईडीसीएल के जम्मू भौगोलिक मंडल के उप महाप्रबंधक (तकनीकी) आशीष गुप्ता की ओर से जारी नोटिस में अनुबंध की धारा 23.1 के तहत ठेका समाप्त करने की जानकारी दी गई है। कार्रवाई मैसर्स एपीएस हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स यूनिक कंस्ट्रक्शन के संयुक्त उद्यम के खिलाफ की गई है। निगम के अनुसार, ठेकेदार को बार-बार चेतावनी देने और काम पूरा करने के लिए 861 दिन का अतिरिक्त समय देने के बावजूद निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सके। परियोजना की संशोधित समय-सीमा भी समाप्त हो गई, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा रहा। यह ठेका 11 अगस्त 2021 को आवंटित किया गया था। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-244 के खेलानी-किश्तवाड़-छात्रू खंड पर पक्के शोल्डर के साथ दो-लेन सड़क का निर्माण और उन्नयन किया जाना था। परियोजना में लगभग 14.88 किलोमीटर राजमार्ग और किश्तवाड़ शहर को जोड़ने वाली 1.871 किलोमीटर संपर्क सड़क शामिल थी। निर्माण कार्य पूरा करने की शुरुआती समय-सीमा 23 अगस्त 2023 थी। देरी के बाद इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद काम पूरा नहीं हुआ। वर्ष 2026 तक के निगरानी आकलन में परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 50.64 प्रतिशत दर्ज की गई। निगम की निरीक्षण रिपोर्टों के अनुसार, निर्माण कार्य की गति बनाए रखने के लिए पर्याप्त श्रमिक और संसाधन तैनात नहीं किए गए। संरचनात्मक कार्यों के लिए लगभग 250 कुशल श्रमिकों की जरूरत थी, जबकि करीब 141 कर्मचारी ही उपलब्ध थे।



861 दिन की अतिरिक्त मोहलत के बाद भी काम अधूरा, निर्माण में देरी पर कार्रवाई

सवजियान-गुलमर्ग सड़क निर्माण के दौरान चट्टान गिरी, मजदूर की मौत, तीन घायल

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ



एआई निर्मित तस्वीर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार को सवजियान-गुलमर्ग सड़क पर निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ी से चट्टान खिसककर काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। इस घटना में जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स (जीआरईएफ) के एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सवजियान से गुलमर्ग की ओर जाने वाली सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक पहाड़ी से एक बड़ी चट्टान खिसक गई और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। चट्टान गिरने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और निर्माण कार्य में लगे कर्मियों ने घायलों की मदद की। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है। हादसे में मृत मजदूर की पहचान और घायलों के नामों की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सवजियान-गुलमर्ग मार्ग पर हुए इस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों की प्रतीक्षा है।

चिनार पेड़ों की कटाई पर उमर-महबूबा आमने-सामने

उमर ने यातायात बाधा बताया, महबूबा बोलीं विरासत की भरपाई असंभव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



कश्मीर की पहचान माने जाने वाले सदियों पुराने चिनार के पेड़ों को हटाने के मुद्दे पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े पुराने चिनारों को यातायात में बाधा बताते हुए उन्हें हटाने की जरूरत जताई है। वहीं, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए कहा कि सदियों में तैयार होने वाली प्राकृतिक विरासत की भरपाई नए पौधे लगाकर नहीं की जा सकती।

महबूबा मुफ्ती ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर कहा कि एक चिनार को अपनी पूरी भव्यता हासिल करने में कई पीढ़ियां लग जाती हैं। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को काटकर उनकी जगह नए पौधे लगाने का तर्क विरासत के महत्व को कम करके आंकने जैसा है। उन्होंने चिनार को कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक धरोहर का अहम हिस्सा बताया।

महबूबा ने उमर अब्दुल्ला के पुराने राजनीतिक कार्यकाल का जिक्र करते हुए कश्मीरी तूश शॉल से जुड़े विवाद को भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कश्मीर की बुनाई से जुड़ी विरासत को नुकसान पहुंचा और अब प्राकृतिक धरोहर पर खतरा मंडरा रहा है। हालांकि, तूश शॉल संबंधी उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है कि बीहामा-खीर भवानी और गांदरबल मार्ग के कुछ हिस्सों में पुराने चिनार यातायात सुचारु रखने में बाधा बन रहे हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या और आबादी के विस्तार के कारण इन मार्गों पर जाम की समस्या गंभीर हो रही है। उनके अनुसार, स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की परिवहन संबंधी परेशानियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

उमर अब्दुल्ला ने पुराने पेड़ों को हटाने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर आठ से दस नए चिनार लगाने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, पर्यावरण से जुड़े संगठनों ने पेड़ों की कटाई से पहले सड़क का वैकल्पिक मार्ग तलाशने, डिजाइन में बदलाव करने और अन्य संभावनाओं पर विचार करने की मांग की है।

सदियों पुराने चिनार बचाने की मांग तेज, पर्यावरण संगठनों ने विकल्प तलाशने पर दिया जोर

लद्दाख में 21 अक्तूबर को महिला आरक्षण लाटरी, पंच-सरपंच की सीटों का होगा निर्धारण

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



लद्दाख में पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच पंच और सरपंच की सीटों पर महिला आरक्षण निर्धारित करने के लिए 21 अक्टूबर को लाटरी निकाली जाएगी। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, यह प्रक्रिया दोपहर दो बजे विभिन्न जिलों और उपमंडलों में निर्धारित आठ स्थानों पर आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से तय होगा कि किन पंचायत क्षेत्रों में पंच और सरपंच की सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से 18 अक्टूबर को जारी नोटिस में लाटरी की प्रक्रिया और इसके लिए निर्धारित स्थानों की जानकारी दी गई है। यह प्रक्रिया पंचायती राज अधिनियम, 1989 की धारा 4(3) तथा 17 अक्टूबर 2026 को जारी सरकारी आदेश संख्या एसओ-287 के तहत संपन्न कराई जाएगी। संबंधित जिलों के उपायुक्त पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे, ताकि आरक्षण निर्धारण में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे।

विभाग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, ग्राम सभा सदस्यों, गैर-राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों और अन्य इच्छुक लोगों को लाटरी की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इसका उद्देश्य आरक्षित सीटों के निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और संबंधित पक्षों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराना है। लाटरी के परिणाम से पंचायत चुनाव में महिलाओं की भागीदारी के लिए आरक्षित क्षेत्रों की स्थिति स्पष्ट होगी।

लाटरी के लिए लद्दाख के विभिन्न जिलों और उपमंडलों में केंद्र निर्धारित किए गए हैं। कारगिल में ग्रामीण विकास विभाग परिसर स्थित रिसोर्स सेंटर, पालिटेक्निक कालेज के सामने कुंबाथांग में यह प्रक्रिया होगी। नुब्रा में एसडीएम कान्फ्रेंस हाल और लेह में एलएएचडीसी कान्फ्रेंस हाल को केंद्र बनाया गया है।

आठ केंद्रों पर लाटरी, उपायुक्तों की निगरानी में तय होगा महिला आरक्षण

बेटे को फंदे पर लटका देख मां ने खिड़की से लगाई छलांग

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के महोर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अपने 20 वर्षीय बेटे को घर में फंदे से लटका देखकर उसकी 45 वर्षीय मां ने खिड़की से छलांग लगा दी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जम्मू स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। उधर, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना महोर तहसील के बग्गोदास गांव में 18 और 19 अक्टूबर की दरमियानी रात हुई। मृतक की पहचान शब्बीर अहमद के बेटे मोहम्मद फारूक (20) के रूप में हुई है। बताया गया है कि युवक अपने घर में फंदे से लटका हुआ मिला। जब उसकी मां बस्सो बेगम (45) ने बेटे को इस हालत में देखा तो वह सदमे में आ गईं और घर की खिड़की से नीचे छलांग लगा दी। महिला को छलांग लगाने के कारण गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जम्मू के राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां चिकित्सक उसकी हालत पर नजर रखे हुए हैं। हालांकि, महिला की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल घटना के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

जम्मू में महिला अपराध बरकरार सखी केंद्रों पर शिकायतें हुईं दोगुने से अधिक



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। छेड़छाड़, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा और ससुराल में प्रताड़ना जैसी घटनाएं जम्मू में महिला सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू जिले में वर्ष 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 1232 मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2021 में 416 मामले सामने आए थे, जबकि 2022 में यह संख्या बढ़कर 421 हो गई। वर्ष 2023 में 395 मामले दर्ज हुए। हालांकि, 2022 की तुलना में 2023 में मामलों में कमी आई, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध की समस्या बरकरार रही। महिला सुरक्षा से जुड़े इन आंकड़ों में विभिन्न प्रकार के अपराध शामिल हैं। ऐसे में केवल कुल मामलों की संख्या के आधार पर किसी एक अपराध की स्थिति का आकलन करना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करने की जरूरत बनी हुई है। वर्ष 2023 के बाद जम्मू जिले के विस्तृत आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण स्थानीय स्तर पर अपराधों के मौजूदा रुझान का आकलन करना मुश्किल है। घरेलू हिंसा और ससुराल में प्रताड़ना के मामलों में कई महिलाओं को मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। वहीं, सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न की घटनाएं छात्राओं तथा कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस की नियमित गश्त, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और पीड़ित महिलाओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में पूरे जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 3653 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें पति या रिश्तेदारों की ओर से क्रूरता के 524 और दुष्कर्म के 231 मामले शामिल थे। वर्ष 2024 में केंद्र शासित प्रदेश में ऐसे मामलों की संख्या 3366 दर्ज की गई।

तीन साल में जम्मू जिले में महिला अपराध के 1232 मामले दर्ज हुए

जम्मू-कश्मीर में पांच साल में घटे 4386 सरकारी स्कूल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच वर्षों के दौरान सरकारी स्कूलों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-22 की तुलना में 2025-26 तक प्रदेश में 4386 सरकारी स्कूल कम हो गए हैं। यह लगभग 18.9 प्रतिशत की कमी है। इसके विपरीत, इसी अवधि में देशभर में सरकारी स्कूलों की संख्या में करीब 1.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में स्कूलों की संख्या घटने से खासकर दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा तक पहुंच को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025-26 में जम्मू-कश्मीर में कुल 24,228 सरकारी स्कूल संचालित हैं। इनमें करीब 26.58 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जबकि लगभग 1.66 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि स्कूलों की संख्या में आई कमी के कारणों और विद्यार्थियों पर इसके प्रभाव का आकलन करना जरूरी है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जहां सरकारी स्कूल ही बच्चों की शिक्षा का प्रमुख माध्यम हैं।

सरकार का कहना है कि स्कूलों को बंद करने के बजाय दूसरे विद्यालयों में विलय किया गया है। हालांकि, शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि कई स्थानों पर नए स्कूल बच्चों के घरों से काफी दूर हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और दूरदराज इलाकों में परिवहन की सीमित सुविधाएं इस परेशानी को और बढ़ा सकती हैं।

इसका असर विशेष रूप से छात्राओं की शिक्षा पर पड़ने की आशंका है। कई अभिभावक सुरक्षा और आवागमन संबंधी चिंताओं के कारण अपनी बेटियों को दूर स्थित स्कूलों में भेजने से हिचक सकते हैं। ऐसे में स्कूलों के पुनर्गठन के साथ बच्चों की नियमित उपस्थिति और पढ़ाई जारी रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 188 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं है। वहीं, 1544 स्कूल केवल एक शिक्षक के सहारे संचालित हो रहे हैं। ये आंकड़े सरकारी शिक्षा व्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों को भी उजागर करते हैं। कम विद्यार्थी संख्या वाले स्कूलों और शिक्षकों की उपलब्धता को ध्यान में रखकर संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने की जरूरत है।

188 स्कूलों में विद्यार्थी नहीं, 1544 विद्यालयों में सिर्फ एक शिक्षक तैनात

त्योहारों से पहले रामबन में पुलिस सतर्क, दुकानों पर सुरक्षा जांच तेज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। दशहरा और अन्य त्योहारों के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए खाद, बीज और विस्फोटक सामग्री बेचने वाली दुकानों की जांच की। इस दौरान दुकानों में उपलब्ध सामग्री, लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल की गई। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नियंत्रित सामग्री की बिक्री निर्धारित नियमों के अनुसार हो रही है और किसी भी प्रकार की अनियमितता से सुरक्षा संबंधी खतरा पैदा न हो।

अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ी जिले में त्योहारों के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह एहतियाती अभियान चलाया गया। जांच के दौरान संबंधित दुकानदारों और डीलरों के स्टॉक तथा जरूरी रिकॉर्ड की जांच की गई। पुलिस ने यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि विस्फोटक सामग्री और अन्य नियंत्रित वस्तुओं का अवैध भंडारण, अनधिकृत बिक्री, दुरुपयोग या निर्धारित स्थान से कहीं अन्य स्थान पर गैरकानूनी तरीके से हस्तांतरण न हो।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसी जांच का उद्देश्य किसी भी संभावित खतरे की समय रहते पहचान करना और उसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना है। त्योहारों के दौरान लोगों की आवाजाही और सार्वजनिक गतिविधियां बढ़ने के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में संबंधित दुकानदारों को लागू कानूनों और प्रशासन की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई।

पुलिस ने दुकानदारों और डीलरों से अपील की कि वे सामग्री की खरीद-बिक्री से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी छिपाने के बजाय प्रशासन को दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का पालन करना सभी संबंधित कारोबारियों की जिम्मेदारी है।

नियंत्रित सामग्री के स्टॉक लाइसेंस और रिकॉर्ड जांचे अवैध बिक्री रोकने पर जोर

त्रिगम वन क्षेत्र में दफन मिला लापता एसपीओ का शव, दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, किश्तवाड़। किश्तवाड़ पुलिस ने लापता स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) बशीर अहमद की हत्या के मामले को सुलझाने का दावा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एसपीओ का शव त्रिगम वन क्षेत्र के सेरान वानी इलाके में एक गड्ढे से बरामद किया था। मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपित इसी क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस अब हत्या के पीछे के कारणों और अन्य संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, एसपीओ बशीर अहमद 15 अक्टूबर को त्रिगम पुलिस पिकेट से अपने सर्विस हथियार के साथ लापता हो गए थे। उनकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर अभियान चलाया गया। 16 अक्टूबर को तलाशी के दौरान पुलिस को उनका सर्विस हथियार मिला। इसके बाद त्रिगम वन क्षेत्र के सेरान वानी इलाके में एक नाले के पास गड्ढे से उनका शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, शव को वहां दफनाया गया था शव बरामद होने के बाद किश्तवाड़ पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद जांच तेज करते हुए पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ शुरू की।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान सेरान वानी, त्रिगम निवासी बशीर अहमद डार और नजीर अहमद डार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में एसपीओ की हत्या के पीछे की साजिश और मकसद से संबंधित जानकारी सामने आई। आरोपितों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल हथियार और मृतक का छिपाया गया सामान भी बरामद किया गया है।



पुलिस जांच में साजिश का पर्दाफाश, वारदात में इस्तेमाल हथियार भी किया गया बरामद

पंजाब से लापता मजदूर का शव पहुंचा गांव परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप



भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग इलाके में सोमवार को उस समय शोक और आक्रोश का माहौल बन गया, जब कई सप्ताह से लापता 28 वर्षीय मजदूर एजाज अहमद दार का शव पंजाब से उसके पैतृक गांव हलपोरा पहुंचा। शव पहुंचते ही परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और मामले में न्याय की मांग उठाई। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जानकारी के अनुसार, एजाज अहमद दार पुत्र अब्दुल मजीद दार, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग क्षेत्र के हलपोरा, दरपोरा गांव का निवासी था। वह काम की तलाश में पहले श्रीनगर गया था। इसके बाद रोजगार के लिए पंजाब के लुधियाना चला गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शुरुआत में उनकी एजाज से नियमित रूप से फोन पर बातचीत होती थी, लेकिन करीब एक सप्ताह बाद उसका फोन बंद हो गया। इसके बाद परिवार का उससे संपर्क नहीं हो सका और उसकी तलाश शुरू की गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने 17 अक्टूबर को हलपोरा में प्रदर्शन कर युवक का पता लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की थी। सोमवार सुबह जब उसका शव गांव पहुंचा तो परिवार का दुख आक्रोश में बदल गया। परिजनों और ग्रामीणों ने कोकरनाग पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन किया और मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ कथित रूप से जिम्मेदार लोगों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने सड़क जाम कर अपना विरोध भी जताया।

उम्र, ओहदा और संस्कार—दोस्ती की असली पहचान



एआई निर्मित चित्र।

आज समाज जिस मोड़ पर खड़ा है, वह चिंताजनक है। हमने तकनीक को तो अपना लिया, लेकिन उसके साथ आने वाली मर्यादा को भुला दिया। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म ने दुनिया को जोड़ा जरूर है, लेकिन उम्र, ओहदे और अनुभव के फासले भी मिटा दिए हैं। आज छोटे बच्चे बड़े लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते हैं और बड़े लोग आधुनिक दिखने के चक्कर में उन्हें स्वीकार कर लेते हैं। देखने में यह दोस्ती लगती है, लेकिन कई बार यह भविष्य के लिए घातक साबित हो सकती है।

हमारे बुजुर्ग हमेशा कहते थे कि मर्यादा में ही समाज टिकता है। पहले परिवार, गांव और मोहल्ले में हर रिश्ते की अपनी मर्यादा होती थी। पिता-पुत्र, गुरु-शिष्य और बड़े-छोटे के संबंधों में सम्मान और संस्कार दिखाई देते थे। यह सब डर से नहीं, बल्कि तहजीब और अच्छे संस्कारों से आता था। आज सवाल उठता है कि वह तहजीब कहां खो गई? छोटे-बड़े के बीच का अंतर मिटने से कई बार व्यवहार में अनुशासन और सम्मान की कमी दिखाई देने लगी है।

हर व्यक्ति का समाज में एक ओहदा और जिम्मेदारी होती है। अधिकारी, शिक्षक, व्यापारी, परिवार के मुखिया और वरिष्ठ नागरिक अपनी मेहनत तथा अनुभव से सम्मान अर्जित करते हैं। जब कोई व्यक्ति अपने ओहदे का ख्याल किए बिना हर किसी को अपने निजी जीवन में जगह देने लगता है, तो उसकी सामाजिक छवि प्रभावित हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ सोशल मीडिया पर अश्लील मजाक करे, तो उसके लिए अनुशासन बनाए रखना कठिन हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने व्यवहार और सोशल मीडिया पर भी अपनी जिम्मेदारी तथा मर्यादा का ध्यान रखें।

उम्र केवल जन्म प्रमाण पत्र पर लिखी तारीख नहीं, बल्कि अनुभवों का भंडार है। जीवन के उतार-चढ़ाव, जिम्मेदारियां और संघर्ष व्यक्ति को बहुत कुछ सिखाते हैं। इसलिए बड़ों के अनुभव का सम्मान करना चाहिए। आज सोशल मीडिया पर दोस्ती के नाम पर कई बार ऐसी नजदीकियां बन जाती हैं, जिनमें उम्र और रिश्तों की मर्यादा का ध्यान नहीं रखा जाता। छोटे-बड़े के बीच सम्मान बना रहना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि छोटे अपनी बात न कहें, बल्कि बातचीत में शिष्टाचार और समझदारी बनाए रखें।

दोस्ती करना बड़ी जिम्मेदारी का काम है। व्यक्ति की संगत उसके व्यवहार और सोच पर असर डालती है। केवल सुंदर तस्वीर देखकर या लाइक मिलने पर किसी को अपना मित्र बना लेना समझदारी नहीं है। व्यक्ति का चरित्र, संस्कार, बोलने का तरीका और व्यवहार जानना भी जरूरी है। बिना सोचे-समझे की गई दोस्ती कई बार ठगी का कारण बन सकती है। कुछ लोग पहले मीठी बातें करके विश्वास जीतते हैं और बाद में पैसों की मांग करने लगते हैं। इसलिए ऑनलाइन मित्रों पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए।

सोशल मीडिया पर अश्लील बातें, गाली-गलौज और अनुचित सामग्री साझा करना भी गंभीर समस्या है। जब बड़े लोग ऐसी गतिविधियों पर हंसते हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं, तो बच्चों को गलत संदेश मिलता है। इसी तरह दिखावे और महंगी पार्टियों की होड़ युवाओं को गलत रास्ते पर ले जा सकती है। नशे और गलत आदतों से बचने के लिए परिवार तथा समाज को बच्चों का सही मार्गदर्शन करना चाहिए।

इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि छोटे लोगों से नफरत की जाए या उन्हें दुत्कारा जाए। उन्हें प्यार दें, उनका मार्गदर्शन करें और उनकी बात सुनें, लेकिन रिश्तों की मर्यादा बनाए रखें। अपनी सोशल मीडिया फ्रेंड लिस्ट में अनजान लोगों को शामिल करने से पहले सावधानी बरतें। अश्लीलता, अपमानजनक भाषा और गलत गतिविधियों को बढ़ावा देने वालों से दूरी रखें।



नरेंद्र भारती, वरिष्ठ पत्रकार

याद रखिए, सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल वरदान है, जबकि लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए अपने ओहदे का ख्याल रखें, उम्र का लिहाज करें और चरित्र तथा व्यवहार देखकर ही दोस्त बनाएं। मर्यादित दूरी घमंड का प्रतीक नहीं, बल्कि संस्कार, सम्मान और सुरक्षित समाज की नींव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

यूरोप में विरोध की आग

यूरोप के विभिन्न देशों में सरकारों के खिलाफ बढ़ते विरोध प्रदर्शन और उनके हिंसक रूप लेने की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। फ्रांस, इटली, अल्बानिया, पुर्तगाल और बेल्जियम सहित कई देशों में लोग अलग-अलग मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। कहीं महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ नाराजगी है, तो कहीं भ्रष्टाचार, आवास की कमी और सरकारी नीतियों को लेकर असंतोष दिखाई दे रहा है। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज उठाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, लेकिन जब शांतिपूर्ण प्रदर्शन हिंसा, आगजनी और लूटपाट में बदल जाते हैं, तो इससे सामाजिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। यूरोप में उभरती यह स्थिति सरकारों के लिए जन असंतोष को समझने और उसके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

फ्रांस में विरोध प्रदर्शनों के पीछे शिक्षा व्यवस्था, विद्यालयों में शिक्षकों और सुविधाओं की कमी, महंगाई तथा सामाजिक योजनाओं पर सरकारी खर्च में कटौती जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं। इन समस्याओं ने आम नागरिकों की नाराजगी को बढ़ाया है। वहीं, दूसरे यूरोपीय देशों में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, जीवनयापन की बढ़ती लागत और आवास संकट के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। जब लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, तो सरकारों के प्रति उनका विश्वास कमजोर होने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में राजनीतिक असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने का अधिकार हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का औचित्य नहीं बन सकता।

यूरोप की मौजूदा चुनौतियों का एक महत्वपूर्ण पहलू अप्रवासन से जुड़ा विवाद भी है। कई देशों में अवैध अप्रवास, रोजगार के अवसरों, सामाजिक सुविधाओं और राष्ट्रीय पहचान को लेकर बहस तेज हुई है। इसके साथ ही दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों का प्रभाव भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि, अप्रवासन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करते समय वैध और अवैध अप्रवासियों के बीच अंतर करना आवश्यक है। अवैध प्रवेश और उससे संबंधित प्रशासनिक चुनौतियों पर कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन सभी अप्रवासियों को एक ही नजर से देखना उचित नहीं है। वैध रूप से रह रहे लोगों को केवल उनकी राष्ट्रीयता या मूल पहचान के आधार पर निशाना बनाना सामाजिक विभाजन को बढ़ा सकता है। सरकारों को सीमाओं की सुरक्षा, कानून के पालन और मानवाधिकारों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा।

इन घटनाओं के बीच यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कुछ राजनीतिक और वैचारिक समूह जनता के वास्तविक असंतोष का लाभ उठाकर परिस्थितियों को अधिक तनावपूर्ण बनाने का प्रयास कर सकते हैं। किसी भी समाज में आर्थिक कठिनाइयों और प्रशासनिक कमियों का फायदा उठाकर लोगों को भड़काना सामाजिक स्थिरता के लिए नुकसानदेह हो सकता है। हालांकि, ऐसे दावों का आकलन ठोस प्रमाणों के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी विशेष विचारधारा या समुदाय को व्यापक रूप से हिंसा और अराजकता के लिए जिम्मेदार ठहराने के बजाय उन संगठनों, व्यक्तियों और गतिविधियों की पहचान जरूरी है, जिनकी भूमिका प्रमाणित हो। इससे वास्तविक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित रखने और निराधार आरोपों से बचने में मदद मिलेगी।

यूरोप की स्थिति यह भी दर्शाती है कि केवल पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से लंबे समय तक सामाजिक असंतोष को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही उन कारणों को दूर करना भी जरूरी है, जिनसे जनता में नाराजगी पैदा हो रही है। रोजगार के अवसर बढ़ाना, महंगाई पर नियंत्रण रखना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना तथा आवास की समस्या का समाधान तलाशना सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा, प्रशासन को जनता के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए, ताकि शिकायतों का समाधान समय रहते हो सके। जब नागरिकों को अपनी समस्याएं सुने जाने का भरोसा होता है, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनका विश्वास मजबूत होता है।

आज यूरोप के सामने सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने की है। सरकारों को एक ओर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के अधिकार का सम्मान करना होगा, तो दूसरी ओर हिंसा, आगजनी और अराजकता के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे जन असंतोष को हिंसक दिशा देने के बजाय संवाद और समाधान का रास्ता अपनाएं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी उन परिस्थितियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना चाहिए, जो विभिन्न देशों में अस्थिरता को जन्म देती हैं। अंततः किसी भी समाज की मजबूती केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, न्यायपूर्ण व्यवस्था और नागरिकों के विश्वास से तय होती है। यूरोप के मौजूदा हालात से यही सीख मिलती है कि जनता की वास्तविक चिंताओं की अनदेखी और हिंसा को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां, दोनों ही लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह हैं।

-शिवांश धाकड़

रामलीला की मर्यादा पर भारी पड़ता मनोरंजन

रामलीला मंचों से बेहूदगी भरे डांस सोशल मीडिया पर वायरल करना सनातन धर्म का अपमान है। रामलीलाओं का सफल मंचन युवा पीढ़ी को भगवान श्री रामचंद्र के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देना है। बुराई पर अच्छाई की जीत रामलीलाओं का उद्देश्य होना चाहिए। आजकल सोशल मीडिया पर रामलीला मंचों से फिल्मी गानों पर पात्रों का फिल्मांकन किया जा रहा है, जो शर्मनाक है। रामायण के पात्रों की वेशभूषा में लड़कियां नृत्य करके तालियां बटोर रही हैं। रामलीलाओं के नाम पर मजाक बनाया जा रहा है। रामलीलाओं का मंचन महाकाव्य रामायण की जानकारी रखने वालों को करना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी को इसके आदर्शों की प्रेरणा मिल सके।

भगवान श्री रामचंद्र ने अपने पिता के वचन की लाज रखने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार किया था। भरत ने सिंहासन ग्रहण न करके अपने बड़े भाई श्री रामचंद्र की चरण पादुका को पूजकर प्रेम और समर्पण का संदेश दिया। माता शबरी के बेर आदरपूर्वक स्वीकार करना सामाजिक समानता और मानवता की प्रेरणा देता है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रामायण की रचना भी मानवता का प्रमाण है। रावण का वध करके भगवान श्री रामचंद्र जब अयोध्या लौटे तो लोगों ने घी के दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। उसी समय से दीपावली मनाए जाने की परंपरा शुरू होने की मान्यता है। दीपावली पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत और सदाचार का संदेश देता है।

आज त्योहार भी केवल औपचारिकता बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं देने तक ही लोग सीमित रह गए हैं। पहले कुम्हार समुदाय के लोग दीपावली से पहले मिट्टी के दीप, कुजे और खटनियां बनाकर बेचते थे। गांवों के लोग उनके घरों में जाकर ये सामान खरीदते थे।



एआई निर्मित चित्र।

दीपों में रूई की जोत बनाकर सरसों का तेल या देसी घी डालकर उन्हें प्रज्वलित किया जाता था। घरों में माता लक्ष्मी और पितृ देवताओं की पूजा-अर्चना होती थी। महिलाएं रंगोली से आंगन और कमरों को सजाती थीं। बहू-बेटियों को खुशियों में शामिल होने के लिए बुलाया जाता था। रोजगार के लिए दूर-



सुखदेव सिंह, नूरपुर

दराज प्रदेशों में गए लोग भी परिवार के साथ दीपावली मनाने घर लौटते थे। मिठाइयां और पकवान बनाकर आस-पड़ोस तथा रिश्तेदारों में बांटे जाते थे।

आधुनिक दौर में दीपावली मनाने का तरीका बदलता जा रहा है। मिट्टी के दीपों की जगह मोमबत्तियों, बिजली की लड़ियों और एलईडी लाइटों का इस्तेमाल बढ़ गया है। चाइनीज सामान का बाजार फल-फूल रहा है। पटाखों पर अधिक खर्च करना और पूरी रात आतिशबाजी करना पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा रहा है। बाजारों से मिठाइयां खरीदने का चलन बढ़ने से घरों में पारंपरिक पकवान बनाने की परंपरा भी कम होती जा रही है। दीपावली के नाम पर जुआ खेलना और दिखावे पर धन खर्च करना भी चिंता का विषय है।

पटाखों से आगजनी की घटनाओं में लोगों की जान-माल का नुकसान हो सकता है। बाजारों में पटाखों की दुकानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। लोगों को जागरूक होकर निर्धारित समय और सुरक्षित खुले स्थानों पर ही पटाखे चलाने चाहिए, ताकि आम जनमानस की सुरक्षा बनी रहे और पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचे।

दीपावली का असली उद्देश्य खुशियां बांटना, आपसी प्रेम बढ़ाना और परंपराओं का सम्मान करना है। त्योहारों के प्रति लोगों की आस्था बनाए रखने के लिए बाजारों में रेडीमेड कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, स्मार्ट मोबाइल फोन, मिठाइयों और मिट्टी के बर्तनों पर विशेष छूट दी जानी चाहिए। कर अदा करने वाले दुकानदारों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। दुकानदार साल भर ग्राहकों से मुनाफा कमाते हैं, इसलिए त्योहारों पर उचित छूट देने से लोगों में खुशी का माहौल बन सकता है। हमें रामलीलाओं की मर्यादा बनाए रखते हुए दीपावली को सादगी, सुरक्षा, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ मनाना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चाँद के पास जो सितारा है, प्रेम का रंग जो आँखों से नहीं, दिल से दिखता है

साल 2004 में हरिद्वार में गंगा के तट पर एक शाम मैं अकेला हर की पैड़ी की सीढ़ियों पर बैठा गंगा की लहरों और बहते हुए दीपकों को निहार रहा था। उस समय मेरे जीवन की दुनिया श्याम-श्वेत थी। आसमान, फूल, पत्ते, नदियां और पहाड़ सब कुछ दिखाई तो देते थे, लेकिन उनके रंगों का एहसास मेरे मन तक नहीं पहुंचता था। मैंने अपनी इसी दुनिया को जीवन का स्वाभाविक ढंग मान लिया था। मुझे लगता था कि यही असली दुनिया है, जिसमें सब कुछ व्यवस्थित है, लेकिन भीतर कहीं एक रिक्तता भी थी।



एआई निर्मित चित्र।

सुमित शर्मा, शाहपुर

उसी शाम अचानक मेरे कानों में एक युवती की उन्मुक्त हंसी सुनाई दी। पीछे मुड़कर देखा तो एक युवक और युवती सीढ़ियों पर बैठे थे। युवती ने अपना सिर युवक के कंधे पर रखा हुआ था और युवक उससे कुछ कह रहा था, जिसे सुनकर वह खिलखिलाकर हंस पड़ती थी। उसकी हंसी में एक अलग ही अपनापन और मिठास थी। उसे देखकर मुझे महसूस हुआ कि उनके आसपास का वातावरण किसी अनजानी भाषा में मुझसे कुछ कह रहा है। पहली बार मेरे भीतर कोई बंद दरवाजा धीरे-धीरे खुलने लगा।

उन दोनों की हंसी, आंखों की चमक, शरारत और एक-दूसरे के प्रति अपनापन मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे लगा कि दुनिया केवल श्याम और श्वेत रंगों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अनगिनत रंग समाए हुए हैं। जब युवती खिलखिलाकर हंसती तो वातावरण गुलाबी हो उठता और जब वह युवक की ओर प्रेम भरी दृष्टि से देखती तो सब कुछ केसरिया रंग में रंगा हुआ महसूस होता। उस क्षण मुझे एहसास हुआ कि प्रेम शायद दुनिया का सबसे गाढ़ा और खूबसूरत रंग है।

उस शाम मेरे मन में एक प्रश्न उठा कि आखिर रंग होते क्या हैं? क्या रंग केवल वही हैं, जिन्हें हमारी आंखें देख सकती हैं, या किसी की हंसी, प्रतीक्षा, झिझक और आंखों में ठहरती चमक भी रंग हो सकती है? मुझे लगा कि रंग दरअसल एहसास होते हैं, जो कभी हमारी आंखों से होकर और कभी सीधे हमारे मन तक पहुंचते हैं। जब अलग-अलग एहसास एक-दूसरे में घुलमिल जाते हैं, तो जीवन में एक नया रंग जन्म लेता है।

कुछ देर बाद गंगा आरती शुरू हो गई। घंटियों की आवाज, मंत्रों'चार और आरती की लौ से पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वे दोनों वहां नहीं थे। वे कब भीड़ में खो गए, मुझे पता ही नहीं चला। लेकिन उनके जाने से पहले मेरे भीतर कुछ बदल चुका था। उस रात मैं घर तो लौट आया, मगर अब मुझे मालूम हो गया था कि जीवन केवल श्याम-श्वेत नहीं, बल्कि अनगिनत रंगों से भरा हुआ है।

समय बीतता गया और जिंदगी ने अपने हिस्से के अनेक रंग दिखाए। कभी विदाई में उदासी का रंग मिला, कभी प्रतीक्षा में नीलेपन का एहसास हुआ और कभी प्रेम ने ऐसा गहरा रंग दिया, जिसे शब्दों में बांधना संभव नहीं था। धीरे-धीरे समझ आया कि दुख, अकेलेपन और स्मृतियों के भी अपने रंग होते हैं। हर अनुभव जीवन को एक नया अर्थ देता है।

आज भी जब जीवन में श्याम-श्वेत रंग हावी होने लगते हैं, तो मैं हरिद्वार की उस शाम को याद करता हूं। गंगा की लहरें, दीपकों की कतार, चांद के पास चमकता सितारा और वह उन्मुक्त हंसी मेरे मन में फिर से रंग भर देते हैं। उस एक पल ने मुझे सिखाया कि जीवन की खूबसूरती केवल बाहरी दृश्यों में नहीं, बल्कि उन एहसासों में है, जो हमारे भीतर जन्म लेते हैं। प्रेम का रंग वही पहचान सकता है, जिसने कभी उसे अपने मन की गहराइयों में महसूस किया हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज की प्रमुख हस्ती

क्रिकेट का विस्फोटक नवाब

वीरेंद्र सहवाग भारतीय क्रिकेट के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हैं, जिन्हें अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेखौफ अंदाज के लिए दुनिया भर में पहचान मिली। उनका जन्म 20 अक्टूबर 1978 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1999 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और 2001 में टेस्ट टीम में जगह बनाई। सहवाग दाएं हाथ के बल्लेबाज थे और पारी की शुरुआत करते हुए विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने के लिए जाने जाते थे। वर्ष 2009 में उन्हें 2008 के शानदार प्रदर्शन के लिए विजडन का विश्व का अग्रणी क्रिकेटर चुना गया। इसके बाद 2009 के प्रदर्शन के लिए भी उन्होंने यह सम्मान बरकरार रखा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने।



वीरेंद्र सहवाग
जन्म : 20 अक्टूबर 1978

सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में कई उल्लेखनीय रिकॉर्ड दर्ज हैं। उन्होंने चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 319 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। यह उस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज तिहरा शतक था, जिसे उन्होंने केवल 278 गेंदों में पूरा किया। वह टेस्ट क्रिकेट में दो बार तिहरा शतक लगाने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हैं। उनकी बल्लेबाजी की एक खासियत तेज रन बनाने की क्षमता थी। टेस्ट क्रिकेट में उनका स्ट्राइक रेट 82.23 रहा, जो उनकी आक्रामक शैली को दर्शाता है। मार्च 2009 में उन्होंने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 60 गेंदों पर शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाजों के लिए नया कीर्तिमान स्थापित किया।

8 दिसंबर 2011 को सहवाग ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 219 रन की शानदार पारी खेली। वह एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनकी इस पारी में 149 गेंदों का सामना करते हुए उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। हालांकि, बाद में रोहित शर्मा ने 264 रन बनाकर उनका यह सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सहवाग टेस्ट में तिहरा शतक और एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं।

प्राचीन शूलिनी माता मंदिर में उमड़ता आस्था का सैलाब

हिमाचल प्रदेश की धरा समृद्ध संस्कृति, पुरातात्विक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य, ऋषि-मुनियों की तपस्थली और देवी-देवताओं की निवास स्थली रही है। इसी देवभूमि का सोलन जनपद अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। जनश्रुति के अनुसार, महाभारत काल में पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान यहां शरण ली थी, जिसकी स्मृति में पांडव गुफा आज भी विद्यमान है। वहीं, सोलन शहर में स्थित मां शूलिनी का प्राचीन मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है।



शूलिनी माता मंदिर।

शिमला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्य स्थित यह मंदिर वर्षभर श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मान्यता है कि मां शूलिनी सोलन की अधिष्ठात्री देवी हैं और उनके नाम पर ही शहर का नाम सोलन पड़ा। जनश्रुति के अनुसार, बघाट रियासत के शासक ने राजधानी स्थापित करते समय मंदिर की स्थापना करवाई थी। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव के त्रिशूल से शूल प्राप्त करने के कारण मां दुर्गा का नाम शूलिनी पड़ा। देवी ने महिषासुर का वध कर देवताओं और ऋषि-मुनियों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। माता शूलिनी को सात बहनों में से एक माना जाता है। मंदिर में मां की अलौकिक प्रतिमा के साथ माली देवता, शिरगुल देवता और चांदी से निर्मित नौ देवियों की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं।

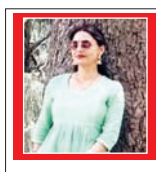
मां शूलिनी के सम्मान में प्रत्येक वर्ष जून माह में आयोजित होने वाला मेला सोलन की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। पहले यह मेला एक दिन तक आयोजित होता था, लेकिन समय के साथ इसका विस्तार हुआ और अब इसे दस दिनों तक मनाया जाता है। मेले के दौरान मां के डोले की बैंड-बाजों के साथ पूरे शहर में परिक्रमा करवाई जाती है। इस अवसर पर अन्य देवी-देवताओं की झांकियां भी निकाली जाती हैं और मां के जयकारों से समूचा शहर गुंजायमान हो उठता है। मान्यता है कि मां की कृपा से शहर में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।

नवरात्रों के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। भक्त सुबह से ही मां के दर्शन के लिए कतारों में खड़े हो जाते हैं और देर रात तक दर्शन का क्रम जारी रहता है। मंदिर परिसर की भव्य सजावट और रात में जगमगाती रोशनी श्रद्धालुओं का मन मोह लेती है। शहर के बाजारों को भी आकर्षक ढंग से सजाया जाता है, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो जाता है। स्थानीय लोग और व्यापारी श्रद्धालुओं के लिए लंगर तथा विभिन्न स्टॉल लगाकर सेवा भाव का परिचय देते हैं। सांस्कृतिक संध्याओं में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहती हैं। मंदिर में प्रत्येक माह दूसरे और चौथे रविवार को भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, धार्मिक उत्सवों पर भी विशेष पूजा-अर्चना होती है। मेले के दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्तैद रहते हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मां शूलिनी मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि हिमाचल प्रदेश की प्राचीन परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक है।



तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक), पालमपुर।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



कविता

उड़ूं तो बाज हो जाऊं

आशा देवी
जोगिंद्रनगर, जिला मंडी

छुपा लो तुम कहीं दिल में कि
गहरा राज हो जाऊं,
सुनाऊं जो पसंद
अब आपकी आवाज हो जाऊं।
कहा कब है सुना कब है
सदाएं आ के गुजरी हैं,
करूं मैं फख्र तुम पर या
तुम्हारा नाज हो जाऊं।
लुटा के जिंदगी तन्हा
मिला न प्यार बदले में,
गया है बीत कल
तेरा मगर मैं आज हो जाऊं।
मुहब्बत भी मिली उनको
सदा जो दिल से खाली थे
बनो नगमा जो गाऊं मैं सुरीला साज हो जाऊं।
सहा है खूब तूने दर्द
रोई आंख है जानम,
लगूं जख्मों में मरहम सी
दवा हमराज हो जाऊं।
रहा दुश्मन जमाना तो
मुहब्बत का सदा हमदम,
गुमां बनना सनम मेरे
मैं तेरी लाज हो जाऊं।
बनो तुम आसमां मेरा भरूं परवाज पंखों की,
कहे 'आशा' जो थामें तुम उड़ूं तो बाज हो जाऊं।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

देवता आदि ब्रह्मा खोखन मंदिर विकास समिति पर धन के हिसाब में गड़बड़ी के आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवता आदि ब्रह्मा खोखन मंदिर विकास समिति पर वर्ष 2012 से अब तक आय-व्यय का लेखा-जोखा सार्वजनिक नहीं करने और चुनाव नहीं करवाने के आरोप लगे हैं। देवता के कारकूनों ने दस्तावेज और बिल-वाउचर गुम होने के समिति के जवाब पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने हाईकोर्ट के चुनाव संबंधी निर्देशों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का भी आरोप लगाया। कारकूनों ने समिति के चुनाव नियमों के अनुसार करवाने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उधर, समिति के उपप्रधान तेज राम ने आरोपों को निराधार बताया और कहा कि गुम हुए कागजात की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई गई है। उन्होंने कहा कि समिति के आय-व्यय का हिसाब नियमानुसार रखा गया है और चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

चरस बरामदगी के दौरान पुलिस टीम पर हमला, 508 ग्राम चरस बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू में चरस बरामदगी के दौरान पुलिस टीम पर हमला कर आरोपियों को छुड़ाने का मामला सामने आया है। घटना में एक पुलिसकर्मी और स्वतंत्र गवाह घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार, 17 अक्तूबर को जिला डिटेक्शन सेल ने पनकुटी-जकलेहड़ कैंची मोड़ पर सुमित कुमार और तापे राम की तलाशी के दौरान चरस बरामद की थी। आरोप है कि ग्राम पंचायत मानगढ़ की प्रधान शांति देवी, उनके पति जीत राम, उपप्रधान राजेंद्र सहित 30 से 40 लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दोनों आरोपियों और चरस को छुड़ा लिया। मौके पर बची 508 ग्राम चरस और दो मोबाइल फोन कब्जे में लिए गए। पुलिस थाना कुल्लू में एनडीपीएस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एनएचपीसी ने दशहरा उत्सव समिति को भेंट किया 14 लाख रुपए का चेक



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के आयोजन में सहयोग के लिए एनएचपीसी ने उत्सव समिति को 14 लाख रुपये की राशि का चेक भेंट किया। एनएचपीसी के अधिकारियों ने सोमवार को यह चेक अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर और समिति के उपाध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा को सौंपा। इस दौरान उत्सव के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए एनएचपीसी की सराहना की गई। समिति की ओर से अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस तरह का सहयोग अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा हिमाचल प्रदेश के प्रमुख सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल है। इसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं। उत्सव के आयोजन में विभिन्न संस्थानों और संगठनों का सहयोग व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहायक होता है। एनएचपीसी की ओर से दी गई आर्थिक सहायता भी आयोजन के प्रति सहयोग का हिस्सा है।

मंदिरों की दानपेटी तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। कंडाघाट क्षेत्र के दो मंदिरों के दानपात्र तोड़कर करीब 21 हजार रुपये चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 28 वर्षीय सुनील कुमार को सोलन से गिरफ्तार किया है। आरोपी बिलासपुर जिले के चनालग गांव का निवासी है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी पहचान की। पुलिस के अनुसार, 17 अक्तूबर को चैन सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि श्रीनगर स्थित शिव मंदिर से 18 हजार और राजेश्वरी माता मंदिर से तीन हजार रुपये चोरी हुए हैं। पुलिस अधीक्षक साईं दत्तात्रेय ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। चोरी की कुछ नकदी बरामद कर ली गई है, जबकि बाकी रकम की तलाश की जा रही है। आरोपी के खिलाफ बिलासपुर और नालागढ़ में चोरी के छह अन्य मामले भी दर्ज हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अब उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच के साथ चोरी की शेष नकदी बरामद करने में जुटी है।

नाहन नगर परिषद में कार्यकारी अधिकारी के तबादले से शहर के विकास कार्य ठप

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। ऐतिहासिक शहर नाहन की नगर परिषद में कार्यकारी अधिकारी (ईओ) संजय कुमार के तबादले के बाद प्रशासनिक संकट गहरा गया है। पहले अधिकारी करीब एक महीने की छुट्टी पर थे और अब उनके कांगड़ा तबादले से बिना वैकल्पिक व्यवस्था के कामकाज प्रभावित हो रहा है। शहरवासियों को मकान निर्माण के नक्शे पास करवाने, बिजली-पानी के अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और ट्रेड लाइसेंस हासिल करने में परेशानी हो रही है। कई फाइलें लंबे समय से लंबित हैं। वहीं, सफाई व्यवस्था, आवारा पशुओं की समस्या, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और विकास कार्यों की निगरानी भी प्रभावित हो रही है। टेंडर और सरकारी अनुदान से जुड़ी स्वीकृतियां भी अटकी हैं। स्थानीय निवासियों और व्यापार मंडल ने सरकार व जिला प्रशासन से जल्द स्थायी ईओ नियुक्त करने या किसी अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार सौंपने की मांग की है।

रायसीना मिडिल ईस्ट 2026 में अनुराग ठाकुर ने वैश्विक विकास में भारतीय युवाओं की भूमिका को सराहा

अबू धाबी में भारत और यूएई के बीच रणनीतिक सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने अबू धाबी में आयोजित रायसीना मिडिल ईस्ट 2026 के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की युवा आबादी, कौशल विकास और वैश्विक प्रतिभा के आवागमन में देश की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और बेहतर अवसरों के माध्यम से भारत की युवा शक्ति वैश्विक विकास, आर्थिक प्रगति और नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

'पीपल, प्लेसेज एंड परसेप्शंस' विषय पर आयोजित सत्र में अनुराग ठाकुर ने कहा कि केवल बड़ी आबादी होना किसी देश के लिए अपने आप में लाभ नहीं है। जनसांख्यिकीय क्षमता को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और क्षमता निर्माण में लगातार निवेश करना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्किल इंडिया मिशन और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष से कम आयु के लगभग 70 करोड़ भारतीय देश को विकसित भारत ञ्च2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सत्र में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय में उन्नत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मामलों की सलाहकार नौफ अली अल हमेली, वीएफएस में वैश्विक परिचालन के मुख्य परिचालन अधिकारी श्रीनारायण शंकरन और एक्सपो सिटी दुबई की कार्यकारी निदेशक नादिया वर्जी ने भी विचार रखे। सत्र का संचालन ,द्गःस्द्मह्ल की संस्थापक एवं सीईओ आकांक्षा तांगरी ने किया। अनुराग ठाकुर ने भारत और यूएई के मजबूत रणनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मानव संसाधन और प्रतिभा का आवागमन दीर्घकालिक आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है।



रायसीना मिडिल ईस्ट में अनुराग ठाकुर ने रखे भारत के विचार।

यूएई में रहने वाले लगभग 40 लाख भारतीय दोनों देशों के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन, यूपीआई एकीकरण और रणनीतिक निवेश जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है। ठाकुर ने वैश्विक स्तर पर प्रतिभा और श्रमबल के व्यवस्थित आवागमन के लिए स्पष्ट नियमों, आपसी विश्वास और प्रभावी समझौतों की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, औद्योगिकीकरण और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के विस्तार से भारत निवेश और रोजगार के आकर्षक केंद्र के रूप में उभर रहा है।

नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई, विक्रेताओं को तय स्थान पर सामान लगाने के निर्देश

◆ कांगड़ा में सात विक्रेताओं के चालान, प्रशासन सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। तहसील चौक स्थित नवनिर्मित फल एवं सब्जी मार्केट में नियमों की अवहेलना करने वाले विक्रेताओं पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। सोमवार को एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग ने मार्केट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान निर्धारित स्थान से बाहर सामान लगाने वाले सात विक्रेताओं के चालान किए गए। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि कुछ विक्रेता प्रशासन की ओर से बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद नियमों का पालन नहीं कर रहे थे।

वे निर्धारित स्थान से आगे तक अपना सामान फैला रहे थे, जिससे आम लोगों और राहगीरों को बाजार से गुजरने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा था। एसडीएम डॉ. अंजलि गर्ग ने संबंधित विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि वे अपना सामान निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें। रास्तों और दुकानों के बाहर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं को नई दुकानें उपलब्ध करवाई गई हैं, इसलिए वे इनका उचित उपयोग करें और अपना सामान दुकानों के अंदर ही रखें।



उन्होंने स्पष्ट किया कि बाजार में व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। आम जनता को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए विक्रेताओं को प्रशासन के नियमों का पालन करना होगा।

नियमों की अवहेलना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में भी निरीक्षण के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एसडीएम ने सभी विक्रेताओं से प्रशासन का सहयोग करने और आम जनता की सुविधा का विशेष ध्यान रखने की अपील की। प्रशासन ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन दोहराने पर कड़ी कार्रवाई होगी। विक्रेताओं से बाजार में स्वच्छता और सुचारू आवागमन बनाए रखने में सहयोग मांगा।

संगठनात्मक अनुशासनहीनता पर सख्ती, नई टीम गठित करने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, सुरेंद्र कटोच, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर ने नादौन मंडल में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए युवा मोर्चा अध्यक्ष आशीष राणा को जिला कार्यसमिति सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, प्रगुण गौतम को भाजपा युवा मोर्चा नादौन मंडल का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दोनों नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से स्थानीय नेतृत्व से विचार-विमर्श तथा पार्टी के उच्च नेतृत्व की स्वीकृति के बाद ये निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जिम्मेदारियों में बदलाव कार्यकर्ताओं की क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने की प्रक्रिया है। राकेश ठाकुर ने बताया कि नादौन मंडल युवा मोर्चा की मौजूदा कार्यकारिणी तत्काल प्रभाव से भंग कर दी गई है। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रगुण गौतम को मंडल, जिला और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आगामी दो सप्ताह में नई कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।





उन्होंने कहा कि संगठन के निर्णयों और अनुशासन की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा। इस फेरबदल से नादौन मंडल में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। पार्टी नेतृत्व ने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी।

मां बाला सुंदरी मंदिर में नवमी मेला विधायक अजय सोलंकी ने की शिरकत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के जमटा स्थित मां बाला सुंदरी मंदिर परिसर में अष्टमी और नवमी के पावन अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया। धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव में क्षेत्र के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान स्थानीय विधायक अजय सोलंकी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और मंदिर में माता का आशीर्वाद लिया। विधायक ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित स्टेज का विधिवत लोकार्पण भी किया।

इससे भविष्य में यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन और कलाकारों को बेहतर सुविधाएं मिलने का रास्ता खुलेगा। विधायक अजय सोलंकी ने कहा कि मां बाला सुंदरी मंदिर जमटा में अष्टमी और नवमी के अवसर पर लंबे समय से पारंपरिक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का क्षेत्र के लोगों के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। उन्होंने मेले में शामिल होने पर खुशी जताते हुए क्षेत्रवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान युवाओं की प्रतिभा को निखारने और खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा मिलता है।

विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है और लोगों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि विधायक निधि से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए करीब 85 लाख रुपये से अधिक का बजट स्वीकृत किया गया है। मेले में पहुंचने पर मेला कमेटी और स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में करवाए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार जताया। मेले के आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला।

एचपीयू बास्केटबॉल चैंपियनशिप में धर्मशाला कॉलेज ने जीता खिताब





आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला की अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल (पुरुष) चैंपियनशिप में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला ने खिताब अपने नाम किया। एमसीएम डीएवी कॉलेज, कांगड़ा में आयोजित प्रतियोगिता में मेजबान टीम उपविजेता रही, जबकि राजकीय महाविद्यालय भोरंज ने तीसरा स्थान हासिल किया।

फाइनल मुकाबले में धर्मशाला ने कांगड़ा को 76-57 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इससे पहले पहले सेमीफाइनल में कांगड़ा ने पालमपुर को 80-16 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में धर्मशाला ने भोरंज को 55-28 से पराजित किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में भोरंज ने पालमपुर को 73-46 से हराया।

समापन समारोह में एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। कॉलेज प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने खिलाड़ियों को बधाई दी। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। कॉलेज प्राचार्य ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विज्ञान और गणित प्रतियोगिताओं में हिम अकादमी ने जीतीं सात ट्रॉफियां

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर के विद्यार्थियों ने 37वीं सीएससी जिला स्तरीय विज्ञान एवं गणित प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात ट्रॉफियां जीतीं। एसडी पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिताओं में 500 से अधिक विद्यालयों ने भाग लिया। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी क्वालीफाई किया।



जूनियर वर्ग में आठवीं कक्षा के आदवन और क्षितिज ने विज्ञान प्रश्नोत्तरी में द्वितीय स्थान हासिल किया। इसी कक्षा के अथर्व ने गणित ओलंपियाड में तृतीय स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए जगह बनाई। सीनियर वर्ग में दसवीं कक्षा के रौनव ने एक्टिविटी कॉर्नर और अद्वैत राणा ने गणित ओलंपियाड में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर सेकेंडरी वर्ग में बारहवीं के अनिकेत कौंडल ने गणित ओलंपियाड तथा ग्यारहवीं के भावेश ने मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

इन सभी विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ। इस सफलता में शिक्षकों और सीएससी प्रभारी विकास कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई। विद्यालय की इस उपलब्धि से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा मिला।

सरकार की सभी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की भी की अपील

सरकार को अपने क्षेत्रों की जरुरतों से अवगत करवाएं पंचायत जनप्रतिनिधि : सुरेश कुमार

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विधायक सुरेश कुमार ने पंचायतीराज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और अपने क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों से सरकार को अवगत करवाने की अपील की। सोमवार को मिनी सचिवालय भोरंज में आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि पंचायतीराज संस्थाएं लोकतंत्र की मूल जड़ हैं। इनकी मजबूती से लोकतांत्रिक व्यवस्था सशक्त होती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ग्रामीण विकास और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पंचायतों को मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। जनप्रतिनिधि योजनाओं की प्रक्रियाएं समझकर पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाएं। पंचायतों में जरूरी परियोजनाओं की मांग विधायक के समक्ष रखें, ताकि उन्हें सरकार तक पहुंचाया जा सके। इस दौरान वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया।



अधिकारियों ने वीबी-जी राम जी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आवास योजनाओं, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना और ग्राम पंचायत विकास योजना की जानकारी दी। कार्यशाला में पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया।

महिला सीनियर टी-20 टूर्नामेंट के लिए हिमाचल टीम घोषित, शिवानी कप्तान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 एलीट टूर्नामेंट के लिए सोमवार को हिमाचल प्रदेश की टीम घोषित कर दी। टीम की कमान मंडी की शिवानी सिंह को सौंपी गई है। टीम में हरलीन देओल, ज्योति ठाकुर, सुष्मिता कुमारी, ललिता दत्ता, मोनिका देवी, यमुना देवी, नीना चौधरी, निकिता एम. चौहान, सोनल ठाकुर, देवांशी वर्मा, हिमांशी मेहता, निकिता एस. चौहान, प्राची चौहान, सुषमा वर्मा और वासुवी फिश्टा को शामिल किया गया है। टीम के मुख्य कोच अनघा देशपांडे होंगी, जबकि प्रेम सिंह सहायक कोच और शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी संभालेंगी। हिमाचल प्रदेश टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 26 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के खिलाफ मुल्लांपुर में खेलेगा।

धौलरा मंदिर में शारदोत्सव की धूम, जेपी नड्डा ने सपरिवार की महानवमी पूजा



भारतेन्दु संवाददाता, धौलरा। शहर के ऐतिहासिक धौलरा मंदिर में आयोजित भव्य शारदोत्सव के तहत सोमवार को श्री श्री शारदीय दुर्गा देवी की महानवमी पूजा विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की विशेष आराधना और कन्या पूजन के साथ शारदीय नवरात्र का समापन हुआ।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सपरिवार शारदोत्सव में भाग लिया। उन्होंने संध्याकालीन महानवमी पूजा में हिस्सा लेकर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भी मां के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। शिमला से आए पुजारी सुधांशु शेखर भट्टाचार्य महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न करवाई। इसके बाद भव्य आरती, भोग और हवन-यज्ञ में पूर्णाहुति दी गई।

शारदोत्सव की आठवीं सांस्कृतिक संध्या उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी), पटियाला के कलाकारों के नाम रही। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संध्या में लोक संस्कृतियों की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विधायक जीतराम कटवाल और त्रिलोक जम्वाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

घमासान सभी 17 वार्डों में बरसात से निपटने के लिए 50 लाख रुपए का बजट, पार्षदों की मंजूरी जरूरी

धर्मशाला निगम में सियासी टकराव, लापरवाह ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला का दूसरा जनरल हाउस विकास कार्यों की धीमी रफ्तार और राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चर्चा में रहा। करीब तीन महीने बाद महापौर शमशेर नेहरिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक की शुरुआत ही हंगामे से हुई। शिलान्यास पट्टिका पर महापौर का नाम नहीं होने और पिछली कार्यवाही से विधायक का नाम हटाए जाने को लेकर भाजपा और कांग्रेस समर्थित पार्षद आमने-सामने आ गए।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति को संभालने के लिए सदन में हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके बाद बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। राजनीतिक विवाद के बीच नगर निगम ने विकास कार्यों में देरी करने वाले ठेकेदारों पर शिकंजा कसने का फैसला लिया। महापौर ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय पर काम शुरू नहीं करने और निर्माण कार्यों को अनावश्यक रूप से लटकाने वाले ठेकेदारों को नए टेंडर नहीं दिए जाएंगे। लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की भी तैयारी है। इसके अलावा किसी भी ठेकेदार को एक समय में दो से अधिक काम नहीं देने का निर्णय लिया गया है। निगम का उद्देश्य विकास कार्यों को समय पर पूरा करवाना और निर्माण कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। श्यामनगर के पार्षद सुदेश शास्त्री ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने महज 25 मीटर की दूरी पर दूसरी पार्किंग बनाने के प्रस्ताव को वित्तीय मनमानी से जोड़ते हुए आपत्ति जताई।



विकास कार्यों में देरी पर ठेकेदारों को निगम की चेतावनी।

इसके अलावा खनियारा वार्ड में एक गरीब परिवार की सुरक्षा दीवार के लिए निर्धारित बजट को दूसरी जगह खर्च करने का मामला भी उठाया। इन मुद्दों के माध्यम से पार्षदों ने विकास कार्यों में पारदर्शिता और बजट के उचित इस्तेमाल की मांग की। बरसात के दौरान होने वाली परेशानियों से निपटने के लिए नगर निगम के सभी 17 वार्डों के लिए 50 लाख रुपये का बजट घोषित किया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि पार्षदों की मंजूरी और तकनीकी जांच के बिना कोई ठेका आवंटित नहीं किया जाएगा।

अम्बोया स्कूल के 37 विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयनित



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अम्बोया के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के 87 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें से 37 का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है।

यू-19 छात्रा वर्ग में भाषण प्रतियोगिता, संस्कृत गीतिका और श्लोक उच्चारण में प्रथम, जबकि लोक नृत्य में द्वितीय स्थान हासिल किया। यू-19 छात्र वर्ग में संस्कृत गीतिका और श्लोक उच्चारण में प्रथम स्थान मिला। यू-14 छात्र वर्ग में लोक नृत्य और कुश्ती में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, यू-14 छात्रा वर्ग की बास्केटबॉल प्रतियोगिता में टीम उपविजेता रही।

इस सफलता में शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह नेगी ने विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

फरीदाबाद में सीवर संकट पर प्रशासन सख्त, एफएमडीए ने मंजूर किए 14 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद



संजय कॉलोनी की 22 फुट रोड पर सीवर ओवरफ्लो के कारण हुए हादसे में एक युवक की करंट लगने से मौत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। लंबे समय से सीवर की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब राहत देने के लिए नगर निगम और फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने प्रयास तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने मौके पर सीवर की सफाई करवाकर लोगों को तत्काल राहत पहुंचाई है।

जानकारी के अनुसार, संजय कॉलोनी की 22 फुट रोड पर पिछले करीब छह महीने से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई थी। सड़क पर गंदा पानी जमा होने के कारण स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर शिकायतें भी की गई थीं, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। आखिरकार, करंट लगने से युवक की मौत के बाद संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

हादसे के बाद नगर निगम और एफएमडीए ने क्षेत्र की व्यवस्था सुधारने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। एफएमडीए की ओर से सीवर सफाई परियोजना के लिए 14 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इस परियोजना का उद्देश्य सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाना और ओवरफ्लो की समस्या से प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाना है। प्रशासन की ओर से फिलहाल संजय कॉलोनी की 22 फुट रोड पर सीवर की सफाई करवाई गई है, जिससे स्थानीय लोगों को तत्काल राहत मिली है।

हालांकि, लंबे समय से बनी समस्या का स्थायी समाधान करना विभागों के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। सीवर ओवरफ्लो के कारण सड़कों पर गंदा पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। इसके अलावा, खुले या जलभराव वाले स्थानों पर बिजली के तारों और करंट से जुड़े खतरे भी गंभीर चिंता का विषय बन सकते हैं।

डेढ़ साल बाद भी हरियाणा में नई अभियोजन व्यवस्था अधूरी

अभियोजन उप निदेशकों की शक्तियां और जिम्मेदारियां तय नहीं होने से नई व्यवस्था के क्रियान्वयन पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा में जिला स्तर पर अभियोजन व्यवस्था में बदलाव की प्रक्रिया डेढ़ साल से अधिक समय बीतने के बाद भी पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। राज्य सरकार ने फरवरी 2025 में नई जिला अभियोजन व्यवस्था को लेकर अधिसूचना जारी की थी, लेकिन अब तक अधिकारियों की शक्तियों और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण नहीं हो सका है। इसके चलते नई व्यवस्था के क्रियान्वयन को लेकर असमंजस बना हुआ है।

नई व्यवस्था में अभियोजन उप निदेशकों की भूमिका और उनके अधिकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने का मुद्दा सामने आया है। अधिकारियों के बीच जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा नहीं होने से व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने में देरी हो रही है। अधिसूचना जारी होने के बाद उम्मीद थी कि जिला स्तर पर अभियोजन से संबंधित कामकाज को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक बदलाव जल्द पूरे कर लिए जाएंगे, लेकिन डेढ़ साल से अधिक समय गुजरने के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है। जिला अभियोजन व्यवस्था में अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में उनकी शक्तियों, कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना आवश्यक है। जब अधिकारियों के अधिकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तो प्रशासनिक स्तर पर निर्णय लेने और कामकाज के संचालन में असमंजस पैदा हो सकता है। नई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए यह जरूरी है कि संबंधित अधिकारियों के दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जाए। फरवरी 2025 में जारी अधिसूचना के बावजूद बदलावों का पूरी तरह लागू नहीं होना प्रशासनिक प्रक्रिया की गति पर सवाल खड़े करता है। व्यवस्था में बदलाव के लिए केवल अधिसूचना जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके अनुरूप आवश्यक दिशा-निर्देश और जिम्मेदारियों का निर्धारण भी जरूरी होता है।

इसके अभाव में नई व्यवस्था का उद्देश्य पूरी तरह हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। देश में नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद अभियोजन व्यवस्था की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

अधिकारियों के अधिकार स्पष्ट करने की जरूरत

ऐसे में हरियाणा सरकार के लिए जरूरी है कि नई जिला अभियोजन व्यवस्था के तहत अधिकारियों की शक्तियों और जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इससे प्रशासनिक स्तर पर बना असमंजस दूर होगा और जिला स्तर पर अभियोजन से जुड़े कार्यों का बेहतर समन्वय संभव हो सकेगा। नई आपराधिक कानून व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी अधिकारियों के बीच अधिकारों का स्पष्ट बंटवारा महत्वपूर्ण है।

कनीना मंडी में गेट पास रिकॉर्ड में गड़बड़ी सहायक सचिव और मंडी सुपरवाइजर निलंबित

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला



हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले की कनीना मार्केट कमेटी में गेट पास रिकॉर्ड की जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (।ह्स्क्) ने सख्त कार्रवाई की है। बोर्ड के मुख्य प्रशासक धर्मेंद्र सिंह ने सहायक सचिव अजीत कुमार और मंडी सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अधिकारियों को मुख्यालय छोड़ने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।

जानकारी के अनुसार, कनीना मार्केट कमेटी में गेट पास से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की गई थी। इस दौरान रिकॉर्ड में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए बोर्ड प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में अनियमितताओं की विस्तृत प्रकृति और उनसे जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा नहीं किया गया है। निलंबन की कार्रवाई के साथ अधिकारियों के लिए मुख्यालय छोड़ने से पहले अनुमति लेना जरूरी किया गया है।

इस निर्देश का उद्देश्य प्रशासनिक नियंत्रण बनाए रखना और विभागीय प्रक्रिया के दौरान संबंधित अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड प्रदेश की मंडियों में कृषि उपज के विपणन और संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी करता है। मंडियों में गेट पास रिकॉर्ड का सही रखरखाव महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसके माध्यम से कृषि उपज की आवाजाही और उससे जुड़ी गतिविधियों का हिसाब रखा जाता है। रिकॉर्ड में गड़बड़ी सामने आने पर विभागीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की जाती है। कनीना मार्केट कमेटी में अनियमितताएं सामने आने के बाद बोर्ड की कार्रवाई को मंडियों में रिकॉर्ड के रखरखाव और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे निर्धारित नियमों के अनुसार रिकॉर्ड का रखरखाव करें और सभी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करें। इस मामले में सहायक सचिव और मंडी सुपरवाइजर के निलंबन के बाद आगे की विभागीय प्रक्रिया महत्वपूर्ण रहेगी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर अनियमितताओं की प्रकृति और जिम्मेदारी से जुड़े अन्य पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, बोर्ड प्रशासन की कार्रवाई से मंडियों में रिकॉर्ड की निगरानी और नियमों के पालन को लेकर सख्ती का संदेश गया है।

सिरसा में सीवरेज समस्या पर विधायक नाराज, अधिकारी से फोन पर भिड़े

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। हरियाणा के सिरसा में सीवरेज लाइन की समस्या को लेकर कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया और पब्लिक हेल्थ विभाग के एक्सईएन सतीश कुमार के बीच फोन पर तीखी बहस हो गई। मामला उस समय चर्चा में आया, जब विधायक ने रविवार रात बातचीत का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया। जानकारी के अनुसार, सीवरेज की समस्या को लेकर विधायक अधिकारी से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच बहस बढ़ गई। विधायक गोकुल सेतिया ने अधिकारी से कहा, 'मुझे पसीना निकलवाना आता है।' वहीं, एक्सईएन सतीश कुमार ने जवाब में कहा, 'मेरा ट्रांसफर करवा दो।' विधायक अपने समर्थक के साथ अधिकारी से फोन पर बात कर रहे थे। बातचीत का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया है। सीवरेज लाइन से जुड़ी समस्या को लेकर विधायक की अधिकारी के साथ हुई इस बहस ने विभागीय कामकाज और जनसमस्याओं के समाधान को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में सीवरेज समस्या के स्थान, विवाद की पूरी वजह और विभाग की ओर से उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण नहीं है।

हरियाणा में निजी बसों का सफर हुआ जानलेवा

हरियाणा में निजी बस हादसों में 14 लोगों की मौत, 50 से अधिक घायल

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी



एआई चित्र

हरियाणा में निजी बसों से जुड़े हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस वर्ष फरवरी से अक्टूबर तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों में निजी बसों के 12 बड़े हादसे सामने आए हैं। इन दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक यात्री और राहगीर घायल हुए हैं। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने बसों की फिटनेस, रखरखाव और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता बढ़ा दी है।

प्रदेश में कहीं चलती बस आग का गोला बन गई तो कहीं अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। कई घटनाओं में दूसरी गाड़ियों से टक्कर होने के कारण यात्रियों को जान गंवानी पड़ी। सोनीपत, भिवानी, फतेहाबाद, हिसार और रेवाड़ी समेत विभिन्न जिलों में हुए हादसों ने कई परिवारों को गहरे दुख में धकेल दिया। इन घटनाओं के बाद निजी बसों में सफर करने वाले यात्रियों के मन में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। हरियाणा में 1600 से अधिक निजी बसें संचालित हो रही हैं। इतनी बड़ी संख्या में बसों के संचालन के बीच यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना परिवहन व्यवस्था के लिए अहम चुनौती है।

हादसों की लगातार सामने आ रही घटनाओं ने वाहनों की तकनीकी जांच, नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों के पालन की जरूरत को रेखांकित किया है। बसों की फिटनेस की जांच, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और चालकों की सतर्कता सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलू हैं। इसके साथ ही यातायात नियमों का पालन और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी जरूरी है।

- **निजी बसों के लगातार हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा पर उठाए सवाल**

नौ महीने में 12 बड़े हादसों और 14 मौतों का आंकड़ा चिंता बढ़ाने वाला है।

ऐसे में सवाल उठता है कि निजी बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। यात्रियों की जान बचाने के लिए परिवहन विभाग को सख्त कदम उठाने होंगे।

गुरुग्राम में एस-4 के 15,447 नक्शे मंजूर 8,602 भवनों को मिले ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

- **भवन में स्टिल्ट पार्किंग बंद करने पर ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट रद्द माना जाएगा**
- **गुरुग्राम में एस-4 निर्माण के मंजूर नक्शों और प्रमाणपत्रों का ब्योरा**

स्टिल्ट पार्किंग प्लस चार मंजिल (एस-4) निर्माण को लेकर चल रहे मामले में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। इसमें गुरुग्राम की लाइसेंस कॉलोनियों में एस-4 निर्माण के लिए मंजूर भवन नक्शों और जारी ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट का ब्योरा पेश किया गया है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अब तक एस-4 निर्माण के लिए कुल 15,447 भवन नक्शे मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 8,602 भवनों को ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं।

विभाग ने हलफनामे में स्पष्ट किया है कि एस-4 निर्माण के लिए 62 फीसदी से अधिक नक्शों को मंजूरी दो जुलाई 2024 को लागू की गई नीति से पहले दी गई थी। इससे मामले में पुरानी नीतियों के तहत दी गई मंजूरियों की स्थिति भी सामने आई है। हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे के जरिए विभाग ने भवन निर्माण से संबंधित आंकड़ों और मंजूरियों का विवरण रखा है। गुरुग्राम की लाइसेंस कॉलोनियों में स्टिल्ट पार्किंग के ऊपर चार मंजिलों के निर्माण को लेकर नियमों और मंजूरियों का मुद्दा चर्चा में है। इस व्यवस्था में भवन के भूतल पर स्टिल्ट पार्किंग की जगह निर्धारित होती है, जबकि उसके ऊपर चार मंजिलों का निर्माण किया जाता है। ऐसे भवनों में पार्किंग की निर्धारित व्यवस्था बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है।

विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी भवन में स्टिल्ट पार्किंग को बंद कर दिया जाता है, तो संबंधित ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट रद्द माना जाएगा। इस प्रावधान का उद्देश्य स्वीकृत भवन नक्शे और निर्धारित निर्माण व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करना है। हाईकोर्ट में विभाग की ओर से प्रस्तुत आंकड़े मामले में अब तक दी गई मंजूरियों और जारी प्रमाणपत्रों की स्थिति बताते हैं। एस-4 निर्माण से जुड़े नियमों और मंजूरियों पर आगे की कार्रवाई न्यायालय में होने वाली सुनवाई और संबंधित आदेशों के आधार पर तय होगी। इस मामले में न्यायालय की सुनवाई के दौरान भवन मालिकों की ओर से भी नियमों और पार्किंग व्यवस्था से जुड़े पक्ष रखे जा सकते हैं। विभागीय नियमों का पालन करना सभी भवन मालिकों के लिए अनिवार्य होगा।

पुणे-जयपुर एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे तीनों आरोपी, पुलिस ने दबोचा

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान एजीटीएफ और कोटा सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने मिले इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। जानकारी के अनुसार, तीनों आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सोनीपत जिले के बड़ौदा थूथन गांव निवासी फूल सिंह पुत्र नरेश शामिल है। वह नाबालिग बताया गया है।

दूसरा आरोपी रिशुद्दीन अंसारी सोनीपत की ईदगाह कॉलोनी का निवासी है और उसकी उम्र 18 वर्ष है। तीसरे आरोपी की पहचान से संबंधित जानकारी उपलब्ध विवरण में स्पष्ट नहीं है। इस मामले में अनिल पंडित का नाम भी चर्चा में है। खबर के अनुसार, टाइगर श्रॉफ पर हमले की जिम्मेदारी लेने वाला अनिल पंडित मूल रूप से पानीपत का रहने वाला है और वर्ष 2024 में विदेश चला गया था। हरियाणा में उसके खिलाफ कई मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। उस पर विभिन्न जिलों में कारोबारियों से रंगदारी मांगने और फोन पर धमकाने के आरोप हैं।

पानीपत सहित हरियाणा के कई जिलों में कारोबारियों को कथित तौर पर फोन किए जाने के मामले भी सामने आए हैं। इसके अलावा, अनिल पंडित के संबंध लॉरेंस गैंग और रणदीप मलिक से होने की चर्चा है। हालांकि, इन संबंधों और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि के लिए पुलिस जांच के निष्कर्षों का इंतजार करना होगा। फिलहाल, मुंबई में फायरिंग की घटना और गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई के बाद मामले में आगे की जानकारी सामने आने की संभावना है। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, संपर्कों और यात्रा से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है, ताकि फायरिंग की साजिश और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो सके।

- **हरियाणा में रंगदारी के आरोपों से जुड़ा अनिल पंडित का नाम**

न्यूज ब्रीफ

कैथल में 61 फुट के रावण का होगा दहन लाइटों से सजे पुतले बनेंगे आकर्षण

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। शहर में दशहरा पर्व मनाने को लेकर आयोजकों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। चंदाना गेट स्थित रामलीला ग्राउंड में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशाल पुतले दहन के लिए तैयार किए गए हैं। 20 अक्टूबर को दशहरे के अवसर पर इन पुतलों का दहन किया जाएगा। इस दौरान 61 फुट ऊंचा रावण का पुतला आकर्षण का केंद्र रहेगा। पुतलों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है, जिससे दशहरा उत्सव की रौनक बढ़ेगी। आयोजन के तहत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी, जो रामलीला ग्राउंड तक पहुंचेगी। आयोजकों की ओर से पर्व को भव्य बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। दशहरे पर लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों के दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाएगा।

गुरुग्राम में पश्चिम बंगाल के व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। सेक्टर-56 इलाके में एक व्यक्ति की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान पी. कर्मकार के रूप में हुई है। वह मूलरूप से पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, वह पिछले कुछ समय से गुरुग्राम के सेक्टर-64 में अपनी बहन के घर रह रहा था। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-56 थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। हालांकि, उसकी मौत के कारणों और घटना से जुड़ी परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला हत्याकांड में डेढ़ साल पुराना विवाद आया सामने, आरोपी साजन गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। जिले के जगाधरी में 24 वर्षीय महिला की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने करीब डेढ़ माह बाद आरोपी साजन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला का पड़ोसी बताया जा रहा है। महिला की हत्या दो सितंबर की रात को हुई थी। मामले में गिरफ्तारी नहीं होने के कारण पुलिस जांच जारी थी। मृतका के परिजनों के अनुसार, करीब डेढ़ साल पहले महिला ने साजन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। इस पुराने मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद होने की बात सामने आई है। हालांकि, हत्या के पीछे की वास्तविक वजह और पुराने मामले से इसका संबंध जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

फरीदाबाद में हार्डवेयर दुकानों को निशाना बना रहा था चोर, सीसीटीवी से खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। एनआईटी-2 में हार्डवेयर की दुकान के बाहर से करीब 12 हजार रुपये के नट-बोल्ट चोरी करने के आरोप में दुकानदारों ने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी सफेद एक्टिवा पर आता था और सुबह दुकानें खुलने से पहले बाहर रखा सामान स्कूटी पर लादकर फरार हो जाता था। चोरी की एक घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें आरोपी सामान से भरा कट्टा एक्टिवा पर रखते दिखाई दे रहा है। हार्डवेयर दुकानदार दशरथ के अनुसार, 16 अक्टूबर को उनकी दुकान का सामान आया था। मालवाहक गाड़ी सुबह करीब आठ बजे सामान उतारकर लौट जाती है, क्योंकि बाद में बाजार में गाड़ी लाना मुश्किल होता है। सुबह 10 बजे दुकान खोलकर सामान अंदर रखते समय उन्हें मिलान में कमी का पता चला। इसके बाद दुकानदारों ने सतर्कता बरती और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और अन्य दुकानों पर हुई चोरी की घटनाओं की जानकारी जुटा रही है।

गुरुग्राम के सरकारी कॉलेजों में स्थायी प्रिंसिपलों की कमी से व्यवस्था प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



शहर के सरकारी कॉलेजों में प्राध्यापकों और संसाधनों की कमी के बीच अब स्थायी प्रिंसिपलों का संकट भी गंभीर होता जा रहा है। कई कॉलेजों में नियमित प्रिंसिपल नहीं होने के कारण दूसरे संस्थानों के प्रिंसिपलों को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। स्थिति यह है कि कुछ प्रिंसिपल एक साथ दो से तीन कॉलेजों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

इससे कॉलेजों की प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है और विद्यार्थियों से जुड़े मामलों के निपटारे में भी परेशानी आ रही है। कॉलेजों में नियमित नेतृत्व नहीं होने से रोजमर्रा के कामकाज, प्रशासनिक निर्णयों और संस्थान की व्यवस्थाओं की निगरानी का जिम्मा सीमित अधिकारियों पर आ गया है। अतिरिक्त कार्यभार के कारण प्रिंसिपलों को अलग-अलग कॉलेजों के बीच समय बांटना पड़ रहा है। ऐसे में सभी संस्थानों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। सेक्टर-52 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. इंदु राव के पास हेलीमंडी स्थित कॉलेज और सेक्टर-14 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज का अतिरिक्त कार्यभार है।

इसी तरह डॉ. नीलम दहिया सेक्टर-9 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज के साथ सुल्तानपुर स्थित गवर्नमेंट कॉलेज की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं। वहीं, डॉ. अनुपम यादव के पास पटौदी और रिठौज स्थित सरकारी कॉलेजों का अतिरिक्त प्रभार है। डॉ. प्रवीण फोगाट मानेसर और सिधरावली स्थित कॉलेजों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सरकारी कॉलेजों में स्थायी प्रिंसिपलों की कमी से प्रशासनिक कार्यों का दबाव बढ़ रहा है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों के बीच अधिकारियों के लिए प्रत्येक कॉलेज को पर्याप्त समय देना मुश्किल हो सकता है।

जाममुक्ति सरहौल बॉर्डर से साइबर हब तक बनेगी 800 मीटर लंबी एलिवेटेड रोड

नवंबर से शुरू होगा 300 करोड़ की सड़क का निर्माण

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर सरहौल से साइबर हब और उद्योग विहार की ओर जाने वाले वाहन चालकों को जल्द ही यातायात जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके लिए डीएलएफ कंपनी नवंबर से एलिवेटेड रोड और टनल का निर्माण शुरू करने जा रही है। इस परियोजना पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण की पूरी लागत डीएलएफ कंपनी ही वहन करेगी।

परियोजना का उद्देश्य सरहौल बॉर्डर से साइबर हब तक यातायात के दबाव को कम करना है। इस मार्ग पर सुबह और शाम के व्यस्त समय में वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इसके कारण वाहन चालकों को रोजाना जाम का सामना करना पड़ता है। इसका असर कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ घर लौटने वाले लोगों पर भी पड़ता है। कंपनी ने इस महीने के अंत तक परियोजना की ड्राइंग तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इसके बाद नवंबर से जमीनी स्तर पर निर्माण कार्य शुरू करने की योजना है। परियोजना के पूरा होने से दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पार कर साइबर सिटी और उद्योग विहार की ओर जाने वाले वाहन चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) से आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है। मंजूरी मिलने के बाद अब निर्माण की तैयारियां आगे बढ़ाई जा रही हैं। करीब 300 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का पूरा खर्च डीएलएफ कंपनी उठाएगी। सरहौल बॉर्डर से साइबर हब तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की लंबाई करीब 800 मीटर होगी। दिल्ली-गुरुग्राम सीमा से आने वाले वाहनों के साथ साइबर सिटी और उद्योग विहार की ओर जाने वाले वाहनों के कारण इस मार्ग पर यातायात की गति धीमी हो जाती है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कंपनियों के कार्यालय होने के कारण रोजाना बड़ी संख्या में कर्मचारी आवाजाही करते हैं।

ऐसे में एलिवेटेड रोड और टनल का निर्माण यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मददगार हो सकता है। परियोजना पूरी होने के बाद वाहन चालकों को जाम से राहत मिलने और सफर आसान होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत यातायात दबाव कम करने के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे व्यस्त समय में वाहन चालकों को कम परेशानी होगी और कार्यालय पहुंचने में लगने वाला समय भी घटने की उम्मीद है।

दिल्ली-मुंबई के प्रदर्शनों पर संत समाज की नजर, वाराणसी की संस्कृति संसद में तय होगी आगे की रणनीति

विरोध प्रदर्शनों से सत्ता परिवर्तन की कोशिशों पर संत समाज चिंतित, 4 नवंबर को वाराणसी में होगा मंथन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली, मुंबई समेत देश के प्रमुख शहरों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों और इनके जरिए सत्ता परिवर्तन की कोशिशों को लेकर संत समाज ने चिंता जताई है। इस मुद्दे पर 4 नवंबर को वाराणसी में आयोजित होने वाली संस्कृति संसद में विशेष चर्चा की जाएगी। बैठक में देशभर के प्रमुख धर्माचार्य और विभिन्न धार्मिक संगठनों के शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे। इस दौरान विरोध प्रदर्शनों की प्रकृति, उनके उद्देश्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। **संस्कृति संसद में तय होगी आगे की रणनीति**

वाराणसी में होने वाली बैठक में विश्व हिंदू परिषद (विहिप), अखिल भारतीय संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, काशी विद्वत परिषद और गंगा महासभा के प्रमुख पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। संत समाज इस मंच के माध्यम से मौजूदा परिस्थितियों पर अपना पक्ष रखने और आगे की रणनीति तय करने पर विचार करेगा। बैठक में मुख्य रूप से इस सवाल पर चर्चा होगी कि विभिन्न शहरों में हो रहे विरोध प्रदर्शन केवल जन असंतोष व्यक्त करने का माध्यम हैं या इनके पीछे सत्ता परिवर्तन की व्यापक मंशा भी है। इसके साथ ही यह भी विचार किया जाएगा कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास को बनाए रखने और असहमति व्यक्त करने के अधिकार के बीच संतुलन कैसे कायम रखा जाए।

दूसरे देशों में हुए आंदोलनों का भी होगा जिक्र

संत समाज की चिंता के पीछे नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रमों का भी उल्लेख किया जा रहा है। इन देशों



प्रतीकात्मक तस्वीर, एआई जेनरेटेड

में बड़े जन आंदोलनों और राजनीतिक अस्थिरता के कारण सत्ता परिवर्तन हुए हैं। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाराणसी की बैठक में यह विचार किया जाएगा कि हिंसक आंदोलनों और व्यापक विरोध प्रदर्शनों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर किस प्रकार प्रभाव पड़ सकता है। बैठक में भारत में विभिन्न मुद्दों पर हो रहे आंदोलनों की स्थिति पर भी चर्चा होगी। इनमें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से जुड़े विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के इस्तीफे की मांग जैसे विषय शामिल हैं। इन मुद्दों पर उठ रहे सवालों और विरोध प्रदर्शनों के विस्तार को लेकर संत समाज अपना दृष्टिकोण रखेगा। **लोकतंत्र और सामाजिक स्थिरता पर रहेगा जोर**

संस्कृति संसद में इस बात पर भी विचार होने की संभावना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और असहमति की भूमिका क्या होनी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है, वहीं हिंसा और अराजकता की स्थिति में कानून-व्यवस्था बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। चार नवंबर को होने वाला यह मंथन संत समाज के लिए मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विचार करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। बैठक में होने वाली चर्चाओं और लिए जाने वाले निर्णयों पर सभी की नजरें रहेंगी।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में नहीं होगी बत्ती गुल! निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए लगेंगे 250 नए ट्रांसफार्मर

एजेंसी ,नई दिल्ली


नोएडा-ग्रेटर नोएडा में सुधरेगी बिजली सप्लाई

गौतमबुद्धनगर जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विद्युत निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 250 नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। केंद्र और राज्य सरकार की रिवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत यह काम किया जा रहा है। विद्युत निगम ने मार्च 2027 तक सभी नए ट्रांसफार्मर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। **250 और 400 केवीए क्षमता के होंगे ट्रांसफार्मर**

जिले में वर्तमान में 10 केवीए से लेकर 650 केवीए तक की क्षमता वाले 24 हजार से अधिक छोटे-बड़े ट्रांसफार्मर लगे हैं। इनमें 25 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों की संख्या सबसे अधिक है, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से नलकूप कनेक्शन के लिए किया जाता है। नई योजना के तहत 250 और 400 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। इससे बिजली का लोड अलग-अलग ट्रांसफार्मरों पर बंट सकेगा और ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी। अधिकारियों के मुताबिक, नए ट्रांसफार्मर लगने से कई स्थानों पर लोड 50 प्रतिशत से अधिक नहीं रहने की उम्मीद है।

इससे ट्रांसफार्मर खराब होने का खतरा भी कम हो सकता है। **गर्मियों में बिजली संकट से बचने की तैयारी** विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार, गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने के कारण ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

सामान्य परिस्थितियों में ट्रांसफार्मर का तापमान 40 से 50 डिग्री तक रहता है, जबकि गर्मी के दौरान यह 80 से 90 डिग्री तक पहुंच सकता है। अधिक तापमान और ओवरलोडिंग के कारण ट्रांसफार्मर से तेल निकलने, खराब होने या ब्लास्ट होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में कई बार बिजली आपूर्ति बाधित करनी पड़ती है।

न्यूज ब्रीफ

सीएम रेखा गुप्ता ने सपरिवार किया कन्या पूजन, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को बताया जरूरी

एजेंसी ,नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर सपरिवार पारंपरिक विधि-विधान से कन्या पूजन किया। इस दौरान उन्होंने छोटी कन्याओं के पैर पखारे, तिलक लगाया, चुनरी ओढ़ाई और महाप्रसाद भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। **बेटियां हैं साक्षात शक्ति का स्वरूप** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को महानवमी की शुभकामनाएं देते हुए माता रानी से सभी के सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्याओं को साक्षात शक्ति और नवदुर्गा का स्वरूप माना जाता है। बेटियों का सम्मान, उनकी शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण ही समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कन्या पूजन की सच्ची भावना तभी सार्थक होगी, जब प्रत्येक बेटी को बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ने, शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने के समान अवसर मिलेंगे। उन्होंने बेटियों के सम्मान और उज्ज्वल भविष्य को समाज के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण बताया।



फेसबुक पर पेंशनर कार्ड का लिंक बना ठगी का जाल, बुजुर्ग के खाते से निकले 9.80 लाख रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली । साइबर ठगों ने फेसबुक पर विज्ञापन के जरिए एक बुजुर्ग को अपना शिकार बना लिया। सदर क्षेत्र की शहजादी मंडी निवासी अनूप कुमार अग्रवाल के खाते से जालसाजों ने 9.80 लाख रुपये निकाल लिए। आरोप है कि ठगों ने उनकी बैंक में जमा सावधि जमा (एफडी) तुड़वाकर पूरी रकम अपने खातों में ट्रांसफर कर ली। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। **फेसबुक विज्ञापन के जरिए बिछाया जाल** अनूप कुमार अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि 16 अक्टूबर को उन्होंने फेसबुक पर उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद पेंशनर कार्ड से संबंधित लिंक खुला। इसके कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। आरोप है कि साइबर अपराधियों ने इसी प्रक्रिया के जरिए उन्हें अपने जाल में फंसाया। इसके बाद उनके बैंक खाते में जमा एफडी तुड़वाकर उसकी रकम खाते में जमा कराई गई और फिर पूरी राशि दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी गई। साइबर क्राइम थाने में शिकायत खाते से 9.80 लाख रुपये निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस लेनदेन और आरोपियों से जुड़े खातों की जानकारी जुटा रही है।

प्रयागराज के 10 हजार भवन स्वामियों को मिलेगी राहत, गृहकर बिल में नाम सुधारने की नई व्यवस्था

एजेंसी, नई दिल्ली । नगर निगम ने संपत्ति का नामांतरण कराने के बाद भी पुराने मालिक के नाम से गृहकर बिल आने की समस्या दूर करने की पहल की है। अब संपत्ति के नए मालिक का नाम पहले कंप्यूटर रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा, इसके बाद खसरे में भी उसे अपडेट किया जाएगा। **10 हजार से अधिक भवन स्वामी परेशान** शहर में बड़ी संख्या में ऐसे भवन स्वामी हैं, जिन्होंने संपत्ति का नामांतरण करा लिया है, लेकिन इसके बावजूद गृहकर बिल पूर्व मालिक के नाम से पहुंच रहा है। इसकी मुख्य वजह नगर निगम के रिकॉर्ड में नए मालिक का नाम अपडेट नहीं होना है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज में 10 हजार से अधिक भवन स्वामियों को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नामांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी रिकॉर्ड में बदलाव नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। नगर निगम अब नामांतरण के बाद रिकॉर्ड अपडेट करने की प्रक्रिया में बदलाव करेगा। इसके तहत पहले कंप्यूटर में नए मालिक का नाम दर्ज किया जाएगा और फिर खसरे में भी संशोधन किया जाएगा। इससे गृहकर बिल सही नाम से जारी करने में मदद मिलेगी और भवन स्वामियों को बार-बार होने वाली परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।



ग्रेटर नोएडा के जुनपत गांव में बनेगी 2800 मीटर लंबी ड्रेन, किसानों को जलभराव से मिलेगी राहत

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जुनपत गांव में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विकास कार्य करा रहा है। गांव में छह प्रतिशत आबादी भूखंडों के लिए 2800 मीटर लंबी ड्रेन का निर्माण किया जा रहा है। इसके पूरा होने से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होने और भूखंडों पर बसावट आसान होने की उम्मीद है।

किसानों को लंबे समय से थी परेशानी

जुनपत गांव में बड़ी संख्या में किसानों को छह प्रतिशत आबादी भूखंड आवंटित किए गए हैं। इन भूखंडों पर बसावट के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास जरूरी है। लंबे समय से क्षेत्र में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या बढ़ने से आवागमन और अन्य गतिविधियां भी प्रभावित होती



थीं। इस समस्या को दूर करने के लिए प्राधिकरण ने ड्रेन निर्माण का काम शुरू कराया है। करीब 2800 मीटर लंबी इस ड्रेन के बनने से क्षेत्र में जमा पानी की निकासी व्यवस्थित तरीके से हो सकेगी। इससे जलभराव की समस्या कम होने और स्थानीय लोगों को राहत मिलने की संभावना है। **सड़क, सीवर और पानी की सुविधाओं पर भी जोर** प्राधिकरण की ओर से जुनपत में केवल जल निकासी व्यवस्था ही नहीं, बल्कि अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी विकसित किया जा रहा है। इसके तहत आंतरिक सड़कों का निर्माण, सीवर लाइन बिछाने, पानी की व्यवस्था करने और विद्युतीकरण जैसे कार्य कराए जा रहे हैं।

दशहरे पर आगरा में दिखेगा रावण का विकराल रूप, 120 फीट के पुतले से बरसेंगे अंगारे

एजेंसी, नई दिल्ली।

विजयादशमी के अवसर पर आगरा के रामलीला मैदान में इस बार 120 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। 20 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन में रावण का विकराल रूप और विशेष प्रभाव दर्शकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। शहर में दशहरा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। रामलीला मैदान में तैयार किए जा रहे रावण के पुतले को विशेष तकनीक से आकर्षक रूप दिया जा रहा है। इसकी आंखें टिमटिमाएंगी, मुंह चलेगा और अट्टहास की आवाज सुनाई देगी। इसके अलावा, पुतले से अंगारे निकलने जैसे विशेष प्रभाव भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों को रावण के विशाल और भयावह रूप का अनुभव होगा। पुतले को तैयार करने में मथुरा के कारीगर जुटे हैं। पुतला कारीगर अमीर अली के अनुसार, 120 फीट ऊंचे रावण को इस तरह बनाया जा रहा है कि उसके हाव-भाव और आवाज लोगों का ध्यान आकर्षित करें।

महिलाओं से अभद्रता, फिर कार से मचाया उत्पात; नोएडा की सोसायटी में लोगों ने युवक को पकड़ा

एजेंसी ,नई दिल्ली


हंगामे का विरोध करने पर सोसायटी में कार दौड़ाकर वाहनों में मारी टक्कर।

सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडियाक सोसायटी में शनिवार रात बिना नंबर प्लेट लगी कार में सवार युवक-युवतियों ने कथित तौर पर शराब पीकर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि स्थानीय लोगों के विरोध करने पर कार चला रहे युवक ने अभद्रता की और भागने के प्रयास में सोसायटी के भीतर कई वाहनों को टक्कर मार दी। घटना के दौरान कई लोग कार की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। लोगों ने कार चला रहे एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

फ्लैट के नाम पर कराई एंट्री सोसायटी के सुरक्षा प्रभारी योगेश कुमार के अनुसार, शनिवार रात करीब पौने दस बजे बिना नंबर प्लेट लगी काले रंग की बलेनो कार सोसायटी में पहुंची। गेट नंबर एक पर एन-702 के फ्लैट के नाम पर कार की एंट्री कराई गई। इसके बाद कार यू और डब्ल्यू टावर के पीछे जाकर खड़ी हो गई। कुछ देर बाद कार के अंदर से तेज आवाज में गाली-गलौज सुनाई देने लगी। आवाज सुनकर सोसायटी की महिलाएं कार के पास पहुंच गईं।

सुरक्षा गार्ड को भी मौके पर बुलाया गया। आरोप है कि कार चला रहा युवक महिलाओं को भी गालियां देने लगा। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो मामला और बढ़ गया। आरोप है कि विरोध और भीड़ एकत्रित होने के बाद युवक ने कार तेजी से दौड़ा दी।

सुरक्षा गार्ड और अन्य लोग उसे रोकने के लिए पीछे भागे, लेकिन कार चला रहे युवक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे उन्हें नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि इस दौरान कोई व्यक्ति कार के सामने नहीं आया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद सोसायटी के गेट पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मेरठ में 13 एसटीपी के संचालन पर खर्च होंगे सालाना 9 करोड़ रुपये, नई कंपनी को मिला ठेका

एजेंसी ,नई दिल्ली

मेरठ शहर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) से नगर निगम को हस्तांतरित 13 एसटीपी के संचालन और अनुरक्षण पर सालाना करीब नौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। जलनिगम विद्युत यांत्रिकी ने गाजियाबाद की एसकेवी कंपनी को एक साल के लिए यह ठेका दिया है। कंपनी को इसके लिए हर महीने करीब 74 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। इन संयंत्रों के सुचारु संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी इसी कंपनी के पास रहेगी। क्लोरीन रिसाव के बाद शुरू हुई प्रक्रिया पल्लवपुरम फेज-दो स्थित एसटीपी में पिछले महीने **क्लोरीन रिसाव की घटना के बाद नए ठेके की प्रक्रिया शुरू** की गई थी। घटना के बाद एसटीपी के संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दिवाली-छठ पर रेलवे का विशेष इंतजाम, पुणे-मुजफ्फरपुर ट्रेन 20 अक्टूबर से लगाएगी छह फेरे

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने चार जोड़ी विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों के चलने से त्योहारों पर घर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। विशेष ट्रेनें प्रयागराज सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे।

रेलवे के अनुसार, त्योहारों के दौरान नियमित ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। इसे देखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, ताकि यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रा को सुविधाजनक बनाने में मदद मिल सके। **पुणे-मुजफ्फरपुर विशेष ट्रेन के छह फेरे** रेलवे द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, गाड़ी संख्या 01481 पुणे-मुजफ्फरपुर विशेष ट्रेन 20 अक्टूबर से 24 नवंबर तक



रेलवे दिवाली व छठ पर्व पर विशेष ट्रेनें चलाएगा।

प्रत्येक मंगलवार को संचालित होगी। यह ट्रेन कुल छह फेरे लगाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01482 मुजफ्फरपुर-पुणे विशेष ट्रेन 22 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। दोनों दिशाओं में चलने वाली ये विशेष ट्रेनें प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ठहरेंगी। इससे प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी यात्रा में सुविधा मिलेगी। रेलवे ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट और खुर्दा रोड-आनंद विहार टर्मिनल के बीच भी विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है।

दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार की पीट-पीटकर हत्या, सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

एजेंसी ,नई दिल्ली


मणिपुरी संगीतकार की हत्या में खुलासा ।कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्मित चित्र

दक्षिणी दिल्ली के किलोकरी इलाके में मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपियों पर आपराधिक साजिश रचने और सामूहिक रूप से हत्या करने के आरोप लगाए गए हैं। मामले में एक नाबालिग के शामिल होने की बात भी सामने आई है।

शोर कम करने को कहने पर हुआ विवाद पुलिस के अनुसार, यह घटना छह सितंबर को हुई थी। चोंगथम विक्रम सिंह अपने घर के पास स्थित एक ढाबे पर पहुंचे थे। वहां कुछ लोग इकट्ठा होकर शोर कर रहे थे। संगीतकार ने उनसे शोर कम करने के लिए कहा, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने मिलकर उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी। बताया गया है कि हमले के दौरान संगीतकार ने आरोपियों से बचने की कोशिश की और वहां से भागकर अपने घर पहुंच गए।

हालांकि, आरोप है कि हमलावरों ने उनका पीछा किया और घर के दरवाजे के पास भी उन्हें घेरकर दोबारा पीटा। इस हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिनके कारण उनकी हालत बिगड़ गई ।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, चोंगथम विक्रम सिंह की मौत छाती और पेट पर लगी गंभीर चोटों के कारण हुई थी। हमले में उनकी कई पसलियां टूट गई थीं। इसके अलावा, उनकी तिल्ली भी फट गई थी, जिससे शरीर के अंदर रक्तस्राव हुआ। गंभीर आंतरिक चोटों के कारण उनकी मौत हो गई ।मामले की जांच पूरी करने के बाद पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है।

ग्रेटर नोएडा के अल्फा-2 में खुला लुलु ग्रुप का भव्य स्टोर, दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली



अंतरराष्ट्रीय खुदरा कारोबार समूह लुलु ग्रुप ने ग्रेटर नोएडा में अपना पहला हाइपरमार्केट खोल दिया है। सेक्टर अल्फा-2 स्थित आई-थम्स गैलेरिया मॉल में शुरू किया गया यह हाइपरमार्केट लगभग एक लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है। इस नए स्टोर के खुलने से उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के बाजार में कंपनी की उपस्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। लुलु ग्रुप का यह नया हाइपरमार्केट ग्राहकों को खरीदारी का बेहतर अनुभव देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

बड़े क्षेत्र में फैले इस स्टोर में ग्राहकों को रोजमर्रा की जरूरतों और विभिन्न खरीदारी श्रेणियों के उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया है। इससे ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को खरीदारी के लिए एक नया विकल्प मिलेगा। **दिल्ली-एनसीआर में कारोबार बढ़ाने की तैयारी** ग्रेटर नोएडा में हाइपरमार्केट की शुरुआत लुलु ग्रुप की विस्तार योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है। दिल्ली-एनसीआर तेजी से विकसित हो रहा बाजार है, जहां आवासीय क्षेत्रों के विस्तार के साथ संगठित खुदरा कारोबार की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में कंपनी का नया स्टोर क्षेत्र के ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद कर सकता है।

लुलु ग्रुप का खुदरा नेटवर्क 285 से अधिक स्टोरों तक फैला हुआ है। कंपनी विभिन्न बाजारों में अपने कारोबार का विस्तार करने और ग्राहकों को आधुनिक खरीदारी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दे रही है। ग्रेटर नोएडा में नए हाइपरमार्केट की शुरुआत से स्थानीय खुदरा बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की भी संभावना है।

दिल्ली के स्टार्टअप्स को मिलेगी नई उड़ान, 50 करोड़ से बनेगा 'गो-दिल्ली फाउंडेशन'

युवाओं के सपनों को लगेंगे पंख, दिल्ली में 21 हजार स्टार्टअप्स को मिलेगा सहयोग

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने, युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने 'गो-दिल्ली फाउंडेशन' के गठन को मंजूरी दी है। इस फाउंडेशन के लिए 50 करोड़ रुपये की प्रारंभिक बजट राशि स्वीकृत की गई है। इसका उद्देश्य युवाओं, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को अपने नए विचारों को व्यावहारिक उत्पादों और सेवाओं में बदलने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई पिछली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

सरकार की योजना इस फाउंडेशन के माध्यम से स्टार्टअप को बाजार तक पहुंचने, निवेश आकर्षित करने और अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद देने की है। इसके साथ ही, उद्यमिता को



गो दिल्ली फाउंडेशन को मिली मंजूरी कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्मित चित्र

बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। **21 हजार स्टार्टअप को मिलेगा सहयोग** दिल्ली में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त करीब 21 हजार स्टार्टअप हैं। इतनी बड़ी संख्या में स्टार्टअप की मौजूदगी राजधानी में नए कारोबार, तकनीकी नवाचार और रोजगार सृजन की संभावनाओं को दर्शाती है। हालांकि, नए उद्यमों को अपने उत्पाद विकसित करने के साथ-साथ ग्राहकों तक पहुंचने, निवेश जुटाने और बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

गो-दिल्ली फाउंडेशन के गठन का उद्देश्य इन चुनौतियों से निपटने में स्टार्टअप की सहायता करना है। इसके माध्यम से उद्यमियों को ऐसा सहयोग उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक रूप दे सकें और अपने उत्पादों तथा सेवाओं को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकें। सरकार की इस पहल का लाभ विशेष रूप से उन नए उद्यमों को मिल सकता है, जिन्हें कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन तथा संसाधनों की आवश्यकता होती है।

फाउंडेशन की एक प्रमुख भूमिका स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उत्पाद विकास से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंच उपलब्ध कराना होगी। इसमें उत्पादों के नमूने तैयार करना, तकनीकी परीक्षण, प्रयोगशालाओं का उपयोग और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करना शामिल है। इसके अलावा, उद्यमियों को संभावित निवेशकों से संपर्क स्थापित करने में भी सहायता देने की योजना है।

आगरा रोडवेज में तकनीक ने खोली फर्जी कार्ड की पोल, पकड़े जाने पर भी कार्रवाई पर सवाल

एजेंसी ,नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के आगरा में रोडवेज बसों में दिव्यांगता के फर्जी विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) के जरिए यात्रा करने वाले लोगों का मामला सामने आ रहा है। रोडवेज की अपडेटेड ई-टिकटिंग मशीनों ने ऐसे कार्डों की पहचान करना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन करीब एक दर्जन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें यात्रियों के दिव्यांगता पहचान पत्र की प्रामाणिकता पर सवाल उठ रहे हैं।

मशीन स्कैन करते ही खुल रही पोल रोडवेज बसों में टिकट बनाने के लिए इस्तेमाल की जा रही अपडेटेड ई-टिकटिंग मशीनों में कार्ड की जांच करने की सुविधा है। मशीन से यूडीआईडी कार्ड स्कैन करते ही उसकी जानकारी की पुष्टि करने में मदद मिलती है। इस प्रक्रिया के दौरान संदिग्ध या फर्जी कार्ड सामने आने पर संबंधित यात्री की पहचान की जांच की जा सकती है। पहले ऐसे कार्डों के जरिए यात्रा करने वाले लोगों को पकड़ना मुश्किल होता था, लेकिन तकनीक अपडेट होने के बाद इस तरह की गड़बड़ियों का पता लगने लगा है।

रोजाना लगभग 12 मामले सामने आने से रोडवेज व्यवस्था में पहचान पत्रों के सत्यापन की अहमियत भी बढ़ गई है। फर्जी कार्ड पकड़े जाने के बाद संबंधित यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने के बजाय उनकी टिकट बनाकर उन्हें छोड़ देने की बात भी सामने आई है। इससे सवाल उठ रहे हैं कि ऐसे मामलों में नियमों के अनुसार कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। फर्जी दिव्यांगता पहचान पत्रों का इस्तेमाल वास्तविक जरूरतमंद दिव्यांग यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं पर भी असर डाल सकता है। ऐसे में कार्डों की उचित जांच और नियमों के मुताबिक कार्रवाई जरूरी है, ताकि सरकारी परिवहन सुविधाओं का दुरुपयोग रोका जा सके।

न्यूज ब्रीफ

बी.वॉक कर्मचारियों का रुका वेतन जल्द होगा जारी : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत बी.वॉक कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से मुलाकात कर लंबित वेतन का मुद्दा उठाया। मंत्री ने कर्मचारियों को जल्द वेतन जारी करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट से बी.वॉक संघ के सदस्य राकेश कुमार, सुशील ठाकुर, सुमित कुमार, राजीव कुमार और आरती सिंह शामिल रहे। उन्होंने मंत्री को ज्ञापन सौंपकर बताया कि सेवा प्रदाता कंपनी ने पिछले अढ़ाई महीनों से कर्मचारियों का वेतन जारी नहीं किया है। कंपनी के अनुसार, सरकार से फंड जारी न होने के कारण भुगतान में देरी हो रही है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा मंत्री ने समस्या का समाधान करने और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री का आभार जताते हुए शीघ्र वेतन भुगतान की उम्मीद व्यक्त की।

चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस में छाए लॉर्ड्स के विद्यार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में लॉर्ड्स कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। शिक्षा विभाग की ओर से सरकाघाट में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में रित्विक और शानवी ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, सीनियर वर्ग में निवेदिता और विभूति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब ये चारों विद्यार्थी राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में जिला मंडी का प्रतिनिधित्व करेंगे। विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्वास्तिक और सुनैना ने मंडी के 10 उपमंडलों में तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्या सपना ठाकुर और चेयरमैन बलवंत सिंह बराड़ी ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

आलू और बंदगोभी के दाम गिरने से चौहार व छोटा भंगाल के किसान परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी और छोटा भंगाल घाटी के किसानों को इस वर्ष आलू और बंदगोभी की बंपर पैदावार के बावजूद उचित दाम नहीं मिल पाए हैं। इससे खेतीबाड़ी पर निर्भर किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान इंद्र सिंह, डागी राम, सुखदेव, प्रेम सिंह, जयपाल और बलदेव ने बताया कि आलू की फसल का भाव जुलाई से अब तक करीब 15 रुपये प्रति किलो ही रहा है। वहीं, बंदगोभी के दाम शुरुआती सीजन में 20 रुपए प्रति किलो थे, जो अब घटकर सात से आठ रुपये रह गए हैं। किसानों के अनुसार, सड़क से तीन-चार किलोमीटर दूर खेतों से बंदगोभी को खच्चरों के माध्यम से मंडी तक पहुंचाना पड़ता है। प्रति खच्चर 200 रुपए ढुलाई खर्च होने से मुनाफा बेहद कम रह गया है। किसानों ने प्रदेश सरकार से आलू और बंदगोभी का समर्थन मूल्य निर्धारित करने की मांग की है, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

मनोनीत पार्षद सनी ईपन को एडीसी ने दिलाई शपथ

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। नगर निगम मंडी के मनोनीत पार्षद सनी ईपन को सोमवार को नगर निगम कार्यालय के सभागार में पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। हिमाचल प्रदेश सरकार के शहरी विकास विभाग द्वारा मनोनीत पार्षद को एडीसी प्रियांशु खाती ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर निगम मंडी की मेयर सुमन ठाकुर, डिप्टी मेयर जितेंद्र शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त अपराजिता चंदेल सहित कई पार्षद मौजूद रहे। कार्यक्रम में पार्षद सरिता हांडा, नर्मदा देवी, कृष्णा ठाकुर और वीरेंद्र सिंह आर्य भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रदेश कांग्रेस महासचिव दीपक शर्मा सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। उपस्थित लोगों ने नवनियुक्त पार्षद सनी ईपन को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

महाराणा प्रताप स्कूल में पंजाबी लोक संस्कृति की धूम

भारतेन्दु संवाददाता, पठियार। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल धर्मगिरी पठियार में पंजाब फोक आर्ट सेंटर की ओर से पंजाबी लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पंजाबी लोक नृत्य से परिचित करवाया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक गतिविधियों में भाग लिया और निशुल्क नृत्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। पंजाब फोक आर्ट सेंटर की स्थापना जुलाई 2002 में हुई थी। गुरदासपुर स्थित यह संस्था पंजाबी लोक कला, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करती है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप सिंह ठाकुर, मैनेजर पीएस राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं से जोड़ने के लिए इस पहल की सराहना की।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का किया भव्य मंचन



भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में नवरात्र के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किंडरगार्डन के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित आकर्षक नाटक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने मां दुर्गा के नौ रूपों की सुंदर वेशभूषा धारण कर शानदार अभिनय किया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नारी शक्ति का संदेश दिया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक कुलदीप ठाकुर, मैनेजर पीएस राणा और प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना भी आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ।

शारीरिक शिक्षक संघ सोलन के प्रधान बने भास्करानंद



भारतेन्दु संवाददाता, कुनिहार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उच्चा गांव कुनिहार में शारीरिक शिक्षक संघ जिला सोलन के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में भास्करानंद ठाकुर को दोबारा जिला प्रधान चुना गया। वहीं, चंद्र दत्त, राजकीय उच्च पाठशाला करोग और राजेश पम्मी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुल्लरवाला को महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। शेष कार्यकारिणी के गठन के लिए अध्यक्ष और महासचिव को अधिकृत किया गया। जिला प्रधान भास्करानंद ठाकुर ने कहा कि संघ का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना, उनमें अनुशासन विकसित करना और शिक्षकों के हितों की रक्षा करना है। इस अवसर पर करीब 20 सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। एडीपीओ सोलन महेंद्र राठौर ने संघ की पहल की सराहना करते हुए नवगठित कार्यकारिणी को बधाई दी। उन्होंने शिक्षकों से आपसी सहयोग बनाए रखने और जिला सोलन को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

हिमाचल में 25 अक्तूबर तक मौसम साफ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्तूबर तक प्रदेश के मैदानी, मध्यवर्ती और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश या बर्फबारी की संभावना नहीं है।

दिन में धूप खिलने से मौसम सुहावना रहेगा, जबकि रात के तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ सकती है। जनजातीय क्षेत्रों में सर्दी का असर तेज हो गया है और पारा जमाव बिंदू के करीब पहुंच गया है। लाहौल स्पीति जिला के मुख्यालय केलांग में न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री, कुकुमसेरी में 0.8 डिग्री, ताबो में 2.1 डिग्री और किन्नौर जिला के कल्पा में 3.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री कम रहा, हालांकि पिछले 24 घंटों के मुकाबले इसमें 0.2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में रातें सर्द होने लगी हैं। लाहौल-स्पीति जिले के केलांग और कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान एक डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। ताबो में पारा 2.1 डिग्री और किन्नौर जिले के कल्पा में 3.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इन क्षेत्रों में रात और सुबह के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। सोमवार सुबह दर्ज आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान केलांग में 0.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद कुकुमसेरी में 0.8 डिग्री, ताबो में 2.1 डिग्री और कल्पा में 3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मनाली में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री और सेओबाग में 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा।



शिमला में 12 डिग्री, पांवटा साहिब सबसे गर्म

राज्य के विभिन्न मौसम केंद्रों में दर्ज न्यूनतम तापमान के अनुसार भुंतर में 8.1 डिग्री, सोलन में 8.5 डिग्री, पालमपुर में 10.0 डिग्री, सुंदरनगर में 10.1 डिग्री, कुफरी में 10.8 डिग्री और बरमाणा में 11.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। शिमला में न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री, जुब्बड़हट्टी और मंडी में 12.4 डिग्री, बिलासपुर में 12.5 डिग्री तथा देहरा गोपीपुर में 14.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऊना में न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री, नाहन में 15.2 डिग्री, नेरी में 15.9 डिग्री और धर्मशाला में 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा। पांवटा साहिब में न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो उपलब्ध आंकड़ों में सबसे अधिक रहा।

कई शहरों में सामान्य से नीचे रहा न्यूनतम तापमान

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री, भुंतर में 1.0 डिग्री, पालमपुर में 3.2 डिग्री, सोलन में 0.9 डिग्री और मनाली में 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कांगड़ा में तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री, मंडी में 1.4 डिग्री और बिलासपुर में 2.0 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। केलांग में न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री, नाहन में 2.6 डिग्री और ऊना में 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। भुंतर और पालमपुर में भी सामान्य की तुलना में तापमान में कमी दर्ज की गई। इसके विपरीत शिमला में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री, धर्मशाला में 3.4 डिग्री और जुब्बड़हट्टी में 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। कल्पा में न्यूनतम तापमान सामान्य के बराबर दर्ज किया गया।

आरएस बाली ने मां बज्रेश्वरी के दरबार में नवाया शीश, महाशतचंडी यज्ञ में डाली पूर्णाहुति



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। मां बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा में अंतिम नवरात्र के पावन अवसर पर पर्यटन निगम के अध्यक्ष एवं नगरोटा बगवां के विधायक आर.एस. बाली ने माता के दरबार में शीश नवाया। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में आयोजित महाशतचंडी यज्ञ में भाग लेकर पूर्णाहुति भी डाली। इस अवसर पर एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा और एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग भी मौजूद रहे। आरएस बाली ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर प्रशासन को व्यवस्थाओं में सुधार के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने मंदिर की पुरानी सराय को तोड़ने के बाद प्रस्तावित नए भवन के निर्माण कार्य की जानकारी भी ली और सराय भवन के निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले आर.एस. बाली ने दिनभर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मंदिर अधिकारी प्रकाश चंद के अनुसार, अंतिम नवरात्र के दिन करीब 21 हजार श्रद्धालुओं ने मां बज्रेश्वरी के दरबार में माथा टेका। वहीं, अष्टमी के दिन मंदिर में 7,64,152 रुपए का चढ़ावा चढ़ाया गया। नवरात्र के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा परिसर माता के जयकारों से भक्तिमय बना रहा।

पिंगला खड्ड व ज्युणी खड्ड के पानी से बीमारी का खतरा

बार-बार स्थानीय प्रशासन को बोलने के बावजूद प्रशासन नहीं उठा रहा कोई कदम

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। बिना बरसात के आजकल गोहर बाजार के बीचो-बीच बहने वाली पिंगला खड्ड व ज्युणी खड्ड लोगों के लिए खतरे का संकेत बनी हुई है।



गौरतलब है कि बिना बरसात के आजकल इन खड्डों में कीचड़ युक्त पानी बह रहा है और यह पानी गोहर व आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को इन्हीं खड्डों से लिफ्ट करके पानी वाटर स्टोरेज टैंक तक पहुंचाया जाता है और वही पानी लोगों के घरों में किचन में बाथरूम में सप्लाई किया जाता है। लगभग दो महीने पहले गोहर व आसपास के क्षेत्र में पीलिया रोग ने कहर बरपाया था। जिसमें लगभग तीन लोगों की मौत भी हो गई थी। प्रशासन जल शक्ति विभाग स्वास्थ्य विभाग की कड़ी मेहनत के बाद इस महामारी पर काबू पाया गया था मगर अब फिर से लगता है कीचड़ युक्त पानी जो कि लोगों के घरों में पहुंच रहा है किसी बड़ी महामारी का संकेत दे रहा है। विभाग को स्थानीय लोगों ने कई मर्तबा मौखिक और लिखित रूप से शिकायत दर्ज करवाई है कुछ लोगों ने निजी तौर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को भी इस समस्या से अवगत करवाया है मगर अभी तक स्थानीय प्रशासन जल शक्ति विभाग द्वारा किसी प्रकार की कोई गतिविधि नजर नही आ रही ।लोगों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि जल्द पानी के दूषित होने के कारण पता लगाया जाए और उचित कार्यवाही की जाए। लोगों का कहना है कि क्रेशर में रेत बजरी धोने के बाद कीचड़ युक्त पानी खड्डों में फेंका जा रहा है जो पूरे पानी को दूषित कर रहा है। सरकार द्वारा ऐसी पॉलिसी बनाई जाए क्रशर भी ना बंद हो और दूषित पानी को खड्डों में ध फैंक कर अन्यतर फेंका जाए। काबिले जिगरिया की करोड रुपए खर्च करके क्रेशर मालिक ने कृषि लगाए हैं जिनसे उनकी रोजी-रोटी और लोगों का कंस्ट्रक्शन वर्क चला हुआ है आगर क्रशर बंद हो जाते हैं तभी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा और यदि क्रशर का गंदा पानी सीधा खड्डा में डाला गया तभी लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होगा सरकार को ऐसी पॉलिसी बनानी चाहिए ताकि क्रशर भी चलते रहें और क्रशर का कीचड़ युक्त गंदा पानी बड़े-बड़े खड़े बनाकर उसमें डाला जाए जो सीधा जमीन में जज्ब हो जाए जिससे लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा और क्रशर वालों का काम भी चलता रहेगा

जोगिंद्रनगर के विधायक प्रकाश ने सुनी क्षेत्र के लोगों की समस्याएं



भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर के विधायक प्रकाश राणा ने सोमवार को उपमंडल की विभिन्न ग्राम पंचायतों के बूथों पर स्थानीय लोगों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा की। स्थानीय लोगों ने विधायक को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया।

प्रकाश राणा ने कहा कि क्षेत्र की जनता से संवाद के दौरान प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विकास कार्यों की गति और जनसमस्याओं के समाधान को लेकर लोगों की चिंताएं सामने आ रही हैं। जनता को उम्मीद थी कि सरकार क्षेत्र की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति देगी, लेकिन आज कई कार्यों को लेकर सवाल उठ रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य ठप पड़े हैं। राणा ने कहा कि भाजपा का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर रुके हुए और अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है।

राष्ट्रीय एकता शिविर में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेगी संगड़ाह की स्वाति

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। राजकीय महाविद्यालय संगड़ाह की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा स्वाति ठाकुर राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। स्वाति का चयन हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 21 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है।युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से आयोजित इस शिविर में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी भाग लेंगे। महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना स्वाति के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सद्भाव को समझने का अवसर मिलेगा।

एचपीयू अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में धर्मशाला बना विजेता



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला की अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल (पुरुष) चैंपियनशिप का एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में समापन हुआ। प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला ने मेजबान डीएवी कॉलेज कांगड़ा को 76-57 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कांगड़ा की टीम उपविजेता रही, जबकि राजकीय महाविद्यालय भोरंज ने तीसरा स्थान हासिल किया। समापन समारोह में हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा मुख्य अतिथि रहे।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने विजेता टीमों को सम्मानित करते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा और खेल भावना की सराहना की। पहले सेमीफाइनल में मेजबान डीएवी कॉलेज कांगड़ा ने पालमपुर को 80-16 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में धर्मशाला ने भोरंज को 55-28 से पराजित किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में भोरंज ने पालमपुर को 73-46 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में धर्मशाला की टीम ने शानदार तालमेल और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांगड़ा को 76-57 से मात दी। मुख्य अतिथि अजय वर्मा ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं।

उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है।

जिला परिषद सदस्यों गिरधारी लाल चौहान व प्रवीण ठाकुर ने डीसी कुल्लू से की शिष्टाचार भेंट



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला परिषद धाऊगी वार्ड के सदस्य गिरधारी लाल चौहान और बरशेणी वार्ड के सदस्य प्रवीण ठाकुर ने उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों जिला परिषद सदस्यों ने उपायुक्त का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बैठक के दौरान जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों सदस्यों ने क्षेत्र की समस्याओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और विकास कार्यों को गति देने के संबंध में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। जिला परिषद सदस्यों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन के सहयोग से जिले में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने तथा क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस शिष्टाचार भेंट को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तिब्बती मठ को दान देने के नाम पर साढ़े पांच लाख रुपए की साइबर ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। मैक्लोडगंज में रहने वाले तिब्बती समुदाय के एक मठ के पदाधिकारियों से दान देने के नाम पर साढ़े पांच लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। शातिरों ने मठ को दान देने के बहाने ईमेल भेजकर पदाधिकारियों को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद मठ की ओर से अलग-अलग बैंक खातों में करीब साढ़े पांच लाख रुपये की राशि भेज दी गई। ठगी का अहसास होने पर मठ के पदाधिकारियों ने साइबर अपराध पुलिस थाना धर्मशाला में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जीरो प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस विभाग की साइबर सेल की टीम लेनदेन से जुड़े तथ्यों की पड़ताल करने के साथ ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और ईमेल से संबंधित जानकारी जुटा रही है। साथ ही संबंधित बैंक खातों में भेजी गई रकम को फ्रीज करवाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि ठगी की राशि को आगे दूसरे खातों में स्थानांतरित होने से रोका जा सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मठ के पदाधिकारियों को ईमेल के माध्यम से दान देने का प्रस्ताव मिला था। इस पर भरोसा करते हुए उन्होंने बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में रकम भेज दी। बाद में जब उन्हें ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। अब साइबर सेल यह पता लगाने में जुटी है कि ईमेल किसने भेजी थी, बैंक खाते किन लोगों के नाम पर हैं और ठगी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस लेनदेन के डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ रही है। खातों में राशि फ्रीज करवाने के प्रयासों के साथ आरोपियों की पहचान करने और ठगी की रकम की बरामदगी पर भी जांच केंद्रित है।

आईएएस अधिकारी राकेश ने सीएम को भेंट किया अपना पहला उपन्यास 'लाइटर दैन येस्टर्डे'



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी राकेश कुमार प्रजापति ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को अपना पहला उपन्यास 'लाइटर दैन येस्टर्डे' भेंट किया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राकेश कुमार प्रजापति को उनके प्रथम उपन्यास के लिए बधाई दी और उनकी साहित्यिक यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके इस रचनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक पाठकों को सकारात्मक चिंतन, आत्ममंथन और जीवन के गहरे पहलुओं को समझने के लिए प्रेरित करेगी। यह उपन्यास राकेश कुमार प्रजापति की साहित्यिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासनिक दायित्वों के साथ साहित्यिक सृजन के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विविध पहलुओं को अभिव्यक्त करने का उनका यह प्रयास उल्लेखनीय है। इससे पूर्व, राकेश कुमार प्रजापति यह पुस्तक परम पावन दलाई लामा को भी भेंट कर चुके हैं।

जीसीटीई धर्मशाला के विद्यार्थियों ने बस स्टॉप पर चलाया स्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (जीसीटीई), धर्मशाला के 40 से अधिक विद्यार्थियों ने शिक्षा बोर्ड के समीप स्थित बस स्टॉप पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सार्वजनिक स्थल पर चिपके पोस्टर हटाकर परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया। विद्यार्थियों ने बस स्टॉप और आसपास बिखरी प्लास्टिक की बोतलों, रैपरों तथा अन्य कचरे को एकत्रित कर सफाई की। साथ ही लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर और विज्ञापन न चिपकाने के प्रति जागरूक किया। इसके लिए 'यहां कोई पोस्टर या विज्ञापन न चिपकाएं' संदेश वाली सूचना भी लगाई गई। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

बाल विज्ञान कांग्रेस में तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा का शानदार प्रदर्शन, तीन स्पर्धाओं में जीते स्थान



भारतेन्दु संवाददाता, चलवाड़ा। तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा के विद्यार्थियों ने 33वीं हिमाचल प्रदेश बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चड़ी में 16 और 17 अक्तूबर को आयोजित प्रतियोगिता में कांगड़ा जिले के 11 उपमंडलों के लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तृप्ता पब्लिक स्कूल के 11 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मैथमेटिक्स ओलंपियाड के सीनियर वर्ग में प्रियांश चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। साइंस एक्टिविटी के सीनियर सेकेंडरी वर्ग में रितीश चौधरी प्रथम रहे, जबकि सीनियर वर्ग की साइंस क्विज में सचित शर्मा और हर्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन उपलब्धियों के साथ विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भी चयन हासिल किया। विद्यालय पहुंचने पर चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा ने विजेता विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, निरंतर अभ्यास और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

सीरत महंत ने राम नवमी पर लगाया भंडारा, गुरु पूनम महंत का लिया आशीर्वाद

भारतेन्दु संवाददाता, बड़ोग। ग्राम पंचायत बड़ोग के छयोड़ खड्ड में राम नवमी के पावन अवसर पर किन्नर एवं समाजसेविका पूनम महंत की शिष्या सीरत महंत ने भंडारे का आयोजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम में सीरत महंत ने अपनी गुरु पूनम महंत का फूलमालाओं से स्वागत कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन किया और उनका आशीर्वाद लिया। पूनम महंत ने अपनी शिष्या की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर सीरत महंत ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीति पर चिंता जताते हुए लोगों से बेटियों को सम्मान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवरात्र में कन्या पूजन करने वाले समाज को बेटियों के जन्म का भी स्वागत करना चाहिए। धार्मिक आयोजन में गुरु-शिष्य परंपरा, मानव सेवा और बेटियों के सम्मान का संदेश दिया गया।

फाइन आर्ट्स शिक्षक भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित, 82 उम्मीदवारों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में फाइन आर्ट्स के शिक्षकों 118 पदों को फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए पोस

न्यूज ब्रीफ

कांगड़ा रामलीला की आठवीं संध्या में पहुंचे वीरेंद्र चौधरी, सभा को दिए 15 हजार रुपए



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगरपरिषद मैदान कांगड़ा में आयोजित रामलीला की आठवीं संध्या में ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष एवं कांगड़ा सेवियर्स के संस्थापक वीरेंद्र चौधरी मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने रामलीला सभा को 15 हजार रुपए भेंट किए और लोगों से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि परिवार सहित रामलीला देखने से बच्चों में भी अच्छे संस्कार और विचार विकसित होते हैं। इस दौरान कलाकारों ने बाली वध, सुग्रीव राज्याभिषेक, विभीषण निष्कासन, हनुमान का लंका प्रवेश, अशोक वाटिका उजाड़ने, लंका दहन और अंगद के लंका जाने के प्रसंगों का मंचन किया। रामलीला देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में दर्शक पहुंच रहे हैं। सवालों के सही जवाब देने वाले दस लोगों को रोजाना पुरस्कार दिए जा रहे हैं। मैदान में बच्चों के लिए झूले भी लगाए गए हैं। दशहरा की अंतिम संध्या को 20 रुपए के कार्डों के माध्यम से बंपर ड्रॉ निकाला जाएगा। कार्यक्रम में रामलीला सभा के पदाधिकारी, निर्देशक और सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन अतुल चौधरी कर रहे हैं।

साई पॉलिटेक्निक कॉलेज ने जीता अंतर-महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट का खिताब



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। बधानी स्थित साई पॉलिटेक्निक कॉलेज की कबड्डी टीम ने पंजाब तकनीकी संस्थान खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित अंतर-महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट का खिताब जीतकर कॉलेज का नाम रोशन किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, अनुशासन और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को बड़े अंतर से पराजित किया। इस उपलब्धि पर कॉलेज परिसर पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज, प्रबंध निदेशक तृप्ता पुंज, मुख्य प्रबंध निदेशक कंवर तुषार पुंज, रिया पुंज और प्रधानाचार्य मुकेश गुप्ता ने खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि संस्थान तकनीकी शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के शारीरिक विकास और खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। इस जीत का श्रेय खिलाड़ियों, प्रशिक्षक और खेल विभाग की मेहनत को दिया गया।

घुमारवीं बाजार में दर्दनाक हादसा, ट्रैक्टर से गिरकर उत्तर प्रदेश के युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। घुमारवीं के मुख्य बाजार में तेज रफ्तार ट्रैक्टर से गिरकर 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नंद किशोर पुत्र श्रीमान सिंह, निवासी सिकंदरपुर, तहसील मझौली, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस को दी शिकायत में अर्जुन निवासी मुरादाबाद ने बताया कि 17 अक्तूबर को वह ट्रैक्टर पर सवार होकर कंदरौर लौट रहा था। ट्रैक्टर को बंटी कुमार चला रहा था। आरोप है कि पंजाब नेशनल बैंक के सामने तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण नंद किशोर अचानक नीचे गिर गया। उसे तुरंत घुमारवीं अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने बताया कि चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मनीष शर्मा ने रामायण प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नगरकोट युवा कला केंद्र पुराना कांगड़ा द्वारा आयोजित रामलीला में हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे। स्थानीय कलाकारों ने शानदार अभिनय से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। रामलीला में सीता हरण, रावण-जटायु युद्ध, हनुमान की श्रीराम से भेंट, राम-सुग्रीव मित्रता और हनुमान के लंका जाने सहित विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश बास्केटबॉल संघ के महासचिव, समाजसेवी एवं भाजपा नेता मनीष शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने रामायण प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रामलीला जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भारतीय परंपराओं को जीवित रखने के साथ युवा पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हैं। उन्होंने नगरकोट युवा कला केंद्र के सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्था को 11 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर रामलीला निर्देशक अजय बिजला सहित राजेश परियाल, सुभाष काला, संजीव बत्रा, रविंद्र सलैया, अनिल कुमार नीलू, बादल भाटिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अर्की महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया तिरुपति वेलनेस कंपनी का औद्योगिक भ्रमण



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की के वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों ने 16 से 18 अक्तूबर तक डॉ. अरुण ठाकुर के नेतृत्व में पांवटा साहिब स्थित तिरुपति वेलनेस कंपनी का औद्योगिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्पादन व विनिर्माण प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की और रोजगार की संभावनाओं को समझा। कॉलेज के मीडिया प्रभारी व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन तनवर ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगों की कार्यप्रणाली से परिचित करवाना और सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने राजकीय कॉलेज पांवटा साहिब में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग लिया। इसमें वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा हुई। भ्रमण प्रभारी डॉ. अरुण ठाकुर ने कंपनी प्रबंधन का आभार जताया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. मस्तराम ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और भविष्य में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक होते हैं।

अष्टमी पर देवता माहुनाग मंदिर पहुंचे हेमंत निर्माण कार्य के लिए दिए 51 हजार रुपए



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत सेवड़ा-चंडी के प्रयाब गांव स्थित देवता माहुनाग मंदिर में अष्टमी के पावन अवसर पर देवता पूजा एवं पूर्णाहुति का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी हेमंत तनवर अपनी धर्मपत्नी मंजू तनवर के साथ मंदिर पहुंचे और देवता माहुनाग का आशीर्वाद लिया। इस दौरान हेमंत तनवर ने मंदिर निर्माण कार्य के लिए अपनी निजी आय से 51 हजार रुपए की सहयोग राशि भेंट की। उनके इस योगदान पर मंदिर कमेटी ने आभार व्यक्त किया। कमेटी की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। देवता पूजा एवं पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान कली राम, सचिव परमानंद, सदस्य हीरा लाल, कृष्ण ठाकुर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। मंदिर कमेटी ने मंदिर निर्माण में सहयोग देने के लिए हेमंत तनवर का आभार जताया।

हिमाचल में विकास कार्यों पर तालाबंदी कर मित्रों के घर भरने के लिए लोनप्रिय हो गई सुक्खू सरकार : जयराम

कहा- पंचायत चुनावों में जनता ने कांग्रेस को दिखाया आईना, सुक्खू सरकार में कर्ज बढ़ा



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा/शाहपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शाहपुर में सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसे 'लोनप्रिय' करार दिया और कहा कि राज्य में विकास कार्य पूरी तरह ठप हैं।

मुख्यमंत्री कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली दौड़े रहते हैं। कर्ज का बोझ 1 लाख 20 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विकास कार्यों पर पूरी तरह विराम लगाकर और संस्थानों पर तालाबंदी करके 'लोकप्रिय' होने का दावा करने वाली ये कांग्रेस सरकार अब पूरी तरह 'लोनप्रिय' बनकर रह गई है, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति लगातार बिगड़ रही है और बेहिसाब कर्ज लिया जा रहा है। पिछली छह सरकारों ने मिलकर भी उतना ऋण नहीं लिया था, जितना 'व्यवस्था परिवर्तन' का नारा देने वाली सुक्खू सरकार ने इतने बेहद कम समय में ले लिया है। मेरे कार्यकाल के दौरान पांच वर्षों में मात्र 19,600 करोड़ रुपए का ऋण लिया गया जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह कर्ज 69600 करोड़ से बढ़कर 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूरे हिमाचल प्रदेश में विकास कार्य ठप्प पड़े हैं, तो आखिर यह सारा पैसा कहां जा रहा है। ऐसे में कांगड़ा के ही वरिष्ठ मंत्री के बेटे पूर्व सीपीएस नीरज भारती की कही बात सच साबित हो रही है कि इनका काम अटैची इकट्ठा करना ही रह गया है जो तीन दिल्ली भेजते हैं और दो अपने पास रख लेते हैं। ये आरोप हमारे नहीं कांग्रेस के ही लोग लगा रहे हैं। भाजपा शुरू से ही कह रही है कि यहां सरकार मंत्री नहीं मित्र चला रहे हैं। इन्हीं मित्रों के घर भरे जा रहे हैं। हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है।

केंद्र से आये बजट को आपदा राहत में खर्च करने के बजाए सरकार बचाने के लिए खर्च किया जा रहा है। कांगड़ा जिला के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को जहां बधाई दी वहीं ग्रामीण विकास व जनसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान भी किया।

शिक्षा मंत्री रोहित ने पुस्तक वितरण मार्गदर्शन केंद्र का किया शुभारंभ



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अब पाठ्यपुस्तकों और शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

शिक्षा को हर द्वार तक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सोमवार, 19 अक्तूबर को मंडी जिला के धर्मपुर में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के नए 'पुस्तक वितरण एवं मार्गदर्शन केंद्र' का विधिवत शुभारंभ किया। इस अहम पहल से धर्मपुर और इसके आसपास के हजारों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा। उद्घाटन समारोह के इस विशेष अवसर पर शिक्षा मंत्री के साथ धर्मपुर के स्थानीय विधायक चंद्रशेखर विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा, शिक्षा बोर्ड के सचिव अंकुश शर्मा, शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान सुनील शर्मा सहित बोर्ड के कई अन्य गणमान्य अधिकारी भी उपस्थित थे। यह नया केंद्र सिर्फ एक डिपो नहीं होगा, बल्कि छात्रों के लिए एक ऐसा मंच साबित होगा जहां से वे अपनी पढ़ाई और बोर्ड परीक्षाओं की हर उलझन को सुलझा सकेंगे। इस नई शुरुआत के फायदों पर प्रकाश डालते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से स्थानीय लोगों को एक बड़ी राहत मिली है। अब विद्यार्थियों और अभिभावकों को बोर्ड की पाठ्यपुस्तकें खरीदने के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे उनके कीमती समय के साथ-साथ यात्रा पर होने वाले खर्च की भी भारी बचत होगी।

कांग्रेस के गुट ही मुख्यमंत्री सुक्खू के खिलाफ लामबंद : राकेश जम्वाल



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी अब इस स्तर तक पहुंच गई है कि मुख्यमंत्री के अपने ही गुट के नेता उनके खिलाफ लामबंद हो रहे हैं, जिन नेताओं को मुख्यमंत्री ने अपने साथ रखा, जिन पर भरोसा जताया और जिन्हें मंत्री पद तक दिया, आज वही उनकी कार्यप्रणाली से नाराज होकर दूसरे गुटों के साथ मिलकर उनके खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि कांग्रेस के भीतर असंतोष कितना गहरा हो चुका है और मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ते नजर आ रहे हैं।

राकेश जम्वाल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू लगातार गुटबाजी का राग अलापते रहे, लेकिन उन्हें यह पता ही नहीं चला कि कब उनके अपने गुट के नेता ही उनसे नाराज होकर दूसरे गुटों में चले गए। दूसरों को गुटबाजी का पाठ पढ़ाने वाले मुख्यमंत्री आज अपनी ही पार्टी के गुटों के बीच घिर गए हैं। जिन नेताओं को कभी उनका करीबी और समर्थक माना जाता था, उनका ही विरोध अब मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। जब अपने ही गुट के नेता साथ छोड़कर दूसरे गुटों में जाने लगें, तो मुख्यमंत्री को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय अपनी कार्यशैली पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गुटों की लड़ाई अब बंद कमरों तक सीमित नहीं रही। कभी दिल्ली में मुख्यमंत्री के खिलाफ लामबंदी दिखाई देती है, कभी अलग-अलग बैठकों के जरिए शक्ति प्रदर्शन होता है, तो कभी कैबिनेट बैठकों के बहिष्कार जैसी घटनाएं सामने आती हैं। रामपुर में मुख्यमंत्री के धुर विरोधियों के साथ हुए शक्ति प्रदर्शन में कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व सीपीएस रहे नीरज भारती की मौजूदगी भी पार्टी के भीतर बदलते राजनीतिक समीकरणों पर सवाल खड़े करती है।

29 करोड़ जारी होने के बावजूद 65 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर्स को एरियर का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित एरियर भुगतान का मामला फिर उठने लगा है। अर्की की ग्राम पंचायत पलोग के माजू गांव निवासी सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी धर्मसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से वरिष्ठ पेंशनरों का बकाया जल्द जारी करवाने की मांग की है। धर्मसिंह चौहान के अनुसार, शिक्षा निदेशालय ने 11 सितंबर, 2026 को बोर्ड को 29 करोड़ रुपए जारी किए थे। इसके बावजूद 65 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों को एरियर नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि पेंशनर कल्याण संघ के सदस्य दो बार बोर्ड अध्यक्ष से मिलकर भुगतान की मांग उठा चुके हैं। 15 अक्तूबर को भी इस संबंध में आग्रह किया गया था। धर्मसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर लंबित भुगतान जल्द करवाने की अपील की, ताकि बुजुर्ग पेंशनरों को राहत मिल सके।

दिवाली तक पानी नहीं मिला तो ढालपुर में धरना देंगे नौ पंचायतों के प्रतिनिधि



बार-बार आश्वासन, समाधान का इंतजार

अनिल राणा ने आरोप लगाया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की गई, लेकिन हर बार जल्द योजनाएं शुरू करने का आश्वासन ही मिला। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि पेयजल और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को लंबे समय से परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दिवाली तक दोनों योजनाएं बहाल नहीं की गई, तो नौ पंचायतों के प्रतिनिधि और ग्रामीण एकजुट होकर ढालपुर में धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पैदा होने वाले हालात की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू की खराहल घाटी की नौ पंचायतों में पेयजल व सिंचाई की समस्या को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों ने विभाग और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने की चेतावनी दी है।

प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि यदि दिवाली तक पेयजल और सिंचाई की दोनों योजनाओं को सुचारू नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के साथ ढालपुर में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ढालपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए लराकेलो जिला परिषद वार्ड के सदस्य अनिल राणा ने बताया कि खराहल घाटी की नौ पंचायतों के लोगों की सुविधा के लिए शुरू की गई पेयजल और सिंचाई योजनाएं वर्ष 2025 से बंद पड़ी हैं। पेयजल योजना के लिए विभाग अब तक बिजली का ट्रांसफार्मर नहीं लगा पाया है, जबकि सिंचाई योजना की क्षतिग्रस्त पाइपों की मरम्मत भी नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा

◆खराहल घाटी में दो साल से पेयजल और सिंचाई संकट, विभाग पर बार-बार आश्वासन देने का आरोप

कि दोनों योजनाएं बंद होने से घाटी के लोगों को प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इन स्रोतों में भी पानी की कमी होने लगी है, जिससे ग्रामीणों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। क्षेत्र के लोग पहले से ही पेयजल की समस्या का सामना कर रहे हैं और योजनाएं बंद होने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

कुल्लू में 289 या 471 देवी-देवता पंजीकृत प्रशासन स्थिति स्पष्ट करे : ओमप्रकाश शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में देवी-देवताओं के पंजीकरण, निमंत्रण और उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर विवाद फिर गहरा गया है। देव संस्कृति शोध संस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश शर्मा ने जिला प्रशासन से सवाल किया है कि कुल्लू में बाजबुल अर्ज के तहत 289 देवी-देवता पंजीकृत हैं, जबकि कारदार संघ के रिकॉर्ड में 471 देवी-देवता दर्ज बताए जा रहे हैं। ऐसे में प्रशासन स्पष्ट करे कि जिले में कुल कितने देवी-देवता पंजीकृत हैं और दशहरा उत्सव में किन-किन देवी-देवताओं को आमंत्रित कर सुविधाएं दी जाती हैं।

ढालपुर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि दशहरा उत्सव में हर वर्ष 300 से अधिक देवी-देवताओं के शामिल होने और उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाए जाने की बात सामने आती है, जबकि बाजबुल अर्ज के अनुसार 289 देवी-देवताओं को सुविधाएं देने का प्रावधान बताया जाता है। उन्होंने उपायुक्त कुल्लू से इस पूरे मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। ओमप्रकाश शर्मा ने हाल ही में देवता बंशीरा महाराज सिधवां से जुड़े मामले में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में देवता को दशहरा उत्सव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग खारिज की गई थी। उपायुक्त के फैसले में भी संबंधित देवता को घरेलू देवता बताया गया था। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण के बाद देवी-देवताओं के पंजीकरण, ऐतिहासिक स्थिति और दशहरा उत्सव में भागीदारी के मानदंडों को लेकर प्रशासन को स्पष्ट नीति सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कारदार संघ पर आरोप लगाया कि संघ की ओर से जिन देवी-देवताओं को निमंत्रण देने की बात कही जाती है, प्रशासन भी उन्हीं के आधार पर निमंत्रण और सुविधाएं उपलब्ध करवाता है। उनके अनुसार, इससे अन्य देवी-देवताओं की अनदेखी होने की आशंका है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए, ताकि किसी तरह का भ्रम न रहे। ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि देवनीति में राजनीति नहीं होनी चाहिए। देव समाज की समृद्ध परंपराओं का पालन बुजुर्गों के समय से होता आया है और आज भी उसी परंपरा और मर्यादा को बनाए रखना जरूरी है।



ढालपुर में कुष्टू काहिका के आयोजन पर भी उठाए सवाल

ओमप्रकाश शर्मा ने ढालपुर मैदान में हाल ही में आयोजित कुष्टू काहिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कारदार संघ अपनी मर्जी से इस तरह के आयोजन करवा रहा है। उन्होंने कहा कि कभी मैदान को अशुद्ध बताने और कभी अन्य कारणों से आयोजन करने की बात कही जाती है, जबकि ढालपुर एक सार्वजनिक मैदान है, जहां हर वर्ष विभिन्न गतिविधियां आयोजित होती हैं।

संधोल को एसडीएम कार्यालय के बजाय चार साल बाद मिली लाइब्रेरी: भूपेंद्र सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। धर्मपुर में विकास कार्यों को लेकर पूर्व जिला परिषद सदस्य भूपेंद्र सिंह ने विधायक पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि संधोल में सरकार बनने के 15 दिनों के भीतर एसडीएम कार्यालय खोलने का चुनावी वादा चार साल बाद भी पूरा नहीं हुआ, जबकि पंचायत घर में लाइब्रेरी खोलने को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि सज्याओपिपलू और टिहरा में स्थानीय लोगों की मांग के बावजूद लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई। सज्याओपिपलू में साई इटरनल फाउंडेशन के राजकुमार वर्मा भवन का निर्माण करवा चुके हैं, लेकिन पुस्तकें और लाइब्रेरी संचालक उपलब्ध नहीं करवाए गए। वहीं, टिहरा में लाइब्रेरी कक्ष की मरम्मत के लिए भी बजट नहीं मिला। उन्होंने टिहरा और चोलथरा स्कूलों को सीबीएसई के अंतर्गत नहीं लाने पर सवाल उठाए। साथ ही राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के नाम पर धन एकत्र करने के तरीके पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने क्षेत्र की लंबित मांगें पूरी करने की मांग की।

पंचरुखी में दशहरे पर उभरते कलाकारों को मिलेगा खुला मंच

भारतेन्दु संवाददाता, पंचरुखी। ज्ञान दीप एजुकेशन सोसायटी के सौजन्य से दशहरा पर्व पर पंचरुखी के उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का खुला मंच प्रदान किया जाएगा। स्कूल प्रबंधक सुरेश ठाकुर ने बताया कि इच्छुक कलाकार स्वामी विवेकानंद स्टेडियम पंचरुखी में अपनी प्रस्तुति दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व के अवसर पर शाम तीन बजे से रावण दहन तक कलाकार बिना किसी शुल्क के अपनी कला का प्रदर्शन कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर देना है। सोसायटी की इस पहल से क्षेत्र के उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने और लोगों के सामने अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

पीडब्ल्यूएस अर्ली में हर्षोल्लास से मनाया दशहरा पर्व



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पीडब्ल्यूएस अर्ली इयर्स में दशहरा पर्व उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की मुख्याध्यापिका ईशानी रैना ने भगवान श्रीराम की कथा सुनाकर किया। उन्होंने बच्चों को सत्य, धर्म, दया और ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने रामायण के प्रमुख प्रसंगों पर आधारित रामलीला का प्रभावशाली मंचन किया। भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध के प्रतीकात्मक दृश्य ने बच्चों को आकर्षित किया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक जय श्रीराम के जयकारे लगाए। विद्यालय के निदेशक सनी महाजन और निदेशिका ओशिन महाजन ने आयोजन की सराहना करते हुए शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यार्थियों ने चलाया भांग उखाड़ो अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के सीट-आउट स्टडी एरिया में उगी भांग एवं अन्य झाड़ियों को काटकर परिसर की सफाई की। एक दिवसीय भांग उखाड़ो अभियान में कला स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को सफाई की जिम्मेदारी सौंपने का मुख्य उद्देश्य उनमें स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी अपने निर्धारित क्षेत्रों की सफाई का स्वयं ध्यान रखते हैं, जिससे परिसर स्वच्छ एवं सुंदर बना रहता है। यह अभियान पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. नवेन्दु बंसल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों की इस पहल से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

बाल विज्ञान कांग्रेस में सुहाना और कशिश का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

भारतेन्दु संवाददाता, चोलथरा। शहीद कैप्टन दीपक गुलेरिया राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चोलथरा की छात्राओं सुहाना ठाकुर और कशिश शर्मा ने जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। दोनों छात्राओं का चयन वैज्ञानिक परियोजना सर्वेक्षण प्रतिवेदन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। छात्राओं का मार्गदर्शन रसायन विज्ञान प्रवक्ता राकेश ठाकुर ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और प्राध्यापकों का भी उन्हें प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इससे पूर्व सरकाघाट में आयोजित खंड स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस की विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं शिवानी और कार्तिक राणा ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

रघुनाथ अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं शुरू, सीएमओ डॉ. रंजीत ने किया स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। रघुनाथ अस्पताल कुल्लू में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अस्पताल में दो विशेषज्ञ चिकित्सकों के जुड़ने से अब नवजात शिशुओं, बच्चों के हृदय रोगों और हड्डियों से संबंधित बीमारियों के उपचार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत ठाकुर ने दोनों चिकित्सकों का स्वागत किया।

अस्पताल में डॉ. प्रवीन महाजन नवजात शिशु रोग एवं बाल हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे। उनके आने से नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल और बच्चों में हृदय संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिलेगी। वहीं, डॉ. दीपक खंडेलवाल हड्डी रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। वे हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं का उपचार करेंगे। आवश्यकता के अनुसार हड्डी रोगों से संबंधित शल्य चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, दोनों विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित बाह्य रोगी सेवाएं संचालित होंगी और जरूरत के मुताबिक ऑपरेशन भी किए जाएंगे। इससे कुल्लू तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ परामर्श, उपचार और शल्य चिकित्सा की सुविधाएं मिल सकेंगी। सीएमओ डॉ. रंजीत ठाकुर ने विशेषज्ञ चिकित्सकों के जुड़ने का स्वागत किया। इस पहल से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। रघुनाथ अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। नए विशेषज्ञों की सेवाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।



मंडी भराड़ी में बस से 71 ग्राम चिट्टा बरामद, पंजाब का युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम (एसडीटी) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडी भराड़ी पुल के समीप एक बस की चेकिंग के दौरान 71 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने पंजाब निवासी 27 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ध

'मात्सुदा' खूबसूरत ओलंपिक एथलीट

जापान की शिनो मात्सुदा महिला सर्फिंग की दुनिया में उभरा हुआ है नाम बन चुकी हैं। सिर्फ सर्फिंग ही नहीं शिनो अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। शिनो सबसे खूबसूरत ओलंपिक एथलीट्स में से एक करार दिया गया है।



एशियाई पैरा गेम्स में मोना ने गोल्ड और अवनि ने जीता सिल्वर मेडल

10 मी. एयर राइफल स्पर्धा में पहला-दूसरा स्थान हासिल कर भारत ने खोला खाता

एजेंसी, नागोया

मोना अग्रवाल ने सोमवार को यहां फाइनल में शानदार वापसी करते हुए अपनी हमवतन अवनि लेखरा को पछाड़कर महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया जिससे भारत ने एशियाई पैरा खेलों में पहला-दूसरा स्थान हासिल कर पदक तालिका में अपना खाता खोला। पेरिस पैरालंपिक 2024 की कांस्य पदक विजेता मोना ने छठे स्थान से वापसी करते हुए 250.0 अंक के साथ एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने दो बार की पैरालंपिक चैंपियन अवनि को महज 0.4 अंक से पछाड़ा।

गत चैंपियन के तौर पर उतरीं 24 वर्षीय अवनि को 249.6 अंकों के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अवनि के इस पदक से भारत ने 2028 लॉस एंजिलिस पैरालंपिक के लिए दूसरा कोटा स्थान भी हासिल कर लिया। मोना ने पिछले महीने विश्व निशानेबाजी पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में



रजत पदक जीतकर पहले ही एक कोटा स्थान हासिल कर लिया था। इस स्पर्धा में दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। एसएच1 वर्ग निचले अंगों में विकलांगता वाले निशानेबाजों के लिए है। जयपुर की इन दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना के 239.1 अंक थे जबकि अवनि 239.2 अंक के साथ उनसे 0.1 अंक आगे थीं। मोना ने आखिरी शॉट में शानदार 10.8 अंक हासिल किए जबकि अवनि 10.5 अंक ही जुटा सकीं। इस तरह 38 वर्षीय दो बच्चों की मां मोना ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मोना ने क्वालीफिकेशन में भी शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ निशानेबाजों के बीच 629.1 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल करते हुए एशियाई पैरा खेलों का क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया था।

जूडो में कपिल परमार ने हासिल किया कांस्य पदक

एजेंसी, नागोया। भारतीय जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने सोमवार को यहां इंडोनेशिया के अहनाफ रफली शिदकी को हराकर एशियाई पैरा खेलों की पुरुषों की जे1-70 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कपिल को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के जुनेदी के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद उन्होंने कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई। जे1 वर्ग में गंभीर दृष्टिबाधिता वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें पूरी तरह दृष्टिहीन खिलाड़ियों से लेकर ऐसे खिलाड़ी तक हिस्सा लेते हैं जिन्हें बहुत कम रोशनी का आभास होता है।



भारतीय तीरंदाज शीतल देवी ने की विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी, नागोया

भारतीय तीरंदाज शीतल देवी ने सोमवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में महिला कंपाउंड क्वालीफाइंग राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में से 704 अंक हासिल करके विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। जम्मू कश्मीर की रहने वाली 19 वर्षीय शीतल देवी ने सटीक निशाने लगाए। उन्होंने अपने 72 तीरों में से 57 में पूरे 10 अंक हासिल किए, जिसमें 32 एक्स (लक्ष्य के सबसे भीतरी स्कोरिंग क्षेत्र में लगने वाले शॉट) शामिल थे। पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता ने इस प्रकार 698 अंकों के इस साल मार्च में बनाए गए अपने पिछले एशियाई रिकॉर्ड से छह अंक अधिक बनाए। जहां तक विश्व रिकॉर्ड की बात है तो तुर्किए की ओजनुर गिरदी ने 2024 में पेरिस पैरालंपिक खेलों में 704 अंकों का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

एशियाई खेलों में पहली बार भाग ले रही पायल महिला कंपाउंड क्वालीफाइंग में 675 अंक हासिल करके पांचवें स्थान पर रहीं। शीतल और पायल के संयुक्त प्रयासों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालीफाइंग तालिका में 1,379 अंकों के संयुक्त स्कोर के साथ शीर्ष पर रहा। चीन ने 1,338 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारत ने इस शानदार प्रदर्शन से सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

शीतल ने नया एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया



एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन शीतल ने 2023 में हांगझोउ में एशियाई पैरा खेलों के अपने ही 680 अंक के रिकॉर्ड को बेहतर किया और नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इन खेलों में दो स्वर्ण (व्यक्तिगत और मिश्रित टीम) और एक रजत (युगल) पदक जीते थे।

स्पोर्ट्स विंडो

गेंदबाजों और शेफाली के शानदार प्रदर्शन से दिन अच्छा रहा : मंधाना

एजेंसी, रायपुर। भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को यहां जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हराकर तीन मैच की श्रृंखला जीतने के बाद अपनी गेंदबाजों और शेफाली वर्मा की बल्लेबाजी की प्रशंसा की। सलामी बल्लेबाज शेफाली (55 रन, 25 गेंद) के साथ कप्तान स्मृति मंधाना (नाबाद 47 रन, 25 गेंद) ने शानदार पारी खेली जिससे भारत ने दूसरे टी20 में 102 रन का लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट पर 102 रन ही बनाने दिए थे। इससे भारत ने तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। भारत के लिए निकी प्रसाद ने दो जबकि क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने एक एक विकेट झटका। मंधाना ने मैच के बाद अपनी गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, ''आज गेंदबाजों ने पहले मैच की तुलना में बेहतर गेंदबाजी की। आज उन्होंने रणनीति के हिसाब से गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'हालांकि हम कैच लपकने में और बेहतर कर सकते हैं। पिछले मैच में हमने यह चर्चा की थी लेकिन आज हमारे पास बढ़िया रणनीति थी। आज गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।' शेफाली ने अपना 22वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़ा। शेफाली और मंधाना ने पहले विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी निभाई।

एशियाई पैरा खेल: स्वाति चौधरी ने तीरंदाजी में बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी, नागोया। भारत की पैरा तीरंदाज स्वाति चौधरी ने सोमवार को एशियाई पैरा खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में नया एशियाई पैरा खेल रिकॉर्ड बनाया। अपने पहले एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा ले रहीं स्वाति ने 648 अंक हासिल किए और चीन की मिनयी चेन के 2023 हांगझोऊ खेलों में बनाए 627 अंकों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्वाति ने पहले हाफ में 332 और दूसरे हाफ में 316 अंक हासिल किए। उन्होंने नौ बार एक्स और 14 बार 10 अंक का निशाना लगाया। उनके इस प्रदर्शन से भारतीय तीरंदाजी दल को प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत मिली। पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में भारत के हरविंदर सिंह 631 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने पहले हाफ में 310 और दूसरे हाफ में 321 अंक हासिल किए। उनके निशाने में आठ एक्स और 13 बार 10 अंक शामिल रहे। विजय सुंडी ने 630 अंक हासिल कर सातवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 318 और दूसरे हाफ में 312 अंक बनाए। उनके खाते में छह एक्स और 13 बार 10 अंक दर्ज रहे।

हांगकांग सिक्सेस के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, गुलबदीन कप्तान

अनंत ज्ञान, हांगकांग। अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस-2026 के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। छह खिलाड़ियों वाले इस तेजतर्रार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होगा। अफगानिस्तान की टीम में गुलबदीन नायब के अलावा फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सिदीकुल्लाह पाचा को शामिल किया गया है। टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ आक्रामक क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है। इस प्रारूप में तेज रन बनाना, आक्रामक बल्लेबाजी, रणनीतिक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण जीत के लिए अहम होते हैं। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और ओमान के साथ रखा गया है। टीम अपने आक्रामक अंदाज और तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेगी। क्रिकेट हांगकांग, चीन के वाणिज्यिक एवं विपणन निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 'अफगानिस्तान ने लगातार अपने खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है। हमें हांगकांग सिक्सेस-2026 में उसकी टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के रोमांच, मनोरंजन और तेज गति वाले स्वरूप का उत्सव है।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने सेविया को 4-1 से हराया, एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

एजेंसी, मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे के शानदार दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने रविवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के मुकाबले में सेविया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अगले सप्ताहांत बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले एल क्लासिको से पहले अपनी तैयारी मजबूत कर ली। रियल मैड्रिड के लिए अर्दा गुलर ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि यान डिओमांडे ने जोरदार शॉट पर गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस जीत से रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस को पीछे छोड़ दिया। एम्बाप्पे का पहला गोल बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेविया के पेनल्टी क्षेत्र के किनारे गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए डिफेंडरों को छकाया और गोल कर दिया। इसके बाद उन्होंने पेनल्टी पर पनेन्का शैली में गेंद को चिप करके अपना दूसरा गोल पूरा किया। अर्दा गुलर को मुकाबले की शुरुआत में कोहनी मारने के कारण सीधे लाल कार्ड से बचने का फायदा मिला। हालांकि, उन्होंने बाद में शानदार गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। सेविया की ओर से मैनुअल बुएनो ने बेहतरीन शॉट लगाकर एक गोल किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी।

महिला सीनियर टी-20 एलीट टूर्नामेंट के लिए एचपीसीए ने की टीम की घोषणा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 एलीट टूर्नामेंट 2026-27 में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। एचपीसीए सचिव मनुज शर्मा ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुई अच्छे प्रदर्शन की कामना की है।

शिवानी सिंह टीम की कप्तान

चयनित खिलाड़ी

हरलीन देओल (कांगड़ा), ज्योति ठाकुर (कांगड़ा), सुष्मिता कुमारी (किन्नौर), ललिता दत्ता (कुल्लू), मोनिका देवी (कुल्लू), यमुना देवी (कुल्लू), नीना चौधरी (मंडी), निकिता एम. चौहान (मंडी), शिवानी सिंह (कप्तान, मंडी), सोनल ठाकुर (मंडी), देवांशी वर्मा (शिमला), हिमांशी मेहता (शिमला), निकिता एस. चौहान (शिमला), प्राची चौहान (शिमला), सुषमा वर्मा (शिमला), वासुवी फिष्टा (शिमला)।

सपोर्ट स्टाफ

अनाघा देशपांडे (मुख्य कोच), प्रेम सिंह (सहायक कोच), शिवानी शर्मा (क्षेत्ररक्षण कोच), शिव कपूर (टीम मैनेजर), सात्विका कपिला (फिजियोथेरेपिस्ट), प्रियंका कुमारी, संजीव वर्मा (वीडियो विश्लेषक), सोनाली ठाकुर (मसाज थेरेपिस्ट),

लीग मैचों का शेड्यूल

हिमाचल बनाम मध्य प्रदेश टी-20 (26 अक्तूबर, मुल्लांपुर), हिमाचल बनाम ओडिशा टी-20 (27 अक्टूबर, मोहाल), हिमाचल बनाम राजस्थान टी-20 (29 अक्टूबर, मोहाली), हिमाचल बनाम हरियाणा टी-20 (31 अक्टूबर, मुल्लांपुर), हिमाचल बनाम आंध्र प्रदेश टी-20 (2 नवंबर, मुल्लांपुर), हिमाचल बनाम बड़ौदा टी-20 (4 नवंबर, मोहाली), हिमाचल बनाम सौराष्ट्र टी-20 (6 नवंबर, मुल्लांपुर)

द. कोरिया की आन सी यंग ने जीता डेनमार्क ओपन

सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी भी बनीं

एजेंसी, ओडेंस

साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया।

डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-यंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया। (अनंत ज्ञान)



'मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं'

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूं।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

फाइनल में टखने की चोट के बाद वापसी की

दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आन से-यौंग फाइनल में यामागुची के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हार गई थीं। उन्होंने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-14 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंच गया। तीसरे गेम में आन एक समय 5-11 से पीछे थीं। कोर्ट पर फिसलने के बाद उनके दाएं टखने में चोट लगी। इसके बावजूद उन्होंने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने कोर्ट के धीमे हिस्से का फायदा उठाया और तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया। आन ने मैच के बाद कहा, 'कोर्ट खराब था और मैं फिसल गई। मैं अपने शरीर की जांच कराऊंगी और अपने कोच से बात करूंगी।' उन्होंने कहा, 'अंतिम गेम में मैं कोर्ट के धीमे हिस्से में थी और मुझे ज्यादा भरोसा था।'

भारतीय बाजार से नौ साल का विदेशी निवेश साफ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताई विदेशी निवेशकों के पलायन की वजह

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में लगातार जारी गिरावट और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारी बिकवाली ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विदेशी पूंजी की लगातार निकासी को देश के लिए एक बड़ी चुनौती बताया है। बैंकॉक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि बाजार में नकदी की आसान उपलब्धता विदेशी निवेशकों को तेजी से अपना निवेश निकालने का अवसर दे रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच पूंजी की लगातार निकासी पर नजर रखना जरूरी है।

पिछले कुछ समय से भारतीय शेयर बाजार निवेशकों को बेहतर प्रतिफल



वित्त मंत्री ने पूंजी निकासी को बताया बड़ा जोखिम

देने में नाकाम रहा है। व्यापारिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के कारण जनवरी से प्रमुख सूचकांकों में करीब 12 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है।

घरेलू निवेशकों से मिल रहा सहारा

- **विदेशी** निवेशकों की लगातार
- बिकवाली के बावजूद घरेलू
- निवेशक और म्यूचुअल फंड बाजार
- में पूंजी लगाकर गिरावट के दबाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

63.6 अरब डॉलर की निकासी

विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से लगभग 63.6 अरब डॉलर निकाल चुके हैं। यह राशि पिछले नौ वर्षों में भारतीय बाजार में आए करीब 63.5 अरब डॉलर के कुल निवेश के बराबर है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में विदेशी निवेशकों ने 18.9 अरब डॉलर निकाले, जबकि वर्ष 2026 में अब तक निकासी बढ़कर 32.8 अरब डॉलर पहुंच गई। मार्च में सबसे अधिक 12.7 अरब डॉलर की निकासी दर्ज की गई। इसके बाद अप्रैल और जून में भी बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी बाजार से बाहर गई। विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार से दूरी बनाने के पीछे कई अंतरराष्ट्रीय कारण हैं। अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर बढ़ता प्रतिफल, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें निवेशकों की रणनीति को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा, वैश्विक निवेशकों का रुझान तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सेमीकंडक्टर उद्योग की ओर बढ़ रहा है।

सेंसेक्स में 1000 अंकों की बड़ी गिरावट, निफ्टी भी 300 अंक लुढ़का

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार, 19 अक्टूबर को भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 1,000 अंक टूटकर 73,800 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी भी लगभग 300 अंक गिरकर 22,850 के स्तर पर आ गया। आईटी, निजी बैंकिंग और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। बाजार में गिरावट के पीछे बैंकिंग शेयरों में दबाव, कमजोर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और निवेशकों के बीच बढ़ती चिंता प्रमुख कारण रहे।

बैंकिंग क्षेत्र में बिकवाली की मुख्य वजह एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों को लेकर निवेशकों की निराशा रही। बैंक के मुनाफे और शुद्ध ब्याज मार्जिन पर दबाव की चिंताओं से बैंकिंग शेयरों में कमजोरी आई। इसके अलावा, अमेरिका और एशिया के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों ने भी घरेलू बाजार की धारणा प्रभावित की। विशेष रूप से प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट का असर भारतीय बाजार पर पड़ा।

कच्चे तेल की कीमतें 108 डॉलर प्रति बैरल के पार बने रहने से भी निवेशकों की चिंता बढ़ी। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका रहती है। वहीं, बाजार में उतार-चढ़ाव का संकेत देने वाला इंडिया विक्स करीब चार प्रतिशत चढ़ गया, जिससे निवेशकों की सतर्कता बढ़ने का संकेत मिला।



बाजार की तेजी पर ब्रेक

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बीते सात दिनों में करीब 7,282 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने कुछ सहारा देने की कोशिश की। इससे पहले 16 अक्टूबर को सेंसेक्स 413 अंक बढ़कर 74,729 और निफ्टी 148 अंक चढ़कर 23,146 पर बंद हुआ था। सोमवार की गिरावट ने पिछले कारोबारी सत्र की तेजी को कमजोर कर दिया।

बैंकों के कुल कर्ज में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी घटी, ऋण देने में सतर्कता बढ़ी

एजेंसी, मुंबई

देश के बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज देने को लेकर सतर्क रुख अपना रही हैं। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर 2026 के अब तक घोषित नतीजों से संकेत मिलता है कि कई बैंकों के कुल कर्ज में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी कम हुई है। कुछ बैंकों के कृषि ऋण पोर्टफोलियो में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य बैंकों में कृषि कर्ज की वृद्धि कुल ऋण की तुलना में धीमी रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस रुझान का सबसे स्पष्ट असर आरबीएल बैंक के कृषि ऋण पोर्टफोलियो में दिखाई दिया है। बैंक के कृषि कर्ज में गिरावट दर्ज की गई।

कुल कर्ज बढ़ा, लेकिन कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी में आई गिरावट

कृषि कर्ज सुस्त

इसके अलावा फेडरल बैंक के कृषि ऋण में भी कमी आई है। वहीं, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक ने कृषि क्षेत्र को दिए जाने वाले कर्ज में बढ़ोतरी की है। हालांकि, इन बैंकों के कुल कर्ज में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी फिर भी घट गई। इससे संकेत मिलता है कि कृषि ऋण में वृद्धि अन्य क्षेत्रों को दिए जा रहे कर्ज के मुकाबले अपेक्षाकृत धीमी रही है।

मौसम का असर

कृषि ऋण ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। किसानों को बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण और सिंचाई जैसी जरूरतों के लिए समय पर कर्ज की आवश्यकता होती है। ऋण की उपलब्धता धीमी होने से खेती की लागत जुटाने में कठिनाई आ सकती है। हालांकि, बैंकों के तिमाही नतीजों से अकेले यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि पूरे देश में कृषि ऋण वितरण घटा है।

उपग्रह टाइटेनियम उत्पादन के वैश्विक मानचित्र पर भारत को मजबूत बनाने की तैयारी

आंध्र में 16 हजार करोड़ से बनेगा टाइटेनियम पार्क

एजेंसी, अमरावती

आंध्र प्रदेश में समुद्री रेत में मौजूद मूल्यवान खनिजों का दोहन करने और देश में टाइटेनियम उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। देश के प्रमुख उद्योग समूह अडाणी ग्रुप ने श्रीकाकुलम जिले में 16,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक विशाल एकीकृत टाइटेनियम पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को सौंपा है। इस परियोजना का उद्देश्य तटीय रेत से प्राप्त खनिजों का प्रसंस्करण कर टाइटेनियम पिगमेंट और उच्च शुद्धता वाली टाइटेनियम धातु का उत्पादन करना है। इससे देश की घरेलू औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के साथ आयात पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।

परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) के सहयोग से तटीय रेत में मौजूद खनिजों को अलग करने और उनका प्रसंस्करण करने की योजना है। इसके लिए

रक्षा उद्योग को मिलेगा टाइटेनियम का सहारा



प्रस्तावित टाइटेनियम पार्क में प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन टाइटेनियम पिगमेंट और 10,000 टन उच्च शुद्धता वाली टाइटेनियम धातु का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है। टाइटेनियम का उपयोग विमानन, रक्षा, चिकित्सा उपकरणों, रासायनिक उद्योग और अन्य उच्च तकनीक वाले क्षेत्रों में किया जाता है। वहीं, टाइटेनियम पिगमेंट का इस्तेमाल पेंट, प्लास्टिक और कई अन्य उत्पादों के निर्माण में होता है। ऐसे में परियोजना से देश के विभिन्न उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है।

निवेश के साथ रोजगार की नई उम्मीद

दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश सरकार समुद्री रेत और दुर्लभ खनिजों से संबंधित नई नीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। कंपनी को कर छूट और अन्य औद्योगिक प्रोत्साहन देने के संबंध में भी निर्णय लिया जाना बाकी है। यदि परियोजना को मंजूरी मिलती है और इसे निर्धारित योजना के अनुसार लागू किया जाता है, तो तटीय क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

एल्युवियल हैवी मिनरल्स लिमिटेड को परियोजना विकासकर्ता एवं संचालक के रूप में चुना गया है। योजना के अनुसार, श्रीकाकुलम जिले के गारा और विशाखापट्टनम जिले के भिमिली में विशेष संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।